हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com रायपुर, मंगलवार 28 मई 2024

किर्गिस्तान की शिक्षामंत्री बोलीं- सॉरी, कहा, आगे व्यवस्था अच्छी और सुरक्षित रहेगी, छात्रों पर नहीं आएगी आंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

किर्गिस्तान की शिक्षा मंत्री सुश्री केंद्रीबेवा शरशीनेवा ने कहा कि यहां पर जो घटना हुई, वह एक फेक न्यूज की वजह से हुई। सोशल मीडिया के माध्यम से घटना को बड़ा करके दिखाया गया। अब यहां पर माहौल शांत हो गया है। यहां पर जो शिक्षा व्यवस्था है, वह पहले की तरह अच्छी रहेगी। छात्रों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की शिक्षा देने का प्रयास हो रहा है। आगे भी यहां की शिक्षा व्यवस्था पहले की तरह ही प्रभावी रहेगी, सुरक्षित और स्तरीय रहेगी, इसका मैं भरोसा दिलाती हूं। किर्गिस्तान में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने चर्चा की। पेश है उसके कुछ अंश-

खास खबर

हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु ने की जिम्मेदारों से बात, मिला सुरक्षा का भरोसा

▶▶ *किर्गिस्तान में भारत के पढ़ने वाले बच्चों की हालत बहुत खराब है इसलिए हम यहां आए हैं, इस बारे में आपका क्या मत है?*

▶▶ यहां पर 13 मई के जो हालात थे वो अच्छा नहीं था, इसके लिए हम दुखी हैं। यहां पर विभिन्न देशों के बच्चे यहां पर पढ़ रहे हैं। अध्यक्ष ने स्वयं इसे कंट्रोल किया है। उन्होंने हमें इसे नियंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। बहुत से बच्चे यहां से जा चुके हैं। उनके लिए हमने ऑनलाइन क्लॉसेस का ऑप्प्शन रखा है। हम बच्चों से बात कर रहे हैं और उनसे संपर्क में लगातार हैं।

▶▶ *इतनी बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ने के लिए आते क्यों हैं?*

▶▶ सबसे बड़ा इसका कारण यह है कि किर्गिस्तान एक लिबरल कंट्री है। हमारे यहां की शिक्षा व्यवस्था बहुत ही अच्छी है। प्राइस वाइस देखें तो छात्रों को लिए बहुत एफोर्डेबल है।

▶▶ *एक छोटी से मारपीट की घटना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गई क्यों?*

▶▶ आज के समय में सोशल मीडिया बहुत सक्रिय है। सोशल मीडिया पर कंट्रोल किसी का नहीं है, इसके कारण यह घटना जल्दी ही अन्य क्षेत्रों तक पहुंची, लेकिन आज सुबह भी एक मीटिंग हुई थी उसमें भी सभी छात्रों से कहा गया है कि वे अपने को सुरक्षित महसूस करें। शासन, सुरक्षा एजेंसी और अन्य संगठनों से जिनसे छात्र टच में रहते हैं। उनसे भी बात की गई है। आने वाले समय में छात्र अपने को सुरक्षित महसूस करें उसके लिए अन्य कार्यक्रम कराएंगे।

▶▶ *इजिप्ट, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारतीयों की बात हो रही है। जिस प्रकार का घटना क्रम है, क्या ये देश आगे सुरक्षित रहेगा?*

▶▶ ये जो घटनाक्रम अभी हुआ इसका सबसे बड़ा कारण था फेक न्यूज। फेक न्यूज के तहत कुछ फोटो और वीडियो निकाले गए। हमारी आईटी टीम ऐसी फेक न्यूज को कंट्रोल करने में लगी है ताकि ऐसी बात आगे न हो। हम सांस्कृतिक गतिविधि दो कंट्रीज के ▶▶ शेष पेज 6 पर

हीट स्ट्रोक से 88 दिन में 60 मौतें, छग समेत कई राज्यों में तीन दिन जारी रहेगा कहर

» *भीषण गर्मी ने देश में मचाया तांडव, दो दिन बाद केरल में मानसून की एंट्री*

» *दिल्ली समेत उत्तर पश्चिम वालों को 30 मई के बाद मिल सकती है राहत*

देश के कई राज्य इन दिनों भीषण गर्मी-लू की चपेट में हैं। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में पारा 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1 मार्च से अबतक देश में हीटस्ट्रोक के 16 हजार से अधिक मामले रिपोर्ट किए गए जबकि 60 से अधिक लोगों की मौत हुई है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अभी तीन दिन और भीषण गर्मी रहेगी। ऐसा अनुमान है कि 30 मई के बाद थोड़ी राहत मिल सकती है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली/रायपुर

देश में 1 मार्च से अब तक 16,344 हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए। केंद्र सरकार की ओर से देश के उत्तरी और मध्य भागों में चल रही लू को ध्यान में रखते हुए सभी राज्यों और केंद्र शाासित प्रदेशों को सलाह जारी करते हुए कहा है कि अस्पतालों में लू और हीटस्ट्रोक के मामलों से निबटने के लिए सभी इंतजाम रखें। मौसम विभाग के प्रमुख मृत्युंजय मोहपात्रा ने एक प्रेस ▶▶ शेष पेज 6 पर

इन राज्यों में ऐसे हालात

आईएमडी प्रमुख के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर, दक्षिणी हरियाणा, दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश और पंजाब में पांच से सात दिन 17 से 20 मई और 25-26 मई को लू की स्थिति रही। पारा 44-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। महापात्र ने कहा कि मई में दो चरण में लू चली। भीषण लू का पहला चरण एक से पांच मई तक रहा। यह मुख्यतः पूर्वी भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप भारत में ही सीमित रहा।

हीटस्ट्रोक के कारण हो सकती हैं गंभीर समस्याएं

एक्सपर्ट व्यू

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, देश के कई राज्यों में बढ़ता तापमान चिंताजनक है। दिल्ली स्थित एक अस्पताल में इंटेंसिव केयर के डॉक्टर विक्रमजीत सिंह बताते हैं, पिछले कुछ दिनों में ओपीडी और आपातकालीन चिकित्सा विभाग में हीटस्ट्रोक के मामलों में वृद्धि हुई है। ज्यादातर रोगी मुख्यरूप से शरीर के तापमान में वृद्धि, सुस्ती, कमजोरी और मुंह सूखने जैसे लक्षणों के साथ आ रहे हैं। लू के लक्षणों की पहचान या समय पर इसका उपचार न होने की स्थिति में जानलेवा दुष्प्रभावों का खतरा हो सकता है।

छग में लू के हालात, तापमान 44 डिग्री

राजस्थान की ओर से आने वाली शुष्क हवा के असर से छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में गर्मी का प्रकोप जारी है। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के ज्यादातर शहरों में अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री से बीच दर्ज किया गया। इसके प्रभाव से दोपहर होते ही अनेक स्थानों पर ग्रीष्मलहर की स्थिति बनी रही। भारी ▶▶ शेष पेज 6 पर

इधर, हीटवेव से बीएसएफ जवान की मौत

इससे पहले सोमवार को जैसलमेर में भारत-पाक सीमा पर तैनात बीएसएफ जवान की लू लगने से मौत हो गई। वहीं जोधपुर के पुलिस लाइन में तैनात एक कॉन्स्टेबल की गर्मी से जान चली गई। राजस्थान में 4 दिन में गर्मी से मरने वालों की संख्या 30 हो चुकी है। बिहार में भी नगालैंड के जवान की हीट स्ट्रोक से मौत हुई है।

पेड़ उखड़े, ढह गए कच्चे मकान

प. बंगाल में 'रेमल' का कोहराम, छह की मौत

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात 'रेमल' से राज्य में जान-माल को काफी नुकसान पहुंचा है। चक्रवात की चपेट में आकर अब तक छह लोगों की मौत की खबर है, हालांकि सरकारी तौर पर चार की मौत की बात कही गई है। दर्जनों घायल हुए हैं। दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप, बकखाली, फ्रेजरगंज, सागरद्वीप और सुंदरवन इलाकों में हजारों कच्चे घर ढह गए हैं। दो लाख लोग राहत शिविरों में हैं। विभिन्न जिलों में 1,400 राहत शिविर खोले गए हैं।

उड़ानें शुरू कुछ डायवर्ट

चक्रवात के गुजरने के बाद सोमवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर विमानों का परिचालन दोबारा शुरू किया गया। हालांकि तेज हवाओं के कारण विमानों के उड़ान भरने व रनवे पर उतरने में काफी परेशानी हुई। लैंडिंग करने में विफल रहने पर कुछ विमानों को गया, गुवाहाटी, भुवनेश्वर व वाराणसी की ओर मोड़ दिया गया। विमान सेवाओं को रविवार दोपहर 12 बजे बंद किया गया था। ट्रेन सेवाएं भी बहाल की गईं, हालांकि बारिश के कारण उनका मूवमेंट धीमा रहा।

बांग्लादेश के तटीय इलाकों से टकराया था चक्रवात

मालूम हो कि चक्रवात रविवार रात करीब 8.30 बजे बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों से टकराया था। उसके प्रभाव से सोमवार को कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर व दक्षिण 24 परगना, पूर्व व पश्चिम बद्र्धमान, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाडग़्राम, नदिया, पूर्व व पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में भारी बारिश हुई, जिसका सामान्य जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है।

खबर संक्षेप

हवाई अड्डे से 10 किलो सोना और सामान जब्त

मुंबई। मुंबई सीमा शुल्क टीम ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 31 मामलों में 10.6 किग्रा सोना और 8.68 करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स और विदेशी मुद्रा जब्त की हैं। पिछले चार दिनों में की गई जब्ती की इस कार्रवाई में तीन को गिरफ्तार किया गया है।

ओडिशा चुनाव में 412 करोड़पति उम्मीदवार

भुवनेश्वर। ओडिशा में 13 मई से एक जून तक होने वाले विधानसभा चुनाव में 412 'करोड़पति' उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर और 'ओडिशा इलेक्शन वॉच' ने 1,285 उम्मीदवारों में से 1,283 के चुनावी हलफनामों का विश्लेषण किया है।

ट्रक से टकराई स्कार्पियो दंपती समेत चार की मौत

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर जिले के राजियासर थाना क्षेत्र में रविवार को एक सड़क हादसे में दंपती समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे एक अन्य महिला घायल हो गई। हादसा स्कार्पियो के आगे चल रहे ट्रक में टकराने से हुआ।

ट्रेनें रद्द, पटरियों पर बैठकर जताया विरोध

जम्मू। एक महिला समेत दो व्यक्तियों ने एक रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन कर श्री शक्ति एक्सप्रेस ट्रेन को कुछ देर के लिए रोक दिया। विरोध प्रदर्शन कई ट्रेन रद्द होने और उनके आने जाने के बारे में समय पर जानकारी नहीं मिलने से नाराजगी के बाद शुरू हुआ था।

'लिव-इन' साथी के शव के साथ तीन दिन रहा

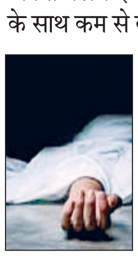

इंदौर। इंदौर में 53 वर्षीय व्यक्ति अपनी 'लिव-इन' साथी की लाश के साथ कम से कम तीन दिन रहा। इसके बाद में शव को बोरी में बंद करके सड़क पर लावारिस छोड़ दिया। चंदन नगर क्षेत्र में रविवार को 57 वर्षीय महिला की बोरे में बंद लाश मिली।

बजरंग दल के जिला संयोजक का जंगल में मिला शव, साथ में मिली युवती की लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलरामपुर

सोमवार की सुबह बजरंग दल के नेता का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। युवक का शव डुमरखी जंगल में मिला है। युवक के शव के पास ही एक युवती की लाश भी मिली है। दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने नगरबंद कराया और चक्काजाम कर दिया। लोगों की भावनाओं को देखते हुए पुलिस ने 72 घंटे का समय मांगा है। पुलिस के अनुसार नगर के वार्ड क्रमांक 1 ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ **पुलिस ने मांगा 72 घंटे का समय, दोनों लाशों को जलाने का प्रयास**

दोहरे हत्याकांड से लोगों का फूटा गुस्सा, चक्काजाम व नगरबंद

टीमों का किया गया है गठन

घटना की जांच के लिए अलग अलग टीमों का गठन किया गया है। टीम सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- डॉ. लाल उमेद सिंह, एसपी

परिजन ने गौ तस्कर पर लगाया आरोप

युवक युवती की हत्या का कारण अब तक पता नहीं चल सका है और ना ही दोनों के बीच संबंध की जानकारी मिली है। इस बीच मृतक सुजीत सोनी के परिजन का कहना है कि वह बजरंग दल का सक्रिय कार्यकर्ता था और लगातार गौ तस्करों के खिलाफ काम करता रहता था। परिजन का ▶▶ शेष पेज 6 पर

कोयला घोटाला और मनी लांड्रिंग केस

सौम्या को हाईकोर्ट से नहीं मिली अंतरिम जमानत

बिलासपुर। कोयला घोटाला और मनी लांड्रिंग केस में जेल में बंद कांग्रेस सरकार में उपसचिव रहीं सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। सौम्या की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा है। बता दें कि सौम्या चौरसिया ने बच्चों की परवरिश के आधार पर जमानत की मांग की है। अब मामले की सुनवाई 10 जून ▶▶ शेष पेज 6 पर

विशेष अदालत से भी खारिज हो गई थी अर्जी

ध्यान रहे कि कुछ दिन पहले ही ईडी की विशेष अदालत में जमानत अर्जी खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई जस्टिस एनके व्यास की बेंच में हुई।

बोगस बिल और फर्जीवाड़ा रोकने बड़ी पहल

ई-वे बिल की छूट खत्म, अब 50 हजार से अधिक के माल परिवहन पर जनरेट करना होगा बिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2018 से ई-वे बिल के मामले में सरकार ने जो छूट दे रखी थी, उसे अब समाप्त कर दिया गया है। राज्य शासन के वाणिज्यक कर विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर साफ किया है कि ई-वे बिल के संबंध में 2018 में जो अधिसूचना जारी की गई थी, उसे विखंड़ित कर दिया गया है। खास बात ये है कि सरकार ने ऐसा करने के लिए केंद्रीय कर मुख्य आयुक्त से ▶▶ शेष पेज 6 पर

खास खबर

छह साल पहले इसलिए मिली थी छूट

वर्ष 2018 में ई वे बिल के प्रावधानों से छूट इसलिए दी गई थी क्योंकि ये प्रावधान नए थे और व्यवसायियों और ट्रांसपोर्टर्स को इन प्रावधानों से अच्छी तरह परिचित होने के लिए समय दिया जाना जरूरी था। देश भर मे ई वे बिल के प्रावधान लागू हुये अब 6 साल का समय हो गया है और सभी इससे अच्छी तरह परिचित भी हो चुके हैं, यहाँ यह बात उल्लेखनीय है कि एक दो राज्यों को छोडकर देश के अधिकांश राज्यों में राज्य के भीतर माल के परिवहन पर ई वे बिल अनिवार्य है। केंद्रीय कर विभाग द्वारा भी ई वे बिल से छूट को खत्म करने पर सहमति दी गई है।

बोगस बिल रोकने में मिलेगी मदद

जानकारों के मुताबिक ई वे बिल जारी करने में दिये गए छूट का सबसे अधिक दुरुपयोग सर्क्युलर ट्रेडिंग करने वाले और बोगस बिल जारी करने वालों ने किया है इसलिए इस छूट को समाप्त किए जाने का सबसे अधिक लाभ उन व्यवसायियों को होगा जो ▶▶ शेष पेज 6 पर

हरिभूमि रण भूमि लोकसभा सत्ता संग्राम-2024

नई दिल्ली। पंजाब की खडूर साहिब सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह को 'माइक' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। 'वारिस पंजाब दे' संगठन का प्रमुख अमृतपाल राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। अमृतपाल राज्य में चुनाव लड़ रहे कुल 328 उम्मीदवारों में से उन 169 निर्दलीय उम्मीदवारों में शामिल हैं, जिन्हें चुनाव चिह्न आवंटित किए गए हैं। फरीदकोट (सुरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे सरबजीत सिंह खालसा को 'गन्ना किसान' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। सरबजीत दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारों में से एक बेअंत सिंह का बेटा है।

पंजाब में चुनाव लड़ रहे कुल 328 उम्मीदवारों में से 169 निर्दलीय

पंजाब चुनाव : फरीदकोट से लड़ रहा है इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा

पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के अनुसार, पंजाब की 13 लोकसभा सीट के लिए चुनाव लड़ रहे 328 उम्मीदवारों को भारत के निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिला चुनाव अधिकारियों द्वारा चुनाव चिह्न आवंटित किए गए हैं। निर्दलीय उम्मीदवारों को आवंटित चुनाव चिह्नों में हारमोनियम, डम्बल, सेब, चिमटा, हॉकी और गेंद, स्टूल, जहाज, गैस सिलेंडर, बैटरी टॉर्च, अलमारी, कंप्यूटर, बल्लेबाज, बल्ला, ट्रक, खाट, फूलगोभी, पेट्रोल पंप, टेलीविजन, लैपटॉप, ऑटो रिक्शा, प्रेशर कुकर, प्लास्टरिंग ट्रॉवेल, बांसुरी, हीरा, रोड रोलर, लेटरबॉक्स, चिमनी और सिलाई मशीन शामिल हैं।

खडूर साहिब से लड़ रहा अमृतपाल

किस सीट से कितने निर्दलीय

सीईओ ने बताया कि गुरदासपुर से 14 निर्दलीय सहित 26 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि अमृतसर में 30 उम्मीदवारों में से 18 निर्दलीय और खडूर साहिब सीट पर 27 उम्मीदवारों में से 18 निर्दलीय उम्मीदवार चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। जालंधर सीट पर 20 उम्मीदवारों में से आठ निर्दलीय हैं, जबकि होशियारपुर में 16 में से चार निर्दलीय उम्मीदवार हैं। आनंदपुर साहिब में कुल 28 उम्मीदवारों में से 13 और लुधियाना में 43 उम्मीदवारों में से 26 निर्दलीय उम्मीदवार हैं। फतेहगढ़ साहिब में कुल 14 उम्मीदवारों में से सात निर्दलीय हैं, जबकि फरीदकोट में कुल 28 में से 12 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। फिरोजपुर से 17 निर्दलीय सहित कुल 29 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

खडूर साहिब में दिलचस्प मुकाबला

अमृतपाल सिंह के चुनाव मैदान में प्रवेश के साथ पंजाब के सिख बहुल संसदीय क्षेत्र खडूर साहिब में एक दिलचस्प चुनावी संघर्ष देखने को मिल रहा है। इस सीट को शिरोमणि अकाली दल का गढ़ माना जाता है। खडूर साहिब की चुनावी लड़ाई पंचकोणीय है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने पूर्व विधायक विरसा सिंह वल्टोहा को मैदान में उतारा है, जबकि परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने पूर्व विधायक कुलबीर सिंह जीरा और भाजपा ने मंजीत सिंह मियांविंड को अपना उम्मीदवार बनाया है। खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र को 'पंथिक' सीट के रूप में जाना जाता है और इसमें सभी तीन क्षेत्रों- माझा, मालवा और दोआबा के मतदाता शामिल हैं। इसमें नौ विधानसभा क्षेत्र हैं- जंडियाला, तरनतारन, खेम करण, पट्टी, खडूर साहिब, बाबा बकाला, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी और जीरा। सात विधानसभा क्षेत्रों पर 'आप' का कब्जा है, जबकि एक सीट कांग्रेस और एक निर्दलीय के पास है। शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार रतन सिंह अजनाला और रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा ने क्रमशः 2009 और 2014 के आम विधानसभा चुनावों में खडूर साहिब सीट जीती थी। हालांकि शिअद उम्मीदवार एवं पूर्व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) प्रमुख बीबी जागीर कौर 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार जसबीर सिंह डिम्पा से हार गईं। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की पत्नी परमजीत कौर खालरा ने भी इस सीट से 2019 का चुनाव लड़ा था और उन्हें महज 20 प्रतिशत वोट हासिल हुआ था और वह हार गयी थीं।

सोशल मीडिया

मोदी सरकार मजबूत, संप्रग सरकार मजबूर : जेपी नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि उनकी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को 'मजबूत' सरकार प्रदान की है जो पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में सक्षम है। '2014 में सत्ता से बाहर हुई कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार मजबूर, कामज़ोर और अपंग थी।' प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मजबूत है, जिसने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया। इससे ''जम्मू-कश्मीर के उन लोगों को मुक्ति मिली, जिन्हें मुट्ठी भर राजनीतिक परिवारों ने वर्षों से बंधक बना रखा था।

देश की स्वतंत्रता, संविधान और लोकतंत्र खतरे में : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हमारे देश की स्वतंत्रता, संविधान और लोकतंत्र खतरे में है।' इस देश में संविधान, लोकतंत्र और आजादी को बचाने की लड़ाई में सबसे आगे रहने की जरूरत है। 'हमारे देश के अंदर भी अब तानाशाही हो रही है। यदि इस समय हम मोदी को नहीं हराते हैं तो लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं रहेगा। लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। आप नेता ने कहा, ''देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। हम सिर्फ एक वक्त भोजन कर सकते हैं, लेकिन हम तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकते।'

'चुनाव के बाद खड़गे साहब आपकी नौकरी जाने वाली है'

अमित शाह ने बताया चुनाव बाद कांग्रेस क्या करेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर लोकसभा सीट पर जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि 4 जून को एनडीए की जीत निश्चित है और उसी दिन राहुल गांधी की टीम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी और अपनी हार के लिए ईवीएम को दोष देना शुरू कर देगी। अमित शाह ने आगे कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को यह समझने की जरूरत है कि इन भाई-बहनों (राहुल-प्रियंका) को दोषी नहीं ठहराया जाएगा। जनसभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान के लिए दोषी ठहराया जाएगा। इसके बाद उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाएगा। अमित शाह ने आगे कहा कि 4 जून को राहुल बाबा की पार्टी 40 भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश बाबू 4 भी पार नहीं कर पाएंगे।

सातवें चरण में आपको कराना है 400 पार

रैली को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 6 चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि मेरे पास 5 चरण का आंकड़ा है, जिसमें 5 चरण में पीएम मोदी 310 सीटें पार कर चुके हैं। जबकि, छठा चरण हो चुका है, सातवां होने वाला है, जिसमें आप लोगों को 400 पार कराना है। शाह ने इंडिया अलायंस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये (घमंडिया गठबंधन) झूठ के आधार पर जीने वाले लोग हैं। इन्होंने कहा है कि हम मुस्लिम आरक्षण देंगे।

'पारंपरिक वोट नहीं मिलने से एनसीपी को हो रहा नुकसान'

अजीत गुट के प्रफुल्ल पटेल का है मानना

मुंबई। क्या लोकसभा चुनाव में अजित पवार गुट को नुकसान हो रहा है? क्या उसे पारंपरिक वोट नहीं पड़े हैं? ऐसी बातें प्रफुल्ल पटेल के बयान के बाद की जा रही हैं। डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी की बैठक मुंबई के गरवारे क्लब में हुई। इस बैठक में प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि एनसीपी को पारंपरिक वोट नहीं मिलने से पार्टी को नुकसान हो रहा है। मुंबई तक की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि प्रफुल्ल पटेल ने बैठक में कहा, ''लोकसभा चुनाव के नतीजे जल्द ही आने वाले हैं। इस चुनाव ने हमारे कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनता के बीच भी संविधान को लेकर सवाल उठाए हैं। संविधान को लेकर महाराष्ट्र में बहुत भ्रम है। चूंकि 400 का नारा हमारा है, इसलिए हमें 400 पार करने के लिए इस मुद्दे और प्रचार को नियंत्रित करना होगा। एनसीपी को भारी नुकसान हुआ है क्योंकि हमें अपने पारंपरिक वोट नहीं मिल रहे हैं। "

न अपने पक्ष का ना दूसरे पक्ष का मिला वोट

पटेल ने कहा, ''हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस चुनाव में पहले हमें न तो अपने पक्ष का वोट मिला और न ही दूसरे पक्ष का वोट मिला। हमें विश्वास है कि देश में एक बार फिर नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार बनेगी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एनडीए का एक हिस्सा है। छगन भुजबल इस चुनाव में रहने वाले थे। केंद्रीय नेताओं ने जोर दिया था कि छगन भुजबल को चुनाव लड़ना चाहिए, दुर्भाग्य से, सीएम एकनाथ शिंदे ने जोर दिया, इसलिए हमें वह सीट सेना के लिए छोड़नी पड़ी. हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है।

कांग्रेस ने भी भाजपा को चुनौती देने के लिए बिछाई सियासी बिसात

भाजपा के सामने 'क्लीन स्वीप' की हैट्रिक लगाने का है मौका

ओपी पाल ▸▸| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में एक जून को देवभूमि हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। इन सीटों पर भाजपा और कांग्रेस दोनों प्रमुख दलों ने ही सियासत के खास चेहरों को चुनावी मैदान में उतारा है। भाजपा ने राज्य की चारों सीटों को जीतकर हैट्रिक बनाने की रणनीति के साथ अपने उम्मीदवारों को चुनावी जंग में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी भाजपा की घेराबंदी करने के इरादे से अपनी अलग ही रणनीति के साथ प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारे हैं। यहां चारों सीटों पर स्थानीय दलो ने भी चुनावी जंग में अपने प्रत्याशी उतारकर भाजपा और कांग्रेस की सियासी रणनीति को प्रभावित करने का प्रयास किया है। देवभूमि हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी राज्य की सियासत अन्य राज्यों से अलग है, जहां इस बार अठारहवीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी ने भाजपा के खिलाफ मजबूत रणनीति तैयार की है और चारों सीटों पर ऐसे प्रत्याशी खड़े किये हैं, जो भाजपा के लिए चुनौती बन सकते हैं। यहां की चारों लोकसभा सीटों पर तीसरे राष्ट्रीय दल बसपा के प्रत्याशी भी चुनावी जंग में हैं। खासबात ये हैं कि यहां हिमाचली राजनीतिक दलों में राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी, हिमाचल जनता पार्टी, अखिल भारतीय परिवार पार्टी जैसे दलों के ऐसे प्रत्याशी भी चुनावी मैदान में हैं, जो प्रमुख मुकाबले में शामिल भाजपा और कांग्रेस के चुनाव को प्रभावित करने में सक्षम हैं। इन चारों सीटों पर इन दलों समेत कुल 37 प्रत्याशी लोकसभा की चुनावी जंग में हैं, जिनमें 12 निर्दलीय प्रत्याशी भी सियासी ताल ठोक रहे हैं। यहां की लोकसभा सीटों में केवल शिमला लोकसभा क्षेत्र ही ऐसा है, जहां एक भी निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं हैं।

छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

पिछले दिनों हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दल बदल करने वाले छह विधायकों को अयोग्य घोषित करने के कारण खाली हुई धर्मशाला, लौह स्पिति, कुटलैहड, गगरेट, बड़सर और सुजानपुर विधानसभा सीटों पर भी लोकसभा चुनाव के साथ ही मतदान होगा। इन सभी सीटों पर कुल 25 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनमें 12 निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

किस सीट पर कैसा चुनावी समीकरण

मंडी लोकसभा सीट

यह सीट इस बार इसलिए चर्चाओं में है कि जहां भाजपा ने इस बार फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश की सूक्खू सरकार के कैबिनेट मंत्री विक्रमदित्य सिंह को प्रत्याशी बनाकर लोकसभा चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। पिछले चुनाव में यहां भाजपा के रामस्वरुप शर्मा लगातार दूसरी बार जीतकर लोकसभा पहुंचे थे, लेकिन 17 मार्च 2021 को दिल्ली में उनकी संदिग्ध मौत हो गई थी, जिसके कारण यहां उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने जीत दर्ज कर ली थी। यानी इस सीट पर फिलहाल कांग्रेस काबिज है।

हमीरपुर लोकसभा सीट

इस सीट को भाजपा का गढ़ माना जाता है, जहां 1996 के चुनाव को छोड़कर 1989 से अब तक भाजपा दस बार जीत हासिल करके सिरमौर बनी हुई है। इनमें से तीन बार हिमाचल की भाजपा सरकार में सीएम रह चुके प्रेम सिंह धूमल तीन बार जीत हासिल करके लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जिसके बाद पिता की विरासत को उनके बेटे अनुराग ठाकुर संजोए हुए हैं। भाजपा प्रत्याशी के रुप में मोदी कैबिनेट के युवा नेताओं में शुमार केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को इस बार पांचवी जीत की दरकार है। भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने की रणनीति के साथ कांग्रेस ने यहां सतपाल रायजादा को चुनावी जंग में उतारा है।

कांगड़ा लोकसभा सीट

इस रणभूमि पर पिछले 15 साल से भाजपा का दबदबा है, जहां से भाजपा के प्रत्याशी सात बार जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं, जिनमें हिमाचल के मुख्यमंत्री रह चुके शांता कुमार ने भी दो बार जीत हासिल की है। इस बार नई रणनीति के साथ भाजपा ने मौजूदा सांसद किशन कपूर का टिकट काटकर प्रदेश के उपाध्यक्ष कद्दावर नेता राजीव भारद्वाज को प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस ने उनके खिलाफ पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा को प्रत्याशी बनाया है, जो पहली बार लोकसभा चुनाव के रण में है। इस सीट पर कुल दस प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

शिमला लोकसभा सीट

हिमाचल प्रदेश की एक मात्र आरक्षित पर भाजपा के मुकाबले कांग्रेस की पकट मजबूत मानी जाती है। हालांकि पिछले तीनों चुनाव लगातार यहां भाजपा के सांसद काबिज है। भाजपा ने इस बार अपने मौजूदा सांसद सुरेश कश्यप पर भरोसा जताया है। कांग्रेस ने यहां वापसी करने की रणनीति के तहत यहां से सोनल जिले की कसौली क्षेत्र के मौजूदा विधायक विनोद सुल्तानपुरी को प्रत्याशी बनाकर नया दांव खेला है। इस सीट पर चुनाव मैदान में पांच प्रत्याशियों में बसपा के अनिल कुमार मंगेट के अलावा राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी के सुरेश कुमार और अखिल भारतीय परिवार पार्टी के प्रत्याशी मदनलाल भी सियासी किस्मत आजमा रहे हैं।

राहुल गांधी ने किया प्रधानमंत्री पर तंज

'ईडी से बचने मोदी ने गढ़ी परमात्मा वाली कहानी'

एजेंसी ▸▸| पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के बख्तियारपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी इसलिए परमात्मा वाली कहानी लेकर आए हैं ताकि 4 जून के बाद ईडी द्वारा उनसे सवाल पूछे जाएं तो वह कहें कि मुझे कुछ नहीं पता है। मुझसे तो परमात्मा ने काम के लिए कहा था। राहुल गांधी ने कहा, 'उन्होंने पता है परमात्मा वाली कहानी क्यों निकाली है। ऐसा इसलिए ताकि वही ईडी के लोग जब 4 जून के बाद नरेंद्र मोदी से गौतम अडानी के बारे में पूछेंगे तो वह

कहेंगे कि मैं नहीं जानता। परमात्मा ने कहा था।' राहुल गांधी ने कहा कि आप लंबे-लंबे भाषण देना बंद करिए। आप पहले बिहार और देश के युवाओं को यह बताइए कि कितने लोगों को रोजगार दिया। उन्होंने कहा कि आप देश को बांटने की बजाय युवाओं को रोजगार न देने पर जवाब दें।

कांग्रेस का वादा सरकार बनी तो करेंगे ये तीन काम

राहुल गांधी ने इस रैली में तीन बड़े वादे भी किए। उन्होंने कहा कि यदि इंडिया अलायंस की सरकार बनती है तो सेना में भर्ती के लिए बनी अग्निपथ स्कीम को खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा सभी महिलाओं को हर महीने 8500 रुपये की रकम दी जाएगी। कांग्रेस लीडर ने कहा कि हमारी सरकार आई तो हम उन सभी उद्योगों को चालू करेंगे, जो बंद पड़े हैं। हम कुल 30 लाख सरकारी नौकरियां देंगे।

पीएम मोदी ने कहा, ये गंभीर जांच का विषय

राहुल, केजरी के लिए क्यों उठती है पाक से आवाज?

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश में 7 चरण में हो रहे लोकसभा चुनाव में 6 चरण की वोटिंग हो चुकी है। अंतिम चरण के लिए 1 जून को वोट डाले जाएंगे। एक न्यूज एजेंसी के साथ बात करते हुए पीएम मोदी ने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के पक्ष में पाकिस्तान से उठने वाली आवाज पर कहा कि ये जांच का विषय है। मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि देखिए, चुनाव भारत का है और भारत का लोकतंत्र बहुत ही मैच्योर है, तंदुरुस्त परंपराएं हैं और भारत के मतदाता भी बाहर की किसी भी

हरकतों से प्रभावित होने वाले मतदाता नहीं हैं। मैं नहीं जानता हूं कि कुछ ही लोग हैं, जिनको हमारे साथ दुश्मनी रखने वाले लोग क्यों पसंद करते हैं, कुछ ही लोग हैं, जिनके समर्थन में आवाज वहां से क्यों उठती है। अब ये बहुत बड़ी जांच पड़ताल का गंभीर विषय है।

भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं लोग

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के लोग भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं। दीमक की तरह भ्रष्टाचार देश की सारी व्यवस्थाओं को खोखला कर रहा है। भ्रष्टाचार के लिए आवाज भी बहुत उठती है। जब मैं 2013-14 में चुनाव के समय भाषण करता था और मैं भ्रष्टाचार की बातें बताता था तो लोग अपना रोष व्यक्त करते थे। लोग चाहते थे कि हां कुछ होना चाहिए। अब हमने आकर सिस्टमैटिकली उन चीजों को करने पर बल दिया कि सिस्टम में ऐसे कौन से दोष हैं अगर देश पॉलिसी ड्रिवन है, ब्लैक एंड व्हाइट में चीजें उपलब्ध हैं कि भई ये कर सकते हो, ये नहीं कर सकते हो।

कश्मीरी आवाम ने जताया भारतीय लोकतंत्र में भरोसा

जम्मू-कश्मीर में बंपर वोटिंग ने तोड़ा 35 साल का रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर छह चरणों की वोटिंग हो चुकी है और सातवें चरण का मतदान 1 जून को होना है। इस चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले वोटिंग प्रतिशत में मामूली गिरावट देखने को मिली है लेकिन जम्मू कश्मीर में एक बड़ा करिश्मा देखने को मिला है। केंद्रशासित प्रदेश में 35 साल बाद इतनी बंपर वोटिंग हुई है, जो दिखाता है कि कश्मीरी आवाम का भारतीय लोकतंत्र में भरोसा कितना ज्यादा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक जम्मू कश्मीर में इस बार 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ है। दिलचस्प बात यह भी है कि केंद्र शासित प्रदेश की अनंतनाग-राजौरी सीट पर बंपर वोटिंग हुई थी, जिसके चलते राज्य ने वोटिंग के मामले में 35 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में 2019 के मुकाबले 14 प्रतिशत ज्यादा मतदान देखने को मिला है।

आंकड़ों के मुताबिक जम्मू कश्मीर में इस बार हुआ है 58.46 प्रतिशत मतदान

चुनाव प्रचार के दौरान नहीं हुई आटोनामी, जनमत संग्रह की बात

कश्मीर घाटी ने भी दिखाया उत्साह

कश्मीर घाटी की बात करें तो यहां करीब 50.86 प्रतिशत लोगों ने मतदान कर लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में अपनी भागीदारी निभाई है। 2019 के मुकाबले घाटी के कश्मीरियों ने इस बार 19 प्रतिशत ज्यादा मतदान किया है, जो कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की उम्मीदों के लिहाज से सकारात्मक संकेत हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की 2024 के आम चुनावों में सक्रिय भागीदारी केंद्र शासित प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है। यह नतीजे जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता और लोकतंत्र के प्रति विश्वास को दर्शाते हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लोग चुनाव प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाना चाहते हैं।

सभी प्रादेशिक, राष्ट्रीय दलों व निर्दलियों ने लिया भाग

नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भाजपा, कांग्रेस, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कान्फ्रेंस, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के अलावा कई निर्दलियों ने मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। चुनाव प्रचार के दौरान कहीं भी आटोनामी, सेल्फ रूल या जनमत संग्रह जैसे नारों की बात नहीं हुई, जो 2019 तक कश्मीर में मुख्यधारा की राजनीति करने वाले दलों के लिए मुख्य एजेंडा रहे हैं।

जम्मू कश्मीर में कब होंगे विधानसभा चुनाव?

वोट प्रतिशत में हुई इस बढ़ोतरी के बीच यह सवाल भी खड़े होने लगे हैं कि जम्मू कश्मीर में राज्य सरकार के गठन के लिए विधानसभा के चुनाव कब होंगे। इसको लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में जवाब दिया था कि और बताया था कि वे भी जम्मू कश्मीर के लोगों को अपनी राज्य सरकार देने के पक्ष में हैं क्योंकि यह उनका हक भी है। इस बढ़ी हुई वोटिंग के बाद यह भी दावे किए जाने लगे हैं कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर में सुरक्षा और शांतिव्यवस्था स्थापित होने के चलते ही लोग खुलकर बिना डरे वोट कर रहे हैं। वहीं मोदी सरकार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने एक हालिया संबोधन में कहा है कि 30 सितंबर से पहले जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो जाएंगे। अमित शाह ने कहा कि जल्द ही इसके बाद केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा भी दिया जाएगा।

रायपुर, मंगलवार 28 मई 2024 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी | वर्ष : 22, अंक : 309 | पृष्ठ : 12+4 +4 = 20, मूल्य : 5.00**

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ग्राम पिरदा स्थित बारूद फैक्ट्री का मामला : परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

दो माह पहले बजी थी शहनाई, वहां अब मातम चला गया चार बेटियां का इकलौता कमाने वाला पिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

दो माह पहले जिस घर में दो बेटियों की शादी की शहनाई बजी थी, वहां आज मातम पसरा हुआ है। बारुद फैक्ट्री ब्लास्ट की चपेट में आने वाले सेवक राम साहू ही वह श्रमिक है, जिसकी मौत की सबसे पहले पुष्टि हुई। सेवक राम फैक्ट्री के ही पास ग्राम पिरदा का निवासी था। दो माह पहले ही सेवक ने अपनी दो बेटियों की शादी की थी। शनिवार की सुबह सेवकराम अपने घर से 7.30 बजे निकला था और आधे घंटे बाद ही बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट की सूचना पर परिजनों तुरंत मौके पर पहुंचे। जहां ▶▶शेष पेज 6 पर

मृतक

हेलमेट तक नहीं था

परिजनों ने बताया कि फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। सेवकराम साहू को बारूद फैक्ट्री प्रबंधन ने सिर पर लगाने के लिए हेलमेट तक नहीं दिया था। जब ब्लास्ट हुआ तो सीधे उसके सिर पर भारी पत्थर गिरने से गंभीर चोट आई इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

कॉल के बाद भी नहीं मिल रही थी जानकारी

सेवक की पत्नी ने रोते हुए बताया कि शनिवार की सुबह वह काम पर निकले। वह फैक्ट्री में मंजन कर रहे थे, तभी अचानक धमाके से उड़ा पत्थर उनके सिर पर गिरा। सेवक को अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ब्लास्ट होने तक किसी ने कोई ▶▶शेष पेज 6 पर

ब्लास्ट में सबसे पहले सेवक राम की मौत की पुष्टि

फैक्ट्री के गेट पर डटे हुए हैं ग्रामीण

लापता मजदूरों के परिजन और ग्रामीण गुस्से से भरे हुए हैं। रविवार की सुबह से ही ग्रामीण फैक्ट्री के गेट पर तंबू तानकर धरने में बैठे हुए है। ग्रामीणों की मांग है कि मृतक के परिजनों को 50 लाख और आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जाए। प्रशासन ने ग्रामीणों को समझाईश देने का पूरा प्रयास किया लेकिन अभी तक बात नहीं बनी है।

48 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बावजूद लापता मजदूरों की नहीं मिली साबुत बॉडी

भिलाई/बेमेतरा। बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक के बोरसी पिरदा स्थित बारूद फैक्ट्री में विस्फोट के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने 48 घंटे रेस्क्यू अभियान चलाकर फैक्ट्री के मलबों में से मानव शरीर के अंगों को मांस के लोथड़े के रूप में काली झिल्लियों में एकत्रित किया। रेस्क्यू ऑपरेशन में एक भी मानव का साबुत शरीर नहीं मिला है। बारूद फैक्ट्री में काम करने वाले 8 मजदूरों की गुमशुदगी कंडकर पुलिस चौकी में दर्ज की गई है। फैक्ट्री के मलबों में मिले मांस के लोथड़ों का डीएनए कराए जाने की बेमेतरा जिला प्रशासन ने औपचारिकता शुरू कर दी है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक प्रशासन ने बारूद फैक्ट्री धमाके ▶▶शेष पेज 6 पर

टुकड़ों में मृतकों के अंगों को एकत्रित कर डीएनए कराए जाने की तैयारी 1

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम जुटी रही 2

न्यायिक जांच के बाद होगी कार्रवाई

बेमेतरा कलेक्टर रणवीर शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि हादसे की न्यायिक जांच का आदेश दिया गया है। जांच में सभी बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। जांच में रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में किसी भी दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि बारूद फैक्ट्री में जो मानव अंग के टुकड़े बरामद किए गए है। उनकी शिनाख्ती के लिए डीएनए कराए जाने की औपचारिकता पूरी की जा रही है। डीएनए रिपोर्ट के ▶▶शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

प्रदीप कुमार त्रिपाठी बने लोकपाल सचिव

नई दिल्ली। केंद्र की ओर से सचिव स्तर पर किए गए फेरबदल के तहत वरिष्ठ नौकरशाह प्रदीप कुमार त्रिपाठी को लोकपाल सचिव नियुक्त किया गया है। वर्ष 1987 बैच के आईएएस के अधिकारी त्रिपाठी वर्तमान में कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) हैं। त्रिपाठी को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक नियुक्त किया गया है।

सांसद रेवन्ना 31 को कोर्ट में होंगे पेश

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और कर्नाटक की हासन सीट से जेडीएस के लोकसभा सांसद प्रज्वल रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामले में 31 मई को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सामने पेश होंगे। उन्होंने दावा किया है कि वे डिप्रेशन में थे। रेवन्ना के खिलाफ कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

'इंडिया' गठबंधन की एक जून होगी बैठक

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के नेता एक जून को बैठक कर सकते हैं। इसमें लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन का आकलन करने के साथ-साथ चुनाव परिणाम से पहले अपनी रणनीति बनाई जाएगी। हालांकि, मतदान में अपने शीर्ष नेताओं की व्यस्तता के चलते तृणमूल कांग्रेस इस बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेगी।

22 साल बाद अपने परिवार से मिला गुमशुदा व्यक्ति

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस द्वारा आठ महीने तक की गयी जांच के कारण करीब दो दशक पहले गुमशुदा हुआ 29 वर्षीय व्यक्ति उत्तर प्रदेश में अपने परिवार से दोबारा मिल पाया है। सात साल की उम्र में कुछ लोगों ने कथित तौर पर अमित का अपहरण कर लिया था, जिसके कारण वह परिवार से अलग हो गया था। इस दौरान दिल्ली के विभिन्न बाल गृह में उसका पालन पोषण हुआ।

गुजरात में हादसे के बाद प्रशासन की कार्रवाई, कोर्ट ने भी लिया संज्ञान

'गेम जोन' में आग मामले में छह अधिकारी सस्पेंड हाईकोर्ट ने कहा- सरकारी मशीनरी पर भरोसा नहीं

गुजरात सरकार ने राजकोट 'गेम जोन' में आग लगने से 27 लोगों की मौत के मामले में सोमवार को छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया जबकि हाईकोर्ट ने कहा कि उसका सरकारी तंत्र पर से भरोसा उठ गया है, जो निर्दोष लोगों के मारे जाने के बाद ही हरकत में आता है।

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अधिकारियों को 'आवश्यक स्वीकृति के बिना इस 'गेम जोन' को संचालित करने की अनुमति देकर घोर लापरवाही बरतने का' जिम्मेदार ठहराया गया है। संबंधित विभागों द्वारा पारित आदेशों के अनुसार, जिन लोगों को निलंबित किया गया है, उनमें राजकोट नगर निगम (आरएमसी) के नगर नियोजन विभाग के सहायक अभियंता जयदीप चौधरी, आरएमसी के सहायक नगर योजनाकार गौतम जोशी, राजकोट सड़क एवं भवन विभाग के उप कार्यकारी अभियंता एम आर सुमा एवं पारस कोठिया और पुलिस निरीक्षक वी आर पटेल और एन आई राठौड़ शामिल हैं। जिस 'गेम जोन' में शनिवार को आग लगी थी, वह आग सुरक्षा संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र ▶▶शेष पेज 6 पर

हाईकोर्ट ने कहा- निगम आयुक्तों को ठहराया जाना चाहिए जिम्मेदार

अदालत ने सोमवार को यह भी कहा कि 2021 में टीआरपी गेम जोन की स्थापना के समय से लेकर इस घटना के दिन (25 मई को) तक राजकोट के सभी नगर निगम आयुक्तों को घटित त्रासदी के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अदालत ने उन्हें अलग-अलग शपथ पत्र पेश करने का निर्देश दिया।

कोर्ट की फटकार

राजकोट नगर निगम के वकील की इस दलील पर कि 'गेम जोन' ने अपेक्षित अनुमति के लिए अधिकारियों के पास आवेदन नहीं किया था, अदालत ने कहा, इतना बड़ा ढांचा खड़ा था, आपको दिख नहीं रहा था? आपको पता नहीं था? पूरा जोन पिछले ढाई साल से अस्तित्व में था, इस पर निगम का क्या स्पष्टीकरण है? उन्होंने किस अग्नि सुरक्षा के लिए आवेदन किया था? तो हम यह मान लें कि आप पूरे मामले में पूरी तरह से आंखें मूंदे रहे?

राजकोट 'गेम जोन' का साझेदार गिरफ्तार

इधर, गुजरात के राजकोट में एक 'गेम जोन' में आग लग जाने पर बच्चों सहित 27 लोगों की मौत होने के मामले में पुलिस ने सोमवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) पार्थराजसिंह गोहिल ने कहा, राजकोट पुलिस ने गेम जोन का संचालन करने वाली रेसवे इंटरप्राइज के एक साझेदार राहुल राठौर को गिरफ्तार किया है। मामले में गिरफ्तार किया गया वह तीसरा आरोपी है। पुलिस ने घटना के सिलसिले में दो व्यक्तियों को इससे पहले गिरफ्तार किया था।

इधर, बच्चों की मौत के बाद फरमान

अस्पतालों को आठ जून तक पूरा करना होगा अग्नि सुरक्षा ऑडिट

नई दिल्ली। दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत के बाद सरकार सभी निजी और सरकारी अस्पतालों को आठ जून तक अग्नि सुरक्षा ऑडिट पूरा कराने और एक अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देगी। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को यह जानकारी दी।

गर्मी की स्थिति पर भी चर्चा

दिल्ली सचिवालय में हुई बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे, जिसमें गर्मी की स्थिति पर भी चर्चा हुई। पुलिस ने रविवार को कहा था कि विवेक विहार स्थित जिस निजी नवजात शिशु अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हुई और पांच शिशु झुलसे उसका लाइसेंस समाप्त हो चुका था। पुलिस के अनुसार अस्पताल में योग्य चिकित्सक भी नहीं थे।

बड़ी वारदात

पिता-भाई ने मिलकर पेड़ से उल्टा लटकाकर पीटा, मौत

- अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम, आए दिन करता था विवाद, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सूरजपुर

ग्राम पर्री में एक युवक को उसके पिता व भाई ने पेड़ से रस्सी के सहारे उल्टा लटकाकर पीट-पीटकर मार डाला। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि मृतक युवक आदतन शराबी था और आए दिन शराब के नशे में घर आकर विवाद करता था। पुलिस के अनुसार नगर से लगे ग्राम पंचायत पर्री सत्तीपारा निवासी 26 वर्षीय जगन्नाथ सिंह आ. राम भरोस सिंह आदतन शराबी था और आए दिन शराब पीकर घर में विवाद करता था। रविवार को भी युवक घर में विवाद कर रहा था जिस पर आरोपी रामभरोस ने बेटे को फटकार लगाई जिसके बाद दोनों में विवाद हो गया। विवाद होने पर युवक ने पिता को मार दिया और घर से भाग गया। शाम को जब ▶▶शेष पेज 6 पर

आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। घटना की जांच जारी है।

-एमआर आहिरे, एसएसपी सूरजपुर

हाईकोर्ट ने कहा- शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी मार्कशीट ही मानी जाएगी सही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा है कि वास्तविक जन्मतिथि के अनुसार याचिकाकर्ता एसईसीएल कर्मी को सभी देयकों का लाभ दिया जाए। साथ ही कोर्ट ने एसईसीएल के फैसले को रद्द कर दिया है। दरअसल एसईसीएल के मानव संसाधन विभाग ने याचिकाकर्ता कर्मचारी के सर्विस रिकार्ड में जन्मतिथि को लेकर बड़ी चूक कर दी। इसका खामियाजा याचिकाकर्ता को भुगतना पड़ा। मैट्रिक की अंकसूची में याचिकाकर्ता की जन्मतिथि पांच जनवरी 1959 दर्ज है। एसईसीएल के दस्तावेज में याचिकाकर्ता की उम्र को पांच साल बढ़ाकर 21 जनवरी 1954 कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने एसईसीएल के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्त कर दिया गया है। लिहाजा ▶▶शेष पेज 6 पर

- एसईसीएल कर्मी को सभी देयकों का लाभ देने का आदेश

कर्मचारी को अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता

कोर्ट ने कहा कि हम जन्मतिथि विवादों की संवेदनशील प्रकृति का उचित सम्मान करते हैं। हालांकि जन्मतिथि में बदलाव के कारण होने वाली व्यापक असुविधाओं को रोकने के उद्देश्य से किसी कर्मचारी को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। खासकर तब जब उसने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया हो। याचिकाकर्ता को सेवा पुस्तिका में जन्मतिथि के गलत दर्ज होने की जानकारी मिलने पर सुधार की मांग की थी। कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा है कि छह सितंबर 2010 को एसईसीएल के कानूनी सलाहकार ने हाईकोर्ट के समक्ष दायर हलफनामे के आधार पर स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र की वास्तविकता का विधिवत सत्यापन किया। इस टिप्पणी के साथ एसईसीएल प्रबंधन की कार्रवाई को हाईकोर्ट ने गलत ठहराया है।

शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र ही सही माना जाए

मामले की सुनवाई जस्टिस गौतम भादुड़ी की सिंगल बेंच में हुई। प्रकरण की सुनवाई करते हुए जस्टिस भादुड़ी ने कहा कि कर्मचारियों के मामले में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या बोर्ड द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र या उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र या शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र को सही माना जाना चाहिए।

नक्सली धमकी के बाद मांझी ने कहा लौटा देंगे पद्मश्री, सरकार ने बढ़ाई सुरक्षा

नक्सलियों ने राष्ट्रपति के साथ पद्मश्री से सम्मानित वैद्यराज की फोटो जारी कर दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणपुर

बस्तर में जारी नक्सली एनकाउंटर के बीच रविवार की रात नक्सलियों के द्वारा छोटेडोंगर के पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी को आमदई खदान का दलाल कहते हुए देश से मार भगाने की बात कही है। राष्ट्रपति के साथ पुरस्कार लेते हुए हेमचंद मांझी की तस्वीर को नक्सली पर्चा में जारी कर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। इसके बाद सोमवार को हेमचंद मांझी ने पद्मश्री अवॉर्ड को लौटने की घोषणा करते हुए कहा कि जड़ी बूटियां से अब लोगों इलाज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार नक्सलियों द्वारा उन्हें धमकी दी जा रही है, जिससे उनका पूरा परिवार दहशत में है। इस वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है। इधर, सरकार ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। ▶▶शेष पेज 6 पर

मांझी को वाय श्रेणी की सुरक्षा

छत्तीसगढ़ शासन ने पद्मश्री हेमचंद मांझी (वैद्यराज) को वाय श्रेणी की सुरक्षा दी है। इस संबंध में गृह विभाग मंत्रालय महानदी भवन से आदेश जारी किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि, राज्य शासन द्वारा प्रोटेक्शन रिव्यू ग्रुप की बैठक में श्री माझी (नारायणपुर) को सुरक्षा श्रेणी प्रदान किए जाने की अनुशंसा और प्रदेश में वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए, यह आदेश जारी किया है।

केजरीवाल ने एक हफ्ते अंतरिम जमानत बढ़ाने की दी अर्जी

सुप्रीम कोर्ट में याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अचानक अपना वजन छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के चलते कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है। केजरीवाल ने याचिका में कहा है कि वह जेल लौटने के लिए न्यायालय द्वारा निर्धारित की गई तिथि दो जून के बजाय नौ जून को आत्मसमर्पण करना चाहते हैं।

21 दिन की मिली थी जमानत

शीर्ष अदालत ने 10 मई को, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर केजरीवाल को प्रचार करने के लिए एक जून तक यानी 21 दिन की अंतरिम जमानत दी थी, जिसके अनुसार उन्हें दो जून को जेल लौटना है। न्यायालय ने यह भी कहा था कि केजरीवाल इस दौरान अपने कार्यालय या दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे और ना ही किसी भी सरकारी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, जब तक कि उपराज्यपाल की मंजूरी प्राप्त करने के लिए ऐसा करना आवश्यक न हो।

सेंसेक्स ने रचा इतिहास, शिखर पर पहुंचने के बाद फिसला

पहली बार सेंसेक्स 76000, निफ्टी 23100 के पार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली गिरावट रही। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय पहली बार रिकॉर्ड 76,000 अंक के स्तर के पार चला गया था जबकि एनएसई निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में बिकवाली दबाव से इनमें गिरावट आई। कारोबार के अंतिम आधे घंटे में निवेशकों की मुनाफावसूली से बाजार में उतार-चढ़ाव आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मामूली 19.89 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,390.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान चुनिंदा बैंकों, वित्तीय तथा आईटी शेयरों में लिवाली से यह 599.29 अंक उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 76,009.68 अंक तक चला गया था। हालांकि, निवेशकों ने रिकॉर्ड स्तर पर मुनाफावसूली की और सूचकांक दिन के उच्चतम स्तर से करीब 835 अंक लुढ़क गया तथा 75,175.27 अंक तक आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 24.65 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 22,932.45 अंक पर बंद हुआ।

इन शेयरों में ऐसी उछाल

इंडियन ओवरसीज बैंक	10.69 फीसदी
ग्लेमार्क	8.20 फीसदी
अशोक लीलैण्ड	7.69 फीसदी
यूको बैंक	7.13 फीसदी

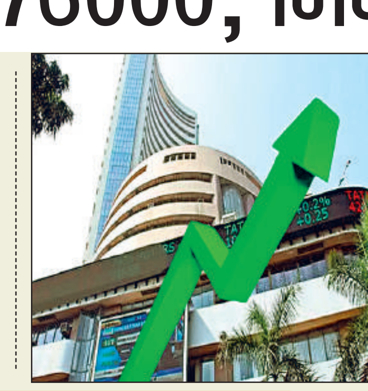

एक झटके में 1.51 लाख करोड़ का मुनाफा

शेयर बाजार में आई शुरुआती तेजी के दौरान शेयरों में आए उछाल के चलते बीएसई एम-कैप में भी तगड़ा उछाल आया। आंकड़े को देखें तो इस दौरान ये 421.50 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 419.99 लाख करोड़ रुपये था।

चुनाव के नतीजे से पहले लगातार तेजी

शेयर बाजार में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले और वैश्विक बाजारों में तेजी से लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड तेजी रही। आम चुनाव के नतीजे चार जून को आएंगे। इससे पहले, सेंसेक्स नौ अप्रैल को पहली बार ऐतिहासिक 75,000 अंक के स्तर के पार गया था। यह 31 कारोबारी सत्र में 1,000 अंक चढ़कर सोमवार को कारोबार के दौरान 76,000 अंक के स्तर पर पर पहुंचा।

चिंतन

नियमों के पालन के प्रति कब गंभीर होगा प्रशासन?

आगजनित हादसे को हम गंभीर संकट कब मानना शुरू करेंगे? आग लगने से हादसे होते हैं, बेकसूरों की जान जाती है, तब प्रशासन जागता है, दो चार दिन कवायद करता है, फिर आंख मूंद कर सो जाता है। प्रशासनिक लापरवाही के चलते आग लगने से होने वाले हादसों से सबक लेकर नियम आधारित व्यवस्था बनाने व उसका पालन सुनिश्चित करने पर ध्यान ही नहीं दिया जाता है। गुजरात के राजकोट गेम जोन में इतना बड़ा अग्निकांड हुआ, जिसमें 12 बच्चों समेत 28 लोगों की मौत हुई, दिल्ली के एक अस्पताल में 7 नवजातों की मौत हो गई, दोनों ही मामले में प्रशासनिक लापरवाही कारण हैं। राजकोट टीआरपी गेम जोन हादसे की सुनवाई करते हुए गुजरात हाईकोर्ट ने राजकोट महानगरपालिका प्रशासन को जमकर फटकर लगाई है। कोर्ट ने कहा- '28 लोगों की मौत के बाद आपको अब पता चल रहा है कि शहर में दो गेमिंग जोन बिना परमिशन के चल रहे हैं। क्या आप अंधे हो गए हैं, या फिर सो रहे हैं'? यह पहली बार नहीं है, जब अदालत ने प्रशासन को लापरवाही के लिए लताड़ा है। न ही गुजरात व दिल्ली की आग लगने की घटना ही पहली बार घटित हुई है। अतीत में बड़े से बड़े अग्निकांड हुए हैं, जिनमें सैकड़ों लोग जान गंवा चुके हैं। इस हादसों में अधिकांश प्रशासनिक लापरवाही के चलते हुए। राजकोट में गेमिंग सेंटर अनधिकृत परिसर में बनाया गया था और फायर सेफ्टी की एनओसी भी नहीं थी और यह सब कुछ पिछले चार साल से चल रहा था और स्थानीय प्रशासन आंख मूंदे हुए था। गुजरात हाईकोर्ट की टिप्पणी अहम है कि 'अब हमें नगर प्रशासन और गुजरात सरकार पर बिल्कुल भरोसा नहीं रहा। यह त्रासदी आंखें खोलने वाली है, सबसे दुखद बात यह है कि इसमें मासूम बच्चों की भी मौत हुई है'। हाईकोर्ट ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट में गेम जोन के नियमों पर दलीलें पेश करने का आदेश दिया था। राजकोट पुलिस कमिश्नर ने कोर्ट को बताया कि टीआरपी गेम जोन को कोई इजाजत नहीं दी गई थी। हाईकोर्ट ने पुलिस और नगर निगम से 3 जून तक हलफनामा देने को कहा है। 6 जून से इस केस की सुनवाई शुरू होगी। यूं तो गुजरात सरकार ने घटना को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप में 6 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, लेकिन क्या सरकार 28 जिंदगियों को वापस ला सकती है? क्या हादसे के जिम्मेवार लापरवाह अधिकारियों को कानून के कटघरे में लाया जाएगा? यही सवाल दिल्ली सरकार पर भी लागू है। हमारे स्थानीय प्रशासन नियमों की पालना के प्रति जागरूक क्यों नहीं हैं? वे अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले संस्थानों की नियमित चेकिंग क्यों नहीं करते हैं? हमारा प्रशासन लोगों की जिंदगी से खेलने वालों के प्रति कठोर क्यों नहीं है? अभी पुणे के पोर्श नाबालिग घटना में चिकित्सकों पर ही रक्त नमूना फेरबदल के आरोप लग रहे हैं। सरकारी सिस्टम में कार्यरत लोगों की अपने राष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा के प्रति चेतना कब जागेगी? कब वे जिम्मेदारी समझेंगे कि नागरिकों का जीवन कितना महत्वपूर्ण है। अभी कोई भी गुजरात व दिल्ली के मासूमों की जिंदगी लौटा सकता है? बिल्कुल नहीं। आग लगने के इतने हादसे हो चुके हैं, आखिर प्रशासन कब सबक लेगा? अग्निकांड से बचाव के लिए फुलप्रूफ सिस्टम की जरूरत है। शासन व प्रशासन आंख मूंदे नहीं रह सकते हैं।

छठा चरण
अवधेश कुमार

तस्वीर वैसी नहीं, जैसा विरोधी बता रहे

विरोधी दलों, नेताओं और उनका समर्थन करने वाले मुख्य मीडिया, सोशल मीडिया के पत्रकारों ,एक्टिविस्टों ने ऐसा माहौल बनाया है मानो 4 जून के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का अंत हो जाएगा और उसकी जगह विपक्ष के गठबंधन की सरकार बनेगी। 4 जून को किसको कितनी सीटें आएंगी इसकी भविष्यवाणी जोखिम भरी होगी। किंतु क्या देश में ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि बहुसंख्य मतदाता मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने की सीमा तक विद्रोह कर दे? इसी के साथ यह भी प्रश्न है कि क्या विपक्ष ने अपनी छवि ऐसी बना ली है कि लोग वर्तमान परिस्थितियों में उनके हाथों सत्ता सौंपने का निर्णय कर लें? इन दोनों प्रश्नों का उत्तर 'नहीं' है।

अब जब लोकसभा चुनाव का एक चरण बाकी है नेताओं, पार्टियों और विश्लेषकों के दावों पर बात किया जाना आवश्यक है। विरोधी दलों, नेताओं और उनका समर्थन करने वाले मुख्य मीडिया, सोशल मीडिया के पत्रकारों ,एक्टिविस्टों ने ऐसा माहौल बनाया है मानो 4 जून के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का अंत हो जाएगा और उसकी जगह विपक्ष के गठबंधन की सरकार बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जब चौथे दौर के साथ बहुमत एवं पांचवें दौर के साथ 310 सीटों तक पहुंचने की बात की तो ऐसे लोगों ने उसका उपहास उड़ाना शुरू कर दिया। आजकल डिबेट में भी पूछा जा रहा है कि अब भाजपा 400 से आकर 300 की बात कैसे करने लगी है? न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, न गृहमंत्री अमित शाह ने कभी कहा है कि हमारा 400 पार का दावा खत्म हो गया है। सरकार में वरिष्ठ क्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दूसरे नंबर पर आते हैं लेकिन नेतृत्व और नियंत्रण के आधार पर देखें तो प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्री अमित शाह ही सरकार और संगठन के दूसरे मुख्य निर्णायक हैं। इन दोनों ने 400 पार का दावा छोड़ा नहीं है तो विरोधियों की बात कैसे मान ली जाए कि भाजपा ने 300 तक का मन बना लिया है। 4 जून को किसको कितनी सीटें आएंगी इसकी भविष्यवाणी जोखिम भरी होगी। किंतु क्या देश में ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि बहुसंख्य मतदाता मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने की सीमा तक विद्रोह कर दे? इसी के साथ यह भी प्रश्न है कि क्या विपक्ष ने अपनी छवि ऐसी बना ली है कि लोग वर्तमान परिस्थितियों में उनके हाथों सत्ता सौंपने का निर्णय कर लें?

निष्पक्ष होकर विचार करेंगे तो इन दोनों प्रश्नों का उत्तर हां में नहीं आ सकता है। तीन चरणों के मतदान में कमी से माहौल ऐसा बनाया गया मानो लोग मोदी सरकार से रुष्ट थे जिस कारण मतदान गिरा है। यह भी अजीब बात है कि सामान्यतः मतदान घटने को सत्ता के पक्ष का संकेत माना जाता था। हालांकि 2010 से मतदान के घटने या बढ़ने से किसी की सत्ता जाने या आने के संकेत की धारणा खत्म हो चुकी है। विपक्ष का यह दावा कैसे मान लिया जाए कि भाजपा के मतदाता नहीं आ रहे हैं और उनके मतदाता निकल रहे हैं? क्या जिन परिस्थितियों में और जिन अपेक्षाओं से 2014 में भारत के लोगों ने 1984 के बाद एक नेता और दल के नेतृत्व में बहुमत दिया और 2019 में सशक्त किया उनके संदर्भ में ऐसी निराशाजनक प्रदर्शन सरकार है कि लोग उसे वाकई हटाने के लिए तैयार हो जाएं?

सच यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने उन परिस्थितियों और अपेक्षाओं के संदर्भ में कुछ ऐसे काम किए हैं जिनकी उम्मीद उनके अनेक समर्थकों ने नहीं की थी। भाजपा को राजनीति में संघ विचारधारा का प्रतिनिधि माना जाता है। हिंदुत्व, हिंदुत्व आधारित राष्ट्र भाव और वैश्विक दर्शन इसके मूल में है। इस कारण देश का बहुत बड़ा वर्ग उससे हिंदुत्व के मामलों पर विचार और व्यवहार में प्रखरता की उम्मीद करता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने पहले दिन से इस दिशा में पूर्व सरकारों से अलग मुखर भूमिका निभाने की कोशिश की। यह नहीं कह सकते कि हिंदुत्व के मामले में जितनी

अपेक्षाएं थीं सब पूरी हुई पर जो कमी पहली सरकार में थी वह अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद काफी हद तक खत्म हुईं हैं। उदाहरण के लिए किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सरकार धारा 370 को एक दिन में समाप्त कर देगी। इसी तरह मुस्लिम समुदाय में समाज सुधार की दृष्टि से एक साथ तीन तलाक जैसे विषय को जिसे गलत तरीके से मजहब से जोड़ दिया गया है उसे खत्म करने का कानून बनाया जाएगा इसकी भी अपेक्षा नहीं थी। 1985 में शाहबानो प्रकरण के बाद भारत के राजनीतिक प्रतिष्ठान में धारणा बन गई थी कि मुसलमान से संबंधित कुरीतियों, गलत प्रथाओं आदि को यूं ही छोड़ दिया जाए अन्यथा समुदाय कट्टरपंथियों के आह्वान पर उथल-पुथल मचा देगा। अयोध्या में वाकई श्री राम मंदिर बन जाएगा और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी इसकी भी उम्मीद बहुत कम लोगों को थी। उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया लेकिन सभी केंद्र में सत्ता का नियंत्रण मोदी और शाह के हाथों नहीं होता तथा उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार नहीं होती तो न समय सीमा में मंदिर का निर्माण होता और न रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो पाती। विदेश नीति में इस समय भारत संपूर्ण विश्व में उस प्रभावी और विश्वसनीय स्थान पर है जहां एक दूसरे के दुश्मन देश या देशों का समूह इसके साथ संबंध बनाए रखने के लिए तत्परता दिखा रहे हैं। पहली बार इतनी प्रखरता से भारत अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी बात रख रहा है और विश्व समुदाय सुन भी रहा है। चीन जैसा आर्थिक एवं सैन्य दृष्टि से शक्तिशाली देश हमारे विरुद्ध है। उतना सशक्त न होते हुए भी विश्व कूटनीति में हम सफलतापूर्वक मुकाबला कर रहे हैं। विश्व भर में भारत में वांछित आतंकवादियों की लगातार हत्याएं हो रही हैं। कौन कर रहा है कैसे कर रहा है इस विषय पर अलग-अलग मत हो सकते हैं। कनाडा ने भारत सरकार पर आरोप लगाया तो अमेरिका ने भी आतंकवादी पन्नू की हत्या के प्रयास के पीछे भारत की भूमिका का उल्लेख किया है। पाकिस्तान लगातार कह रहा है कि भारत की एजेंसियां ही उसके देश के अंदर नागरिकों की हत्याएं करा रहा है। पाकिस्तान में जितने को मारा गया वह सब आतंकवादी थे। भारत विरोधी आतंकवादियों में पूरी दुनिया के अंदर दहशत पैदा हो चुका है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया की सबसे तेजी से विकास करता हुआ देश भारत है। हमारा शेयर बाजार जबरदस्त ऊंचाइयों पर है। ऐसा नहीं है कि लोगों की सारी अपेक्षाएं पूरी हो गई हैं और हर व्यक्ति सुख समृद्धि और निश्चिंतता की अवस्था में पहुंच गया है। यूपीए सरकार की निराशाजनक स्थिति से उलट सकारात्मक और आशाजनक तस्वीर अवश्य है।

उम्मीदवारों के चयन, गठबंधन आदि को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों के अंदर असंतोष और नाराजगी देखी गई है जो स्वाभाविक है। मोदी और शाह का नेतृत्व, प्रबंधन, नियंत्रण, जगह-जगह नेताओं से संवाद करने, उन्हें संभालने की क्षमता तथा उसके साथ केंद्र से प्रदेश के स्तरों पर विश्वसनीय लोगों के समूह की सक्रियता का सामना विपक्ष करने की स्थिति में नहीं है। भाजपा का समर्थन और विरोध दोनों के पीछे उसकी विचारधारा को लेकर निर्मित सोच होती है। भारत और दुनिया भर के विरोधी अगर मोदी सरकार को हर हाल में सत्ता से हटाना चाहते हैं तो उसके पीछे मूल कारण इस विचारधारा के आधार पर खड़ा होता हुआ स्वाभिमानी भारत ही है जिसे वह पसंद नहीं करते या जो उनके लिए खतरा हो सकता है। भारत में एक बहुत बड़ा वर्ग इस विचारधारा को समझ कर खड़ा है और उसे लगता है कि हमारे सामने राजनीति में एक मात्र विकल्प इस समय भाजपा ही है। विरोधी राजनीति में आए इस बदलाव की शक्ति को अभी तक नहीं पहचान सके। आईएनडीआईए घटकों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेवार और दूरगामी वाली सोच, कार्ययोजना एवं नेतृत्व की छवि प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए यह मत मानिए कि देश भर के मतदाता उनके दावों के अनुरूप मतदान कर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

गुजरात व दिल्ली अग्निकांड
अरविंद जयतिलक

आग में खाक होती जिंदगी

गुजरात राज्य के राजकोट शहर में टीआरपी गेम जोन में लगी आग में तकरीबन ढ़ाई दर्जन लोगों की जलकर मौत दिल को दहला देने वाली मर्मांतक घटना है। बताया जा रहा है कि टीआरपी गेम जोन नाम की इस जगह पर जनरेटर चलाने के लिए हजारों लीटर पेट्रोल-डीजल रखा हुआ था और फाइबर डोम से निकली लपटों ने कइयों की जिंदगी लील ली। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गेम जोन का पूरा ढांचा ही जल कर खाक हो गया। राजकोट के डिप्टी म्यूनिसिपल कमिश्नर की मानें तो टीआरपी गेम जोन ने 'फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' के लिए अप्लाई नहीं किया था। न ही उसने नगर निगम से किसी अन्य तरह की मंजूरी के लिए आवेदन किया था। सवाल लाजिमी है कि फिर टीआरपी गेम जोन का संचालन किसकी अनुमति से हो रहा था? क्या स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत थी? इससे इंकार नहीं किया जा सकता। यह पर्याप्त नहीं कि सरकार एक्शन में है और जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दी है। यह भी पर्याप्त नहीं कि सरकार की तरफ से मृतकों के लिए मुआवजे का एलान कर अपने कर्तव्यों का इतिश्री समझ ली गई। सच तो यह है कि अगर समय रहते टीआरपी गेम जोन के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई होती तो लोगों की जिंदगी खाक नहीं होती। ऐसे ही दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर के फटने से सात नवजात की जान चली गई। अस्पताल में ऑक्सीजन रीफिलिंग अवैध रूप से चल रही थी। सवाल लाजिमी है कि क्या इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलााफ सख्त कार्रवाई होगी? इस बात की क्या गारंटी है कि अब इस तरह की हृदयविदारक घटनाएं नहीं होगी? अकसर देखा जाता है कि जब भी ऐसी घटनाएं होती हैं राज्य प्रशासन हरकत में आ जाता है। लेकिन कुछ दिनों बाद ही इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति होने लगती है। इसका सीधा तात्पर्य यह हुआ कि गैर-कानूनी ढंग से काम करने वाले लोगों के मन में कानून और सजा का भय नहीं हैं। गौर करें तो इस समय देश के कई हिस्सों में आए दिन आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में एक बात समान रुप से देखने को मिल रही है कि कहीं भी आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

याद होगा गत वर्ष पहले गुजरात राज्य के सूरत की तक्षशिला कॉम्पलेक्स में भीषण आग लगी थी जिसमें 23 लोगों की मौत हुई। वहां भी आग बुझाने का समुचित इंतजाम नहीं था। राजकोट के टीआरपी गेम जोन अग्निकांड में कई बच्चों की जान गई है। गर्मी की छुट्टी के कारण बच्चे वहां खेलने गए थे। लेकिन उनकी जिंदगी आग की लपटों की भेंट चढ़ गई। याद होगा दिसंबर 1995 में हरियाणा के मंडी डबवाली में स्कूल के एक कार्यक्रम के दौरान पंडाल में आग लगने से तकरीबन 442 बच्चों की मौत हुई। वहां भी आग बुझाने का पुख्ता इंतजाम नहीं था। इसी तरह 6 जुलाई, 2004 को तमिलनाडु के कुंभकोणम जिले में लगी आग से 91 स्कूली बच्चों ने दम तोड़ा। सच तो यह है कि आग की लपटों से अब कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं है। चाहे वह इमारत, अस्पताल, स्कूल, सिनेमाहाल हो अथवा सार्वजनिक स्थान ही क्यों न हो। कहीं भी आग से निपटने के समुचित बंदोबस्त नहीं है। अभी गत वर्ष ही देश की राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके में निर्मित तीन मंजिला व्यवसायिक इमारत में लगी भीषण आग में 27 लोगों की मौत हुई। 2019 में रानी झांसी रोड पर अनाज मंडी में लगी भीषण आग में 43 लोगों की जान गई। बाहरी दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर पांच में एक इमारत में अवैध रुप से चल रही पटाखे की फैक्टरी में भीषण आग में तकरीबन 17 लोगों की जान गई। याद होगा दिल्ली में ही किन्नरों के महासम्मेलन के दौरान पंडाल में लगी आग से 16 किन्नरों की जान जा चुकी है। 31 मई 1999 को दिल्ली के ही लालकुंआ स्थित हमदर्द दवाखाना में केमिकल से लगी आग में 16 लोगों को जान गई। 13 जून 1997 को दिल्ली के उपहार सिनेमा हॉल में आग लगने से 59 लोगों की मौत हुई। मध्य मुंबई के लोअर परेल इलाके में निर्मित दो रेस्टोरेंट कम पब में भड़की आग में 14 लोगों की जान गई। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज (केजीएमयू) के ट्रामा सेंटर में शार्ट सर्किट से लगी आग में छः मरीजों की दर्दनाक मौत हुई। यूपी के कानपुर में लिकेज सिलेंडर से आग लगने से पांच लोगों की जान गई। गत वर्ष पहले केरल के कोल्लम में पुत्तिंगल देवी मंदिर में आतिशबाजी से लगी आग में एक सैकड़ा से अधिक लोगों की जान गई। 7 दिसंबर 2004 को दिल्ली में होजरी फैक्ट्री में आग लगने से एक दर्जन लोग मारे गए। जब भी इस तरह के हादसे होते हैं कहा जाता है कि तंत्र और सरकारें सबक लेंगी। आपदा प्रबंधन को चुस्त-दुरुस्त किया जाएगा, लेकिन फिर वही ढाक के तीन पात। सरकारें अग्निजनित हादसों को आपदा मानने को तैयार ही नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आत्मसंयम योग में स्थित रहें

संकलित
दर्शन

विपरीत परिस्थिति में ही योग की प्रामाणिकता सिद्ध होती है। संयम की प्रामाणिकता भी योग से ही सिद्ध होती है। हमारी ज्ञानेंद्रियां तथा कर्मेंद्रियां अपनी अर्जित शक्ति को बाहर की ओर खर्च कर रही हैं। योग द्वारा उसका एकत्रीकरण किया जाता है। योग चाहे ध्यान के रूप में हो या व्यायाम-प्राणायाम के रूप में, उसकी शक्ति को एकत्र करके हम शक्ति का उपयोग कहां करते हैं, वास्तविक योग वह है। रावण भी बहुत बड़ा योगी था, पर उसने अपने योग से प्राप्त शक्ति से भगवान की योगमाया सीता जी का हरण करके योग का दुरुपयोग किया। जब तक आत्मसंयम योग जीवन में न आ जाए, तब तक क्रियात्मक योग केवल शरीर संवर्धन के ही कार्य आएगा। हम जीवन के किसी भी क्षेत्र में अतिरेकवादी दृष्टिकोण के दुराग्रही न होकर संतुलित होकर मध्य स्थिति में रहकर आत्मसंयम योग में स्थित रहें। मध्य में ही भगवान का वास होता है। हमारे शरीर में जो मध्य प्रदेश है, वही हृदय प्रदेश है। हाथ-पांव के रूप में नीचे कर्म प्रदेश है तथा विचार के रूप में सिर में विवेक प्रदेश है। जिसे विवेक स्वीकार कर ले और कर्मयोग से जिस शक्ति को अर्जित किया हो, उसे हृदय प्रदेश के मध्य सिंहासन पर बैठाया जाता है। सब कुछ ईश्वर को समर्पित कर देना ही महायोग है। शरीर का योग यदि भगवान से जुड़कर ध्यान योग बन जाए और योग से प्राप्त शक्तियों का उपयोग हम हनुमान जी, श्रीभरत जी और श्री लक्ष्मण जी की तरह सेवा के लिए करें तो योग प्राणीमात्र की सेवा का उपादान बनकर सहजयोग बन जाएगा।

जब मन अशांत हो तो कोई बड़ा निर्णय न लें

संकलित
प्रेरणा

गौतम बुद्ध शिष्यों के साथ यात्राएं करते रहते थे। यात्रा में जगह-जगह ठहरते भी थे। एक बार बुद्ध शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे तो उनके शिष्य चलते-चलते थक चुके थे। बुद्ध के शिष्यों ने कहा कि तथागत हमें कुछ देर विश्राम करना चाहिए, हम थक चुके हैं। शिष्यों की बात मानकर बुद्ध एक छायादार पेड़ के पास रुक गए। बुद्ध ने शिष्य आनंद से कहा कि मुझे प्यास लगी है, पास में ही एक झरना बहता दिख रहा है। तुम वहां जाकर पीने का पानी ले आओ। बुद्ध की आज्ञा पाकर आनंद झरने के पास पहुंच गया। झरने के पास आनंद ने देखा कि पानी में से एक बैलगाड़ी गुजर रही है। बैलगाड़ी की वजह से पानी बहुत गंदा हो गया था। नीचे की मिट्टी ऊपर दिखने लगी है। गंदा पानी देखकर आनंद बुद्ध के पास लौट आया। आनंद ने बुद्ध से कहा कि तथागत वहां का पानी तो बहुत ज्यादा गंदा है। इसलिए मैं लेकर नहीं आया। बुद्ध ने आनंद से कहा कि तुम कुछ देर बाद फिर जाना और इस बार भी पानी गंदा दिखे तो कुछ देर वहीं बैठ जाना, साफ पानी मिल जाएगा। बुद्ध की बात मानकर आनंद पानी के पास पहुंच गया। पानी गंदा दिखा तो वह तालाब के किनारे पर ही बैठ गया। थोड़ी देर बाद पानी की हलचल शांत हो गई, धीरे-धीरे मिट्टी नीचे बैठ गई, ऊपर बहता पानी एकदम साफ हो गया। आनंद पानी लेकर बुद्ध के पास पहुंच गया। बुद्ध ने पानी पीने के बाद सभी शिष्यों से कहा कि हमारे जीवन में भी कई बार ऐसी ही परिस्थितियां बनती हैं, जब हमारा मन गंदे पानी की तरह अशांत हो जाता है। उस समय हमें कोई रास्ता नहीं दिखाई देता है।

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों को इतनी आजादी ठीक नहीं

पुणे में एक किशोर द्वारा अपनी कार से नशा कर दो लोगों को कुचलकर मारना और फिर भी कानून द्वारा इस मामले में नरमी बरतना बहुत ही निंदनीय है, क्योंकि ऐसे में और भी ऐसे लोगों के हौसले बुलंद होंगे और वे वाहन चलाने में लापरवाही बरतेंगे। मैं उन लोगों को यह सुझाव देना चाहता हूं, जो पैसे की चकाचौंध में इतने खो जाते हैं कि वो अपने नाबालिग बच्चों को वाहन सौंप देते हैं, ठीक है कि अपने बच्चों को वाहन की सुविधा देनी चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं कि वे इसका दुरुपयोग करें। मां-बाप बच्चों पर पर नजर रखें।पैसे से महंगे वाहन खरीदे जा सकते हैं और बच्चों को वो दिए जा सकते हैं, लेकिन लापरवाही से वाहन चलाने से अगर किसी की जान चली जाए तो पैसे से किसी की जान नहीं खरीदी जा सकती। बच्चों को इतनी आजादी ठीक नहीं है।

- पवन साहू, रायगढ़

ट्रेंड

कसर नहीं छोड़ेंगे

बीते 10 वर्षों में हमने पंजाब के लोगों और यहां के किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। अपने तीसरे टर्म में हम विकसित भारत-विकसित पंजाब के विजन के साथ राज्य को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अग्निवीर खत्म करेंगे

अग्निवीर विकास कुमार से चर्चा हुई तो उस बहादुर युवा की पीड़ा उसकी आंखों से बह निकली। अग्निवीर योजना देश की सेना और युवाओं की देशभक्ति का अपमान है। हम दो तरह के शहीद नहीं बनने देंगे।-अग्निवीर योजना खत्म करेंगे।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

एकदम सफाचट

हम जानते है कि हमारे आदरणीय चाचा जी दिल से चाहते है कि बीजेपी केंद्र से हटे ताकि बिहार का अच्छे से विकास हो। हम उन्हीं की मुहिम "जो चौदह में आए है वो चौबीस में जाएंगे" को आगे बढ़ा रहे है। बीजेपी एकदम सफाचट हो रही है।

-तेजस्वी यादव, राजद नेता

सशक्त भविष्य

नंद घर में, हम बच्चों को उनके सपनों को साकार करने और समग्र विकास के माध्यम से उनके भविष्य को सशक्त बनाने के लिए पौष्टिक भोजन प्रदान करके मजबूत करते हैं।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

करंट अफेयर

उत्तर कोरिया की रॉकेट प्रक्षेपण की योजना

उत्तर कोरिया ने अगले सप्ताह की शुरुआत में एक रॉकेट प्रक्षेपित करने की अपनी योजना की सोमवार को घोषणा की जिसके जरिए वह संभवतः अपने दूसरे सैन्य जासूसी उपग्रह अंतरिक्ष में पहुंचाएगा। उत्तर कोरिया के पड़ोसियों दक्षिण कोरिया एवं जापान ने इस घोषणा की निंदा की है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल, चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने चार साल से अधिक समय में अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक के लिए सियोल में मुलाकात की, तभी उत्तर कोरिया के संबंध में यह जानकारी मिली। जापान के तट रक्षक ने बताया कि उसे उत्तर कोरिया ने 'उपग्रह रॉकेट' के तय प्रक्षेपण के बारे में सूचित किया है

जिसमें सोमवार से तीन जून की आधी रात तक कोरियाई प्रायद्वीप एवं चीन के बीच के जलक्षेत्र और फिलीपीन द्वीप लुजोन के पूर्व में सुरक्षा बरतने को लेकर सचेत किया गया है। उत्तर कोरिया जापान को अपने प्रक्षेपण की जानकारी देता है क्योंकि जापान का तट रक्षक पूर्वी एशिया में समुद्री सुरक्षा जानकारी का समन्वय और वितरण करता है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के कार्यालय ने बताया कि किशिदा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उत्तर कोरिया से प्रक्षेपण नहीं करने का अनुरोध करें।

ऑफ बीट

खत्म हो रही है अंटार्कटिका की असाधारण स्थिति

कोरोना महामारी के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि अंटार्कटिका महाद्वीप का अलगाव इसे दुनिया के बाकी हिस्सों की घटनाओं से बचा नहीं सकता है।

अंटार्कटिका लंबे समय से अलग नियमों द्वारा संचालित होता है और इसे भूराजनीति की उथल-पुथल से अलग एक जगह के रूप में देखा जाता है। महाद्वीप की दूरी, अलगाव और तीव्र (कभी बहुत ज्यादा तो कभी बहुत कम) वातावरण इसका एक कारण है। लेकिन यह योजना के मुताबिक भी है: 1959 की अंटार्कटिक संधि में घोषित किया गया कि इस क्षेत्र का उपयोग केवल वैज्ञानिक अनुसंधान और शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। शीत युद्ध के चरम पर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड अमेरिका और सोवियत संघ दोनों के साथ मूल 12 हस्ताक्षरकर्ताओं में से थे। आज 56 राज्य इस संधि के पक्षकार हैं और उस मकसद को लेकर दबाव बढ़ रहा है क्योंकि राजनीति, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और अन्य कारकों ने अंटार्कटिका में रुचि और भागीदारी बढ़ा दी है। वैश्विक महामारी कोविड के फैलने (2020 में) के साथ यह स्पष्ट हो गया कि अंटार्कटिका अब दुनिया के बाकी हिस्सों से इतना अलग नहीं है। न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में कैंटरबरी विश्वविद्यालय की डेनिएला लिगेट दो दशकों से अधिक समय से अंटार्कटिका का अध्ययन कर रही हैं।

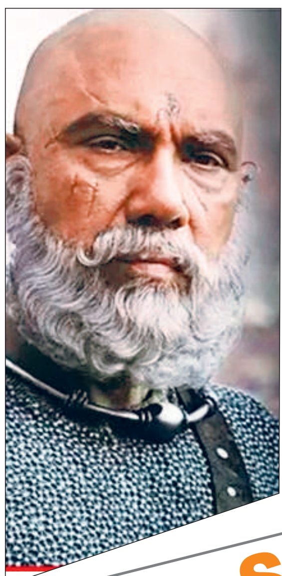

सिकंदर में 'कटप्पा' सत्यराज होंगे विलेन?

मुंबई। सलमान खान अपनी फिल्म सिकंदर के लिए खबरों में बने हुए हैं। ये फिल्म एक्टर के लिए कई मायनों में खास होने वाली है। दबंग खान ने पिछले कुछ सालों में कोई जबरदस्त ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं दी है। ऐसे में उनके फैंस को एआर मुरुगदास के डायरेक्शन में बन रही फिल्म सिकंदर से उम्मीदें हैं। ऐसे में इस फिल्म के दबंग हीरो को बराबर की टक्कर देने के लिए बाहुबली के कटप्पा यानी एक्टर सत्यराज की एंट्री की खबर है। रिपोर्ट्स की माने तो जून के अंत से सलमान खान अपनी फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। ऐसे में मेकर्स एक तगड़े विलेन की तलाश में हैं।

लाइफ Style

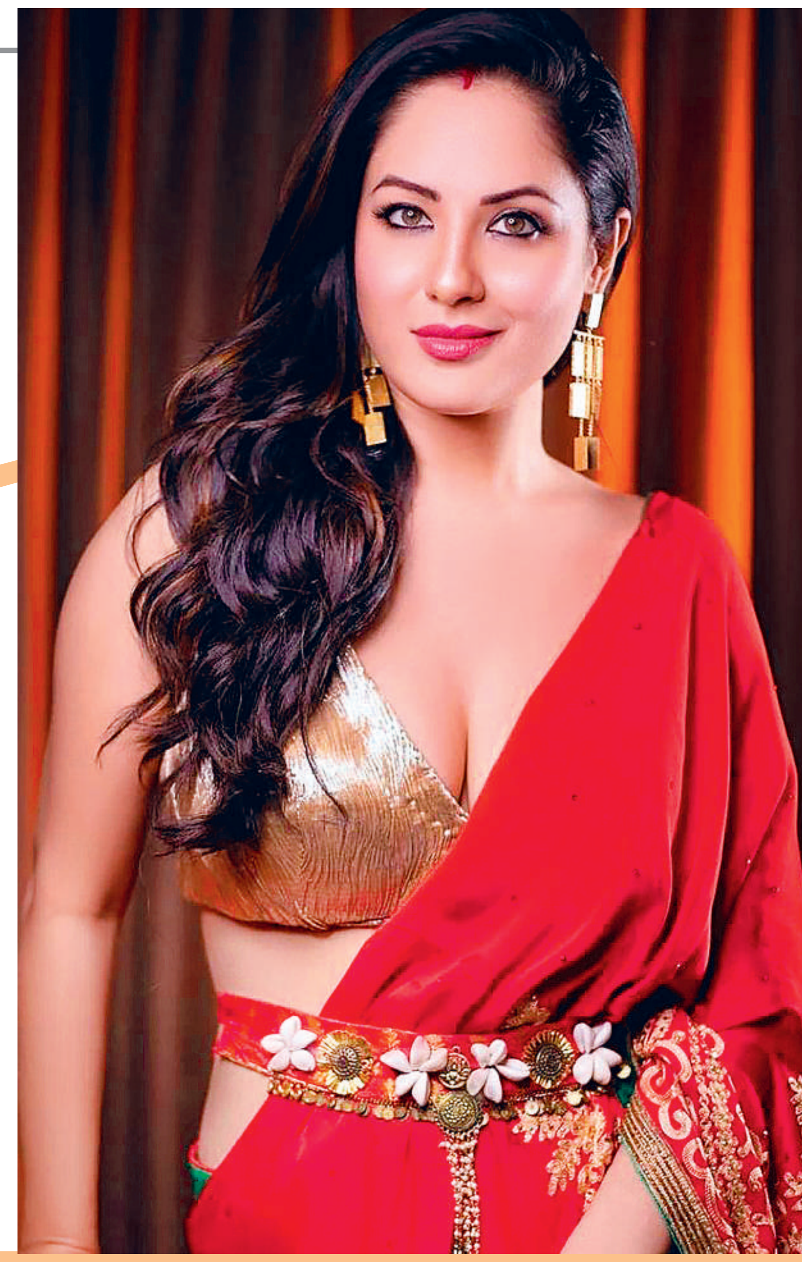

पूजा

गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं एक्ट्रेस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में माता पार्वती का किरदार निभा एक्ट्रेस पूजा बनर्जी ने घर-घर में पहचान बनाई थी। इस सीरियल ने उन्हें छोटे पर्दे पर बेशुमार लोकप्रियता दिलाई थी।

'देवों के देव महादेव' के अलावा पूजा बनर्जी अन्य कई सीरियल्स में भी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ चुकी हैं। इन दिनों टीवी की ये लोकप्रिय एक्ट्रेस अपनी बीमारी के चलते खबरों में बनी हुई हैं। बीते दिनों पूजा बनर्जी गंभीर बीमारी का शिकार हो गई थीं। बीते दिनों एक्ट्रेस की तबीयत इतनी खराब हो गई थी कि उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा था। हाल ही में उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल जाने से कई दिन पहले से उन्हें काफी दिक्कत महसूस हो रही थी। कई दिन से काफी कमजोरी और तेज बुखार था जिसके बाद वह हॉस्पिटल गईं। अब वह घर वापस लौट चुकी हैं, लेकिन गले में संक्रमण के चलते उन्हें खाने-पीने में मुश्किल आ रही है। एक्ट्रेस कहती हैं कि इस दौर में उनके पति उनके साथ हैं, लेकिन उनका ख्याल रखने वाला अन्य कोई उनके पास नहीं है।

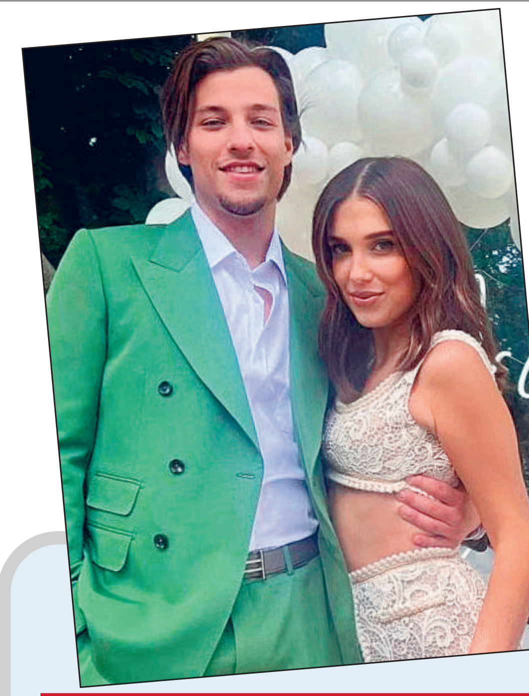

मिली बॉबी ने जेक से गुपचुप रचाई शादी...

लॉस एंजिलिस। 20 साल की मिली बॉबी ब्राउन ने अपने 22 साल के बॉयफ्रेंड जेक बोनजियोवी से शादी कर ली है। दोनों ने बेहद गुपचुप तरीके से शादी की। उनकी शादी पिछले हफ्ते हुई पर किसी को भी इसकी भनक नहीं लगी। अब रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि स्ट्रेंजर्स थिंग्स की स्टार ने अपना घर बसा लिया है। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड को अपना हमसफर बनाया है। नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज़ स्ट्रेंजर थिंग्स में नज़र आईं एक्ट्रेस मिली बॉबी ब्राउन ने शादी कर ली है। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड जेक बोनजियोवी को अपना हमसफर बनाया है। जेक मॉडल हैं। वो मशहूर संगीतकार जॉन बोन जोवी के बेटे हैं। मिली और जेक काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और अब दोनों ने शादी कर ली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मिली और जेक ने गुपचुप तरीके से पिछले हफ्ते शादी की।

पठान के डायरेक्टर ने थामा हाथ

नई दिल्ली। सिद्धार्थ आनंद 17 साल बाद एक आगामी प्रोजेक्ट के लिए सैफ अली खान के साथ फिर से जुड़ रहे हैं। सैफ अली खान को अपना "पहला हीरो" कहते हुए, 'फाइटर' डायरेक्टर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बुडापेस्ट से उनके साथ तस्वीरें साझा कीं, क्योंकि वे एक प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं। जहां पहली तस्वीर में एक्टर-डायरेक्टर डुओ फ़ोटो के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी झलक में वे बातचीत में शामिल नजर आ रहे हैं। हालांकि, आगामी फिल्म का नाम नहीं बताया गया है, लेकिन खबर है कि दोनों 'ज्वेल थीफ' के लिए साथ काम कर रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'बैक ऑन सेट विद माय फर्स्ट हीरो! हाऊ कैन नथिंग चेंज! हाहा! लव यू सैफ!' इससे पहले सिद्धार्थ आनंद और सैफ अली खान 'सलाम नमस्ते' और 'ता रा रम पम' में साथ काम कर चुके हैं, जो आज भी दर्शकों के दिलों पर राज करती है। चूंकि, आनंद और खान एक बार फिर साथ आ रहे हैं, दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि वे इस बार क्या नया लेकर आएंगे। नेटिज़न्स ने कमेंट सेक्शन में कहा, 'दिस एक्टर डायरेक्टर डुओ', 'ओल्ड डुओ इज बैक' साथ ही लोगों ने डायरेक्टर से ता रा रम पम सीक्वल के बारे में भी पूछा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आगामी प्रोजेक्ट, जो खान और आनंद को एक साथ लाती है, मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा प्रड्यूस की गई है।

लॉलीपॉप लागेलू पर डांस से मचाई धूम

नई दिल्ली। काजल राघवानी इन दिनों खूब चर्चा में हैं। उनकी भोजपुरी फिल्म बड़की बहू छोटकी को फैन्स का खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन, इस बीच भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने अपना लेटेस्ट डांस वीडियो शेयर कर दिया है। इस वीडियो में उनको पवन सिंह के ऑलटाइम फेवरिट गाने लॉलीपॉप लागेलू पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में वह एकदम अलग अंदाज में डांस कर रही हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में काजल राघवानी ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है, मांग में सिंदूर लगाया और गले में मंगलसूत्र पहना हुआ है। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए काजल ने लिखा- 'पागलपंती, जब नाइट शूट हो और सबको एक ही गाना पता हो लॉलीपॉप लागेलू।'

टीवी मसाला

रोमानिया पहुंचते ही आसिम की मस्ती शुरू

मुंबई। खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग रोमानिया में शुरू हो चुकी है। ये शो हमेशा से ऑडियंस के लिए खास रहा है। अपने फेवरेट स्टार्स उंची बिल्डिंग से छलांग लगाते हुए, कीड़े-मकौड़ो के साथ स्टंट करते देखने के लिए फैंस इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में अब शो का सबसे पॉपुलर कंटेस्टेंट आसिम रियाज रोमानिया शो के सेट पर पहुंच चुके हैं। शालीन भनोट ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें आसिम को बाकी कंटेस्टेंट के साथ बस में देखा जा सकता है। इस बस में शालीन और आसिम के अलावा अभिषेक कुमार और टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ नजर आ रही हैं। मुंबई में हुई खतरों के खिलाड़ी 14 की प्रेस कांफ्रेंस में आसिम मौजूद नहीं थे। ऐसी भी खबरें सामने आई थी कि किसी विवाद के चलते वो सी शो का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब शालीन ने आसिम के साथ वीडियो शेयर कर शो में उनके होने को कन्फर्म कर दिया है। बिग बॉस 13 से पॉपुलर में सिद्धार्थ शुक्ला को टक्कर देने वाले आसिम को म्यूजिक वीडियोज के अलावा कम ही प्रोजेक्ट में देखा गया था। ऐसे में खतरों के खिलाड़ी 14 में सबसे ज्यादा उन्हें ही देखने का इंतजार हो रहा है।

मुनव्वर ने रचाई दूसरी शादी

मुंबई। मुनव्वर फारूकी बिग बॉस 17 के बाद से ही फैंस के बीच काफी लोकप्रियता बटोर रहे हैं।

पिछले दिनों खबर आई थी कि कॉमेडियन की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, बाद में मुनव्वर की हालत को स्थिर बताया गया था। इन सब के बीच कॉमेडियन को लेकर एक और बड़ी खबर आ रही है। स्टैंडअप कॉमेडियन की लव लाइफ को लेकर कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुनव्वर फारूकी ने दूसरी बार शादी कर ली है और वह खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि मुनव्वर ने 10-12 दिन पहले शादी की थी और उनके विवाह समारोह में केवल उनके करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। मुनव्वर के एक करीबी सूत्र का दावा है कि मुनव्वर ने शादी कर ली है और उनकी शादी मुंबई के आईटीसी मराठा में हुई थी। मुनव्वर ने इसकी कोई तस्वीर साझा नहीं की है क्योंकि वह अपनी शादी को गुप्त रखना चाहते थे। हालांकि, कॉमेडियन ने अब महजबीन कोटवाला नाम की लड़की से शादी कर ली है।

विनिर्दिष्ट वित्तीय संव्यवहार (एस.एफ.टी.) विवरणी दाखिल

करने की अंतिम तिथि

31 मई 2024

यदि आप

उप पंजीयक हैं	म्युच्वल फंड के ट्रस्टी या म्युच्वल फंड के मामलों के प्रबंधक हैं
सहकारी बैंक हैं	विदेशी मुद्रा डीलर हैं
पोस्ट मास्टर जनरल हैं	कंपनी जो लाभांश दे रही है
बांड, डिबेंचर या शेयर जारीकर्ता हैं	कंपनी जो अपने शेयर वापस खरीद रही है
बैंकिंग कंपनी हैं	वस्तु या सेवा आपूर्तिकर्ता हैं (जिनके खातों की आयकर अधिनियम 1961 की धारा 44AB के अंतर्गत लेखापरीक्षा अपेक्षित है)
एनबीएफसी हैं	
निधि है	

तो आपको

आयकर अधिनियम 1962 के नियम 114E के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किसी तृतीय पक्ष (थर्ड पार्टी) के साथ किए गए लेन देन के लिए फॉर्म संख्या 61A में विनिर्दिष्ट वित्तीय संव्यवहार (एस.एफ.टी.) का विवरण जमा करना आवश्यक है।

पंजीकरण तथा जमा करने के लिए

https://report.insight.gov.in पर जाएं।

पोस्ट ऑफिस और उप पंजीयक अपने विवरण को TIN सुविधा केन्द्र पर जमा कर सकते हैं।

www.tin-nsdl.com पर विवरण उपलब्ध है।

CBC 15401/13/0001/2425

कृपया ध्यान दें

* एस.एफ.टी. दाखिल करने में देरी के लिए आप डिफॉल्ट अवधि में रु. 1000/- प्रतिदिन तक की शास्ति के लिए उत्तरदायी होंगे।

* दाखिल न करने या गलत विवरण दाखिल करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

सहायता के लिए कृपया अपने राज्य/क्षेत्र के डीआईटी (आई एंड सीआई) से संपर्क करें। संपर्क विवरण https://incometaxindia.gov.in/Documents/departmental-directory.pdf पर उपलब्ध है

ई-ब्रोशर के लिए, क्यू आर कोड स्कैन करें

INCOME TAX DEPARTMENT

आयकर विभाग

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://report.insight.gov.in पर विजिट करें

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOfficial @IncomeTaxIndiaOfficial @Income Tax India @ Income Tax India Official

कवर स्टोरी / विनीता

उम्र का बहुत ही नाजुक दौर होता है किशोरावस्था। यह समय परवरिश के नजरिए से पैरेंट्स के लिए भी आसान नहीं होता है। किशोरवय बच्चे को लगता है, वह अब समझदार हो गया है, जबकि उसे पैरेंट्स के पूरे गाइडेंस की जरूरत होती है। ऐसे में पैरेंट्स अपने किशोरवय बच्चों की परवरिश में किन विशेष बातों का ध्यान रखें, जानिए।

किशोरावस्था
जरूरी है आपके स्नेह-प्रेम की छांव

बच्चे देखते ही देखते कब बड़े हो जाते हैं, हमें पता ही नहीं चलता। किशोरावस्था में प्रवेश करते ही उनकी पसंद और प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं। इस उम्र में विशेष देखभाल के साथ, उन्हें आपके प्यार की भी जरूरत होती है। इस नए दौर में तो उनकी परवरिश और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है, क्योंकि इंटरनेट के कारण अब कैशोर्य बच्चों के पास सूचनाओं का असीमित भंडार होता है, इसे देखकर वे अपनी एक सोच बनाते हैं फिर अपने हिसाब से चलते हैं। ऐसे में उनसे कुछ ऐसी भूलें हो सकती हैं, जो उनके भविष्य के लिए सही नहीं होतीं। किशोर बच्चों की परवरिश सही ढंग से हो, इसके लिए पैरेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

जगाएं मन में विश्वास

जब कभी माता-पिता किसी बात को छुपाने के लिए अपने किशोर बच्चों से झूठ बोलते हैं, तो उन्हें इसका आभास हो जाता है। इससे उनके विश्वास को ठेस पहुंचती है। उन्हें ऐसा लगता है, जब उनके पैरेंट्स झूठ बोल सकते हैं, तो हम भी ऐसा क्यों नहीं करें? इस तरह वे भी किसी बात को छुपाने या झूठ बोलने की आदत अपना लेते हैं। इसलिए किशोर बच्चों के साथ आपके व्यवहार में पूरी ईमानदारी होनी चाहिए। अगर बच्चे की कोई बात सही नहीं लग रही है, तो उसे होने वाले नुकसान के बारे में प्यार से बताएं और ऐसा ना करने के लिए मना करें। बच्चे का भरोसा जीतने के लिए निरंतर प्रयास की जरूरत होती है, यह अचानक संभव नहीं है। हो सकता है, इसके लिए आपको बच्चे की कुछ छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज भी करना पड़े। मामूली-सी गलती पर अगर आप बच्चे पर ज्यादा सख्ती बरतेंगी, तो वह आपसे बातें छिपाना शुरू कर देगा, इससे उसका कोई बड़ा नुकसान हो सकता है। इसलिए जब बच्चा कोई गलती करे तो उसे प्यार से समझाएं, अपनी गलती सुधारने का मौका दें। इसका असर उस पर जरूर होगा। किशोर बच्चा आपकी बातों को अहमियत देने लगेगा।

बोलें कम-सुनें ज्यादा

कुछ पैरेंट्स छोटी-छोटी बातों पर बच्चों के साथ बहुत ज्यादा रोक-टोक करते हैं, क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि अनुशासन के लिए यह जरूरी है, लेकिन आपके ऐसे व्यवहार का बच्चे पर विपरीत असर पड़ता है, वह आपकी बातों को अनसुना करने लगता है। इसलिए बच्चे को ज्यादा रोके-टोके नहीं। लेकिन जब भी बच्चा आपसे अपनी कोई समस्या शेयर करे, तो उससे यह कहकर 'तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था,' दोषी न ठहराएं। बल्कि समाधान ढूंढ़ने में उसकी मदद करें। इससे घर में माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा।

बच्चों से लें मदद और सलाह

आजकल के किशोरवय बच्चे काफी समझदार होते हैं। वे इस तकनीकी दौर में आपके लिए मददगार हो सकते हैं। अगर आप मोबाइल, लैपटॉप से जुड़ी कोई जानकारी चाहती हैं, तो बेझिझक अपने बच्चों से मदद लें। उन्हें इस तरह की मदद देकर खुशी होगी। पहले ऐसा माना जाता था कि बच्चों को पारिवारिक समस्याओं की जानकारी नहीं होनी चाहिए, लेकिन अब यह सोच बदली है। अगर परिवार में कोई समस्या है तो इस बारे में उसको बताएं। वे भी आपको सलाह दे सकते हैं। जब आप इस तरह उनकी मदद लेंगी तो किशोरवय बच्चों के साथ आपकी बॉन्डिंग बढ़ेगी।

अपनाएं केयरिंग बिहेव

आजकल अधिकतर परिवारों में माता-पिता दोनों वर्किंग होते हैं, इससे उनके पास समय की कमी रहती है, लेकिन आप चाहे कितनी ही बिजी क्यों न हों, बच्चों को दिए जाने वाले वक्त में कटौती न करें। कुछ पैरेंट्स ऑफिस से लौटने के बाद अपने मोबाइल में बिजी हो जाते हैं, उन्हें देखकर बच्चे भी यही तरीका अपनाते हैं। शाम को घर लौटने के बाद बच्चों के साथ डिनर करें, इसके बाद इवनिंग वॉक पर जाएं। वॉक करते-करते उनसे पूछें कि उनका दिन कैसा रहा? अपने कुछ रोचक अनुभव आप भी उनके साथ शेयर करें। इससे आपके साथ उनका भावनात्मक बंधन मजबूत होगा।

दें थोड़ा पर्सनल स्पेस

किशोर उम्र में हॉर्मोन संबंधी उतार-चढ़ाव के कारण बच्चों के मन में कई स्तरों पर अंतर्द्वंद्व चल रहा होता है, इससे कई बार उनका मन बहुत तनाव ग्रस्त होता है और वे कुछ पल अकेले सुकून के साथ बिताना चाहते हैं, इस दौरान वे अपनी रुचि से जुड़े किसी रचनात्मक कार्य में भी व्यस्त रहते हैं। अगर आपका बच्चा दिन के कुछ घंटे अकेले भी बिताना चाहता है, तो आप चिंतित न हों, लेकिन इस बात का ध्यान जरूर रखें कि वह इसका गलत फायदा न उठाए। ऐसी समस्या से बचने के लिए आप कुछ सीमाएं निर्धारित करें, मसलन उसे कमरे का दरवाजा बंद करने की इजाजत न दें, उसे हर एप का पासवर्ड भी न दें।

प्रशंसा है जरूरी

जिस तरह आप छोटो-छोटी गलतियों पर अपने बच्चे को डांटती हैं, उसी तरह उसके हर अच्छे काम की तारीफ भी करें। अगर किसी कार्य में उसे सफलता मिली है, उसके बारे में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और परिचितों को भी बताएं, अपनी प्रशंसा सुनकर उसका मनोबल बढ़ेगा। अगर कभी उससे कोई गलती हो, तो दूसरों के सामने कभी डांटे नहीं, बल्कि अकेले में समझाएं। उसे यह भरोसा दिलाएं कि हर हाल में आप उसके साथ हैं। जब आप अपने किशोरवय बच्चों की परवरिश पूरी तरह अपना स्नेह-प्रेम देकर करेंगी तो उनके व्यक्तित्व का विकास सही ढंग से होगा। *

(चाइल्ड काउंसलर पूनम कामदार से बातचीत पर आधारित)

बिहेवियर / शिखर चंद जैन

कुछ लोगों का स्वभाव बहुत अजीब होता है, इनकी बातें ऐसी होती है कि इनके साथ बैठना मुश्किल हो जाता है। ऐसे लोगों की बातों से कैसे बचा जाए या इनसे कैसे दूरी बनाई जाए? यह कोई बहुत कठिन काम नहीं है। बड़ी आसानी से आप इनसे निपट सकती हैं।

मुश्किल लोगों से निपटना है एक आर्ट

अपनी पर्सनल या प्रोफेशनल लाइफ में हमें रोजाना बहुत सारे लोगों से मिलना-जुलना पड़ता है। इनमें से कुछ लोग हंसमुख, जिंदादिल और पॉजिटिव नेचर के होते हैं, जो हमें एक खुशी देते हैं। वहीं इसके विपरीत कुछ लोग अजीब सी पर्सनालिटी वाले भी मिलते हैं, जो अपने व्यवहार, अपनी बातों से हमारा मूड ऑफ कर देते हैं। कई बार मजबूरी यह होती है कि हम चाह कर भी इनसे मिलना अवॉयड नहीं कर सकते। ऐसे अनकल्चर्ड और नेगेटिव माइंडेड लोगों को अगर हम टेक्टफुल होकर हैंडल करना सीख लें तो हम अपना मूड बिगड़ने से बचा सकते हैं। लेकिन इससे पहले ऐसे नेगेटिव नेचर वालों की आदतों को आपको समझना होगा ताकि आप उन्हें सही ढंग से हैंडल कर सकें।

हर बात से शिकायत: कुछ लोगों के दिमाग में शिकायतें ही शिकायतें भरी होती हैं। उन्हें हर व्यक्ति, हर सिचुएशन, हर जगह से शिकायत रहती है। आप उन्हें किसी अच्छे से रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए ले जाइए, जब आप और साथ के दूसरे लोग माहौल और फूड को एंज्वॉय कर रहे होते हैं तो उनके पास तरह-

तरह की शिकायतें होती हैं। जैसे-लाइट बहुत कम है, म्यूजिक बहुत तेज है, खाना बिल्कुल बेकार है, सर्विस ढीली है आदि-आदि। ऐसे लोग सबका मूड खराब कर देते हैं। इस तरह के किसी व्यक्ति को साथ ले जाना हो तो रेस्टोरेंट उसको ही सेलेक्ट करने दें। उसकी बातों को सीरियसली ना लें, लेकिन उसे बोलने दें। टॉपिक चेंज करने के लिए उसकी किसी पुरानी बात की चर्चा शुरू कर दें और हंसी-मजाक शुरू कर दें। उसकी शिकायतें बंद हो जाएंगी।

नॉनस्टॉप बोलने वाले : जैसे ही आप ऐसे किसी व्यक्ति से बात करेंगी या अपना कोई अनुभव उनके साथ शेयर करेंगी, इनकी नॉनस्टॉप बातें शुरू हो जाएंगी। कम्युनिकेशन एक्सपर्ट और पुस्तक 'इमोशनल मैग्नेटिज्म हाउ टू कम्युनिकेट टू इग्नाइट कनेक्शन इन योर रिलेशनशिप' के लेखक सैंडी गर्बर कहते हैं, 'यह चटर-पटर मास्टर स्टोरी स्टीलर होते हैं। आप कुछ कहना चाहेंगे तो वह अपने किस्से सुनाने लगेंगे। ऐसे लोगों से चिढ़ने या परेशान होने की बजाय, इन्हें बोलने दें और खूब बातें पूछें। बोलने की खुली छूट देने पर यह थोड़ी देर में खुद ही चुप हो जाएंगे।'

भेदिया नेचर: इस किस्म के लोग आपके बेहद नजदीक आने के लिए अपने जीवन की कई बातें, कुछ खास किस्से और यहां तक कि दांपत्य जीवन की अंतरंग बातें भी आपको बताएंगे। जब आप इनकी बातों में दिलचस्पी लेने लगेंगी तो ये आपके आस-पास के दूसरे लोगों के किस्से बताएंगे। जब आप उनकी बातों में रुचि लेने लगेंगी तो ये और भी बातें बताएंगे। ऐसे लोगों को आप जल्दी पहचान लें और साफ-साफ कह दें, 'छोड़िए! हमें दूसरों की बातों से क्या लेना देना।' ये फिर कभी आपसे ऐसी बात नहीं करेंगे।

इनसे भी निपटना है जरूरी: बात-बात पर कटाक्ष करने वाले लोग शारीरिक बनावट, किसी की मानसिक समस्या, ड्रेस, वित्तीय स्थिति, जाति, धर्म या लिंग आदि पर चुभने वाले जोक्स या तंज करने में माहिर होते हैं। इन्हें पहली बार में ही साफ शब्दों में समझा दें कि आप इस तरह की बातें ना कहना और ना सुनना पसंद करती हैं। इससे ऐसे लोग स्वयं आपसे दूरी बना लेंगे। *

हर बात काटने वाले

आपने कहा, 'आज वाकई मौसम बड़ा सुहाना है।' वह तुरंत आपकी बात काटेंगे, 'अरे, ठंडी हवा चल रही है, कानों में घुस गई तो मुश्किल हो जाएगी।' भले ही अगले पल फिर आप जैसी ही बात करने लगेंगे। दरअसल, ऐसे लोगों में आदत होती है, हर किसी की सही बात को भी एक बार जरूर काटेंगे। ऐसे लोगों से कैसे निपटें, इस बारे में आरगुमेंट एक्सपर्ट और पुस्तक 'कनफ्लिक्टेड व्हाई आरगुमेंट्स आर टियरिंग अस अपार्ट एंड हाउ दे कैन ब्रिंग अस टुगेदर' के लेखक इयान लेस्ली कहते हैं, 'यह इनके ईगो सेटिस्फेक्शन का तरीका है। बेहतर होगा इनसे बहस ना करके आप इनकी बात से सहमति जता दें और बात को खत्म कर दें। वे अपने आप चुप हो जाएंगे।'

सलाह / मेघा राठी

बुरा समय भी लाता है अच्छे दिन

हर व्यक्ति के जीवन में अच्छे-बुरे दिन आते हैं। अच्छे दिनों की तो सभी कामना करते हैं, बुरे दिनों को लोग जीवन के लिए अभिशाप मानते हैं। जबकि बुरे दिन सिर्फ बुरे नहीं होते, अच्छे दिनों की राह बनाते हैं, बशर्ते हम उसे सकारात्मक भावों से देखें। बुरे वक्त के पीछे कुछ अच्छाइयां भी छिपी होती हैं, जो बुरा वक्त जाने के बाद हमें पता चलती हैं।

क्षमता पहचानने का मौका: जब भी बुरा समय आता है, इससे उबरने के लिए व्यक्ति अपनी पूरी जी-जान लगा देता है। बहुत ही विवेक से काम लेता है। ऐसे में उसे भान होता है, अपनी उन क्षमताओं का, जिनका उपयोग उसने पहले कभी नहीं किया था, क्योंकि उसे इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ी थी। जब एक बार व्यक्ति अपनी क्षमताओं से परिचित हो जाता है, तब किसी भी कार्य को करने के लिए उसके भीतर आत्मविश्वास जाग जाता है, इसके बाद वह जो भी काम अपने हाथों में लेता है, उसमें सफल होता है।

स्वयं को नियंत्रित करने का अवसर: बुरे समय में व्यक्ति के अंदर दो तरह की ऊर्जाएं प्रवाहित होती हैं, एक सकारात्मक जो उसकी आशाओं को जिंदा रखती है, दूसरी नकारात्मक जो उसे गलत राह की ओर ले जाती है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार की ऊर्जा को स्वयं में बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहता है। ऐसे में व्यक्ति अगर योग से स्वयं पर नियंत्रण रखे तो सकारात्मक ऊर्जा उसका जीवन सरल बनाकर संवार देती है। *

बुरे समय के दौरान क्या करें

कहना आसान होता है, करना मुश्किल। लेकिन दृढ़ इच्छा शक्ति से अपने समय में बदलाव लाया जा सकता है, इसके लिए जरूरी है कि अतीत में जो घट चुका है, उसे बार-बार याद करना, अफसोस करना छोड़ दें। हां, उसके अनुभव को याद रखकर, सबक लेकर आगे क्या, कैसे करना है, इस पर ध्यान दें। आशावादी बनिए, लेकिन बहुत अधिक भी उम्मीदें न करें, क्योंकि उम्मीदों के टूटने से नकारात्मकता पैदा होती है। इसलिए मन शांत रखकर, बिना परिणाम की उम्मीद किए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें, साथ ही अपना व्यवहार भी अच्छा रखें, क्योंकि बुरा समय तो बीत ही जाएगा, लेकिन आपका अच्छा व्यवहार और काम आपकी पहचान बनकर हमेशा साथ रहेगा।

समर सीजन में मोटे और सिंथेटिक फैब्रिक की ड्रेसेस पहनना कोई पसंद नहीं करता है। इसीलिए अधिकतर महिलाएं थिन-कॉटन फैब्रिक की ऐसी ड्रेस पहनना चाहती हैं, जो सोबर होने के साथ अट्रैक्टिव भी नजर आएं। इस लिहाज से कॉटन की शॉर्ट कुर्तियां बेस्ट ऑप्शन हैं।

इस सीजन में पहनें शॉर्ट कुर्ती नजर आएं सोबर-अट्रैक्टिव

फैशन
ललिता गोयल

गर्मी के मौसम में महिलाएं ऐसी फैशनेबल ड्रेसेस पहनना पसंद करती हैं, जो उन्हें कंफर्टेबल फील कराए और स्टाइलिश लुक भी दे। अगर आप भी इन गर्मियों में ऐसी ही ड्रेसेस लेने के बारे में सोच रही हैं तो शॉर्ट कुर्ती के कलेक्शन को अपनी वार्डरोब में ऐड कर सकती हैं। कॉटन मैटेरियल से बनी ट्रेंडी डिजाइन वाली शॉर्ट कुर्तियां, दिखने में जितनी खूबसूरत लगती हैं, पहनने में उतनी ही

आरामदायक भी होती हैं। इनकी क्या खासियतें हैं और इनमें किस तरह के ऑप्शंस बाजार में इन दिनों मिल रहे हैं, आप जरूर जानना चाहेंगी।

ट्रेंडी-कंफर्टेबल समर लुक

मार्केट में मिलने वाली इन शॉर्ट कुर्तियों की खास बात है कि इनका फैब्रिक बहुत ही सॉफ्ट और कंफर्टेबल रहता है, जिसको आप आराम से समर सीजन में कैरी कर सकती हैं। इनके अट्रैक्टिव कलर और डिजाइन पैटर्न आपको समर वाइब देने के लिए परफेक्ट च्वॉइस हैं। ट्रेंडी और कंफर्टेबल समर लुक के लिए परफेक्ट लगने वाली ये कॉटन शॉर्ट कुर्तियां, मार्केट में 400-500 से लेकर हजार-डेढ़ हजार रुपए तक में मिल रही हैं। कॉटन में आने वाली इन शॉर्ट कुर्तियों में आपको कई कलर और अलग-अलग साइज के ऑप्शंस मिल जाएंगे, जिन्हें आप अपनी फिटिंग और पसंद से चुन सकती हैं। इन कॉटन कुर्तियों को आप ऑफिस से लेकर पार्टी में या फिर डेली वियर के तौर पर भी पहन सकती हैं।

एलीगेंट डिजाइन

इनमें आपको कई तरह के डिजाइन ऑप्शंस मिल जाएंगे। बैंड कॉलर और तीन-चौथाई स्लीव लेंथ के साथ मिलने वाली कॉटन शॉर्ट कुर्तियां, ऑफिस आने-जाने वाली महिलाओं के लिए बहुत अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं। कमर तक आने वाली लंबाई और कॉलर नेक की स्टाइल वाली कुर्ती आपको एलिगेंट लुक देगी।

वैरायटीज हैं कई

अगर शॉर्ट कुर्तियों में डिजाइन या फैब्रिक में वैरायटीज की बात करें तो मार्केट में कॉटन कुर्ती में प्रिंटेड बॉर्डर के साथ ही ए-लाइन पैटर्न की कुर्तियां भी अवेलेबल हैं, जो देखने में काफी खूबसूरत लगती हैं। इसी तरह प्योर कॉटन मैटेरियल में मिल रही फ्रंट बटन वाली शॉर्ट कुर्ती, आपके लुक को अट्रैक्टिव बना देती है।

हर ऑकेजन के लिए फिट

बढ़िया स्टिचिंग-फिनिशिंग, खूबसूरत डिजाइन और बेहतरीन क्वालिटी वाली कॉटन शॉर्ट कुर्तियां हर ऑकेजन के लिए सुटेबल लगती हैं। ऑफिस जाने से लेकर ईवनिंग पार्टी वियर या रेग्युलर-कैजुअल वियर के तौर पर कॉटन कुर्ती, पहनकर स्मार्ट और गुड लुकिंग दिखा जा सकता है। स्किन फ्रेंडली, कंफर्टेबल, सॉफ्ट और ब्रीदेबल फैब्रिक से बनी इन कुर्तियों को लेगिंग, जींस या पैंट के साथ टीमअप करके भी पहना जा सकता है। सभी के साथ इनकी पेयरिंग परफेक्ट लगती है। *

पैरों की डार्क स्किन यूजफुल होम रेमिडीज

अगर आप चाहती हैं कि आपके ग्लोइंग फेस की तरह आपके पैरों की स्किन भी क्लीन और क्लीयर नजर आए। उसकी डार्कनेस की वजह से आपको शर्मिंदा ना होना पड़े तो यहां बताए जा रहे कुछ होम रेमिडीज को आजमा सकती हैं।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आमतौर पर महिलाएं अपने फेस स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए काफी केयर करती हैं लेकिन पैरों की स्किन पर उतना ध्यान नहीं देती हैं। इससे पैरों की स्किन डार्क दिखने लगती है। इस वजह से कई बार आपको बहुत ऑड फील करना पड़ता है। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए आप कुछ आसान घरेलू उपाय आजमा सकती हैं।

संतरा: संतरे के छिलके को सुखा कर इसे मिक्सी में पीस कर पावडर बना लें। इस पावडर में कच्चा दूध मिला कर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को पैरों पर रगड़ें या आप इस पेस्ट को पैरों पर लगा कर कुछ समय के लिए छोड़ दें और फिर साफ पानी से धो डालें। इसे आप हफ्ते में तीन बार यूज कर सकती हैं। इससे पैरों का कालापन दूर होने के साथ पैरों की चमक भी बढ़ेगी।

नीबू: एक-एक बड़े चम्मच नीबू के रस और गुलाब जल को बाउल में मिक्स कर लें। इस मिश्रण को रात में सोने से पहले पैरों पर लगा लें। सुबह ताजे ठंडे पानी से धो डालिए और बाद में पैरों पर मॉयश्चराइजर लगा लें। इससे पहले आप एक नीबू को बीच से दो टुकड़ों में काटें। इस नीबू में कुछ दाने चीनी के रखकर इस नीबू को पैरों की डार्क स्किन पर कुछ देर तक रगड़ें। ऐसा करने से पैरों की स्क्रबिंग हो जाएगी। इससे पैरों के कालेपन को दूर करने में मदद मिलेगी। दरअसल, नीबू में मौजूद विटामिन सी में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं।

बेसन: बेसन और दही का मिश्रण पैरों के कालेपन को दूर करने में काफी लाभदायक साबित होता है। एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, 1 छोटा चम्मच दही मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पैरों को अच्छे तरीके से धोकर इस पेस्ट को लगा लें और जब यह सूख जाए तो पैरों को साफ पानी से धोकर मॉयश्चराइजर लगा लें। यह प्रक्रिया आप डेली कर सकती हैं।

बेकिंग सोडा: बेकिंग सोडा और टमाटर का इस्तेमाल कर के भी आप पैरों के कालेपन से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए आप दो चम्मच बेकिंग सोडा लें और इसमें टमाटर का रस और नारियल तेल मिला लें। इस मिश्रण से पैरों पर स्क्रब करें, बाद में पानी से धो लें। इसके अलावा आप एक चम्मच बेकिंग सोडा में गुलाब जल मिलाकर तैयार पेस्ट को भी अप्लाई कर सकती हैं। इस पेस्ट को पैरों पर 15 से 20 मिनट तक लगाकर छोड़ दें और फिर सामान्य पानी से धोने के बाद मॉयश्चराइजर लगा लें। ऐसा रेग्युलर करने से अच्छा रिजल्ट मिलेगा।

एलोवेरा: पैरों के कालेपन को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा, नमक, पानी और एलोवेरा जैल को आधी बाल्टी पानी में मिला लें। अब अपने पैरों को इस बाल्टी में कुछ देर तक रखें। इसके बाद आप बाल्टी में अपने पैरों को रगड़ें और बाद में बाहर निकाल कर साफ कर लें। अब पैरों को तौलिए से सुखा कर मॉयश्चराइजर का प्रयोग करें। इससे पैरों की डेड स्किन भी निकल जाती है।

आलू: आलू का रस क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करता है। आलू को कद्दूकस करके रस निकाल लें। अब इस रस को पैरों की डार्क स्किन पर लगाकर 10 से 15 मिनट तक छोड़ दें। बाद में गुनगुने पानी से पैर धो लें और इस पर मॉयश्चराइजर लगा लें। इसके अलावा आप यह उपाय भी आजमा सकती हैं। कांच के बाउल में एक बारीक कसा हुआ आलू और एक नीबू निचोड़ लें। इस मिश्रण को आधे घंटे तक पैरों पर लगा रहने के बाद ताजे ठंडे पानी से पैरों को धो डालें। इससे पैरों की टैनिंग दूर करने में मदद मिलेगी। *

अभी कर लें बगिया तैयार मिलेंगी ताजी-हरी सब्जियां

अगर आप आने वाले महीनों में अपनी बगिया में उगी ताजी-हरी सब्जियों का स्वाद लेना चाहती हैं तो इसकी अभी से तैयारी कर लीजिए। इसके लिए क्या-कैसे करना होगा, जानिए।

गार्डनिंग / अनु आर.

मई महीने के इन आखिरी दिनों में या जून के पहले सप्ताह में अगर आप भिंडी, बींस, ककड़ी, खीरा, सेम, टमाटर, हरी मिर्च और कद्दू के बीज अपनी बगिया में बो दें तो जुलाई आते-आते बगिया हरी-भरी और फलदार हो जाएगी। इसके लिए पहले बगिया को तैयार करना होगा।

मिट्टी और खाद: आपके पास

गार्डनिंग के लिए जमीन हो या गमले, सबसे पहले उर्वर मिट्टी बनानी होगी। इसके लिए सबसे पहले धूप में मिट्टी को अच्छे से सुखा लें। इससे मिट्टी के अंदर मौजूद कीड़े-मकोड़े मर जाएंगे। मिट्टी को सूखी और भुरभुरी बनाने के बाद उसमें देसी गोबर की खाद मिला लें। इसे भी एक दो दिन मिट्टी के साथ ही सुखा लें। इससे खाद और मिट्टी के अंदर की नमी की वजह से मौजूद कीट और बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे। अच्छी तरह से धूप में कई दिनों तक रहने से मिट्टी के अंदर मौजूद खर-पतवार भी खत्म हो जाते हैं। अब जमीन की मिट्टी या हर गमले की मिट्टी में 2 से 3 गिलास पानी डाल दें। अगले दिन शाम तक पानी सूख जाएगा और मिट्टी हल्की भुरभुरी हो जाएगी और उसके अंदर नमी भी मौजूद होगी।

बीजों की बुवाई: अब नम मिट्टी में एक से डेढ़ इंच गहराई में सब्जियों के बीज दबा दें और ऊपर से मिट्टी बराबर कर दें। मिट्टी बराबर करने के बाद थोड़ा-सा पानी भी जरूर डाल दें। अगर सब्जियों के बीजों को मिट्टी में दबाने के पहले कुछ घंटों तक पानी में भिगोकर रखेंगी तो वे बहुत आसानी से और जल्दी उग आते हैं। ऐसा करने से सिर्फ दो-तीन दिन के भीतर ये बीज उग आएंगे। अगर सब्जियों के बीज आपके अनुमान के मुताबिक जल्दी न उग रहे हों तो परेशान न हों, हो सकता है नमी में कुछ कमी हो, तो एक-दो दिन बाद उग आएंगे।

अंकुर का रखें ध्यान: जब बीज अंकुरित होकर बाहर निकल आएं, तो उसे सीधी और तीखी धूप से बचाना जरूरी है। कम से कम एक हफ्ते तक कड़क धूप के समय उन्हें छाया में रखना चाहिए। एक हफ्ते के बाद पौधे धूप सहने लायक हो जाएंगे। जब पौधे 10 से 15 दिन के हो जाएं तो किसी विशेषज्ञ से पूछकर उन पौधों में लगने वाले कीड़ों से बचाव के लिए कीटनाशक छिड़क दें। नियमित रूप से पौधों को न सिर्फ पानी देती रहें बल्कि देसी खाद भी देते रहना जरूरी

है। 20 से 25 दिन के बाद आपके पौधे लहलहाने लगेंगे।

मिलने लगेंगी सब्जियां: एक महीने के बाद पौधों में फूलने की शुरुआत होने लगेगी। 35 से 45 दिनों बाद आप अपनी बगिया की हरी-हरी खूबसूरत भिंडी की सब्जी खा रही होंगी। इसके कुछ ही दिनों बाद आपको कद्दू, टमाटर, सेम और बींस के फल भी मिलने लगेंगे। बारिश की बूंद पड़ने के बाद इनमें और तेजी से फल उगने लगेंगे। यानी जुलाई-अगस्त तक आते-आते आपने जो भी सब्जियां लगाई होंगी, सभी फल देने लगेंगे। *

महिलाओं की 5 कॉमन डिजीज लक्षणों को ना करें इग्नोर

वैसे तो किसी भी महिला को कोई भी बीमारी हो सकती है। लेकिन 5 ऐसी डिजीज हैं, जो उनमें सबसे ज्यादा होती हैं। इनके बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

हेल्थ एडवाइस / रेखा देशराज

हम किसी भी देश-समाज की बात करें, पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की सेहत ज्यादा खराब होती है तो इसका एक बड़ा कारण खुद महिलाएं ही होती हैं। दरअसल, वे परिवार के बाकी सदस्यों की स्वास्थ्य संबंधी चिंता खूब करती हैं, लेकिन खुद की हेल्थ का ध्यान नहीं रखतीं। जिन बीमारियों से वे सबसे ज्यादा ग्रसित होती हैं, उनमें एनीमिया, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, वैजिनाइटिस और मोटापा शामिल हैं। इनके बारे में जानकर आप इनसे अपना बचाव कर सकती हैं।

एनीमिया: एनीमिया शरीर में खून न बनने और शरीर में खून बहुत कम होने की बीमारी का नाम है। यह आमतौर पर आयरन की कमी से होती है और दुनिया की दो तिहाई औरतें इससे पीड़ित हैं। अपने खान-पान का ध्यान रखने और कमजोरी, थकान जैसे लक्षण महसूस होने या अकसर नींद ना आने जैसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह से आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 के सप्लीमेंट्स लेने से इस समस्या का उपचार किया जा सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर: विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक साल 2020 में 20 लाख से अधिक महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की समस्या डायग्नोज हुई थी और इनमें से 6,75,000 महिलाओं की मौत हो गई थी। एक तरफ जहां दुनिया के ज्यादातर देशों में कई बीमारियों पर नियंत्रण पा लिया गया है, वहीं पिछले तीन दशकों में स्तन कैंसर की समस्या में किसी तरह की कमी देखने को नहीं मिल रही है। भारत में भी 1965 से 1985 के बीच 50 फीसदी कैंसर मरीजों की वृद्धि हुई और साल 2020 के ग्लोबोकैन डेटा के मुताबिक देश में जितने भी प्रकार के कैंसर हैं उनमें अकेले 13.5 फीसदी केस स्तन कैंसर के हैं और कैंसर से मरने वाले कुल मरीजों में 10.6 फीसदी स्तन कैंसर से होने वाली मौतें हैं। महिलाएं स्तन कैंसर से इसलिए सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि वो कई तरह की शारीरिक अनियमितताओं से घिरी रहती हैं और वे लापरवाही भी बरतती हैं। ब्रेस्ट कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है कि महिलाएं रेग्युलर चेकअप करवाती रहें और जरा भी संदेह होने पर उसका ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए।

सर्वाइकल कैंसर: ब्रेस्ट कैंसर के बाद यह दूसरा सबसे खतरनाक कैंसर है, इसकी भी महिलाएं ज्यादा शिकार होती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर साल दुनिया में 1,30,000 से ज्यादा महिलाएं सर्वाइकल कैंसर के कारण दम तोड़ देती हैं। हालांकि यह अकेला ऐसा कैंसर है, जो सबसे धीमी रफ्तार से फैलता है। सर्वाइकल कैंसर के फैलने में 15 से 20 साल का समय लगता है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि महिलाएं इसके लक्षणों पर ध्यान ही नहीं देती हैं। इसके मुख्य लक्षण हैं सेक्स के दौरान दर्द, उसके बाद ब्लीडिंग, पीरियड्स के बाद अकसर ब्लीडिंग होना, मेनोपॉज के बाद भी ब्लीडिंग होना। इसके अलावा रह-रहकर पैरों में सूजन और अकसर बदबूदार वेजाइनल डिस्चार्ज होना भी इसका लक्षण हो सकता है। ऐसे लक्षण दिखते ही डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

वेजिनाइटिस: जब लगातार वेजाइना में खुजली हो, खुजलाने के बाद वह बिल्कुल लाल हो जाए और जबरदस्त जलन का एहसास हो, रह-रह कर हरे या पीले रंग का वेजाइनल डिसचार्ज हो, डिसचार्ज से बहुत बदबू आए तो यह वेजिनाइटिस की समस्या हो सकती है। यह आमतौर पर बैक्टीरिया संक्रमण से होती है। हाईजीन का ध्यान ना रखने पर यह रोग होता है। हालांकि यह कॉमन रोग है लेकिन इसके उपचार में देरी नहीं करनी चाहिए।

मोटापा: मोटापे की समस्या से महिलाएं, पुरुषों से कहीं ज्यादा पीड़ित होती हैं। महिलाओं के मोटापे की समस्या से पीड़ित होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि वे नियमित व्यायाम नहीं करतीं। साथ ही उनकी लाइफस्टाइल भी काफी अनियमित होती है। काफी महिलाएं थाइरॉयड से पीड़ित होती हैं और एंग्जाइटी भी उनकी एक बड़ी समस्या है। ये दोनों समस्याएं मिलकर मोटापे को ट्रिगर करती हैं। मोटापा इसलिए खतरनाक है, क्योंकि यह अनेक बीमारियों का रिस्क बढ़ा देता है। इससे हृदय संबंधी बीमारियां, डायबिटीज, पीरियड्स का गड़बड़ा जाना जैसी समस्याएं होती हैं। इसलिए महिलाओं को अपना बॉडी वेट कंट्रोल करने के लिए सभी उपाय करने चाहिए। *

अपना-अपना स्पेस

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

मम्मी जी, मैं और रोहित मूवी देखने जा रहे हैं। डिनर भी बाहर ही करेंगे। मैं आप लोगों के लिए सब्जी बना देती हूं। मैंने आटा गूंथ दिया है। आप बस खाना खाते समय रोटी सेंक लीजिएगा।' बहू रश्मि चहकती हुई बोली।

शोभा जी ने पूछा, 'टिकट आ गए हैं क्या बहू?'

'नहीं, टिकट की तो अभी बुकिंग नहीं हुई है।' रश्मि ने बताया। 'तो रोहित से बोलो कि अपने माता-पिता के टिकट भी बुक करवा ले। हम भी साथ में चलेंगे।' शोभा जी की आवाज में आज्ञा भाव थे।

यह सुनकर रश्मि का चेहरा उतर गया। शोभा जी के पति आकाश जी ने बहू के उतरे हुए चेहरे को भांप लिया। अपनी पत्नी से बोले, 'अरे! बुढ़ापे में तुम मुझे कहां फिल्म दिखाने ले जा रही हो। इस नए जमाने की फिल्म हम लोगों को पसंद नहीं आएगी।' 'आप होंगे बूढ़े, मैं तो अभी जवान हूं।' शोभा जी ने पति को झिड़का। आकाश जी ने देखा कि पत्नी उनका इशारा नहीं समझी है तो वह सिर दर्द का बहाना बनाकर अपने कमरे में चले गए। शोभा जी भी गुस्से में बुदबुदाते हुए उनके पीछे-पीछे कमरे में आ गईं।

'मैं तुम्हें कैसे समझाऊं, उम्र पचपन की हो चली है, पर तुम्हारा दिल अभी बचपन का ही है।' आकाश जी कुछ खीजे स्वर में बोले।

'क्या मतलब है आपका, साफ-साफ कहिए ना।' शोभा जी चिढ़ कर बोलीं। 'हां तो सुनो, तुम अपने बेटे-बहू की जिंदगी में कुछ ज्यादा ही दखलंदाजी नहीं कर रही हो? अरे, उन्हें थोड़ा स्पेस दो। उन्हें अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जीने दो ताकि हमारे और उनके बीच कोई दूरी ना आए।' आकाश जी ने पत्नी को समझाने की कोशिश की।

'आप भी न! कुछ भी सोचते रहते हैं।' शोभा जी ने उलाहना दी।

'तुम जरा अपना समय याद करो। क्या तुम्हें अच्छा लगता था, जब हमारे परिवार वाले तुम्हारी, हमारी खुशी के बीच आते थे। तुमने तो मुझ पर दबाव बनाना भी शुरू कर दिया था कि मैं अपने परिवार से अलग हो जाऊं। सोचो, कल को हमारे बेटे-बहू भी हमसे परेशान होकर अलग होने का मन बना लें तो फिर हम पर क्या बीतेगी?' आकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

एक पल शोभा जी ने कुछ सोचा फिर बोलीं, 'आप सही कह रहे हैं। मैंने तो कभी इतनी दूर की बात सोची ही नहीं।'

शोभा जी को अपनी भूल का अहसास हो गया था। वह तुरंत किचन में जाकर अपनी बहू से बोलीं, 'बहू, हम लोगों की टिकट मत बुक करवाना। तुम्हारे ससुर जी के सिर में दर्द है। फिर कभी हम साथ फिल्म देखने चलेंगे, तुम और रोहित देख आओ।'

शोभा जी ने देखा कि रश्मि के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। वह मन ही मन सोच रही थीं कि परिवार में हर किसी को अपना स्पेस जरूर मिलना चाहिए, इसी में परिवार की खुशी है। *

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक

हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

जैकेट के शेष

किर्गिस्तान की शिक्षामंत्री...

बीच शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि दन देशों के बच्चों को उनकी संस्कृति के बारे में पता चल सके उस पर भी काम करने का प्रयास कर रहे हैं।

▸▸ बच्चों की परीक्षा होने वाली थी, इसे आनलाइन कराना है या कैसे हो इस पर निर्णय लेंगे।

▸▸ हमारा देश बहुत दयालु और सुरक्षित है। हमारे देश के लोग आक्रामक नहीं हैं। हमारे देश के लोग विदेश के लोगों को पसंद करते हैं। इसे लेकर कभी कोई विवाद नहीं है। अगर आप पहली बार आए है तो सिटी में जाएंगे तो इसे देखेंगे। जहां तक कॉलेज की बात है वहां पर छात्रों को ऑनलाइन और ऑफलाइन क्लासेस की परमिशन दी हुई है। जहां तक ऑनलाइन परीक्षा की बात है कॉलेज यहां पर ऑटोनामस है उन्हें निर्णय लेने का पॉवर दिया गया है। बच्चे किर्गिस्तान को क्यों प्रिफर करते हैं क्योंकि यहां की शिक्षा लोगों के लिए सस्ती है। उन्होंने दो कॉलेज का नाम लिया एक किर्गिस्तान मेडिकल एकेडमी, आईएचएस यहां पर शिक्षा को इंप्रूमेंट करने का प्रयास करते हैं। इनका जो इंटरनेशनल वेटिंग और इनके पासिंग परसेंट इंडिया में उससे 100 टाइम अच्छा है। यहां के शिक्षक भी काफी अच्छे हैं। भारत और किर्गिस्तान का अच्छा संबंध रहा है।

▸▸ भारत के 17 हजार से अधिक बच्चे यहां पर पढ़ते हैं। शिक्षा मंत्री उनके पैरेंट को क्या कहना चाहेंगी?

▸▸ यहां की छोटी सी घटना को इतना बड़ा बताया गया जिससे आप डरे उसके लिए मैं आपसे सॉरी कहना चाहूंगी। अब यह सब मामला समाप्त हो चुका है। अब पहले जैसा माहौल हो गया है।

हीट स्ट्रोक से 88 दिन...

कॉन्फ्रेंस में बताया कि राजस्थान और गुजरात में नौ से 12 दिन हीटवेव चली है, जिसमें तापमान 45 से 50 के बीच रहा है। वहीं, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब में पांच से सात दिन हीटवेव चली है, जिसमें तापमान 44 डिग्री से 48 डिग्री तक रहा है। इधर, भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने सोमवार को कहा कि भीषण गर्मी का सामना कर रहे राष्ट्रीय राजधानी समेत उत्तर पश्चिम भारत के लोगों को 30 मई के बाद भीषण लू से राहत मिल सकती है। आईएमडी के महानिदेशक ने ऑनलाइन प्रेस वार्ता में कहा कि उत्तर पश्चिम भारत के हिस्सों में भीषण लू चल रही है और यह अगले तीन दिनों तक जारी रह सकती है, लेकिन 30 मई से इसकी तीव्रता धीरे-धीरे कम होगी, क्योंकि एक पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है।

31 को केरल तट पर मानसून : मौसम विभाग ने सोमवार को यह भी बताया कि केरल में अगले पांच दिन में मानसून के पहुंचने की स्थिति बनती नजर आ रही है। आईएमडी ने पहले ही बताया था कि मानसून 31 मई तक केरल से टकराएगा। इसके केरल पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून है। इसके साथ ही इस साल सामान्य से बेहतर मानसून होने का अनुमान जताया गया है।

क्या होता है हीटस्ट्रोक : हीटस्ट्रोक के दौरान शरीर अत्यधिक गर्म हो जाता है। इससे मस्तिष्क, यकृत और गुर्दे जैसे महत्वपूर्ण अंगों की सामान्य कार्यप्रणाली गड़बड़ा जाती है। इस दौरान शरीर के तापमान में वृद्धि, सुस्ती, कमजोरी और मुंह में सूखापन आता है।

छग में लू के...

गर्मी का प्रभाव रविवार से प्रदेश में महसूस हो रहा है और तापमान चढ़ा हुआ है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा का कहना है कि शुष्क हवा से प्रदेश में अधिकतम तापमान में अभी और बढ़ोतरी की संभावना है। कल भी अनेक शहरों में लू जैसे हालात बने रहने की संभावना है। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान डिग्री तक अधिक होने की वजह से उष्ण रात्रि की स्थिति बनी रहने की पूरी संभावना है। सोमवार को राज्य में सर्वाधिक तापमान तापमान बेमेतरा का 43.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। गर्मी से राहत मिलने की संभावना अभी नहीं है। मैदानी इलाके में जहां गर्मी असर दिखा रही है, वहीं बस्तर सहित दक्षिण में बारिश की स्थिति बनी हुई है। पिछले चौबीस घंटे में बस्तर में चार सेमी. तथा केशकाल में 2 सेमी. वर्षा दर्ज की गई है। अभी उत्तरी हिस्से में गर्मी अपनी सामान्य स्थिति में है।

बजरंग दल के जिला...

निवासी 24 वर्षीय सुजीत सोनी पिता नंदलाल सोनी मोबाइल प्लाजा के नाम से दुकान संचालन करता था। उसके पिता की सुनीता ज्वेलर्स के नाम से जेवर की दुकान है। इसके साथ ही युवक सुजीत सोनी बजरंग दल का जिला संयोजक भी था व बजरंग दल में काफी सक्रिय रहता था। युवक रात के 1 बजे अचानक घर से अपनी स्कूटी लेकर निकल गया और घर वालों को इसकी भनक नहीं लग पाई। आज सुबह जब घर के सदस्य उठे तो देखा कमरे का दरवाजा खुला था ऐसे में उसकी खोजबीन की जा रही थी। परिजन ने पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद उसके मोबाइल फोन को ट्रेस किया गया तो लोकेशन डुमरखी जंगल बता रहा था। ऐसे में जब पुलिस टीम व परिजन मौके पर पहुंचे तो उसका शव पड़ा हुआ था जबकि मौके पर एक युवती की लाश भी मिली। बजरंग दल के नेता व युवा व्यवसायी के हत्या की जानकारी मिलने के बाद हड़कंप मच गया और घटना की सूचना पर आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। दोपहर में फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की जिसके बाद लाशों को पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया।

हत्या के बाद जंगल में फेंका गया शव : अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों की हत्या किसी अन्य स्थान पर करने के बाद डेड बॉडी को जंगल में फेंका गया है। मृतक सुजीत सोनी के शरीर पर चोट के निशान है और युवक की हत्या से पहले उसे बुरी तरह पीटा गया है। बर्बरता की हद यह है कि हत्या से पहले युवक के हाथ की अंगुलियां भी तोड़ दी गई। हत्या के बाद दोनों की बॉडी को जंगल के पास लाकर फेंका गया और फिर साक्ष्य छिपाने के लिए उन्हें जलाने का भी प्रयास किया गया है लेकिन हत्यारे अपने इस मंसूबे में कामियाब नहीं हो पाए। फिलहाल युवक युवती की लाश को पीएम के लिए भेजा गया है और अधिकारी पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रहे है। घटनास्थल पर पुलिस को युवक के साथ एक युवती की लाश भी मिली है। युवती की पहचान वहेजवार निवासी 21 वर्षीय किरण काशी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि किरण की शादी लगभग चार वर्ष पूर्व केरता मानिकपुर में हुई थी लेकिन युवती पति से अलग होकर अपनी मां के साथ दहेजवार में ही रहती थी।

परिजन ने गौ तस्कर...

आरोप है कि योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या की गई और हत्या के लिए युवती का इस्तेमाल किया गया है। परिजन ने युवक के हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

सौम्या को हाईकोर्ट से...

के बाद होगी सुनवाई। सौम्या चौरसिया की तरफ से पैरवी कर रहे एडवोकेट हर्षवर्धन परघनिया के साथ ही दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट ने ऑनलाइन पैरवी की। करोड़ों के कोयला घोटाला मामले में सौम्या चौरसिया को मनी लांड्रिंग के केस में ईडी ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद से सौम्या चौरसिया रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद हैं। इससे पहले कोयला घोटाला और मनी लांड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट ने सौम्या की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, और कोर्ट ने गलत तथ्य पेश करने पर एक लाख का जुर्माना भी लगाया था।

ई-वे बिल की छूट...

भी परामर्श किया है। इस फैसले के बाद अब राज्य में व्यवसायियों को 50 हजार रु मूल्य से अधिक के गूड्स का परिवहन पर ई वे बिल जेनरेट करना आवश्यक होगा। बताया गया है कि वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग द्वारा कर अपवंचन पर निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए नये प्रावधान लागू किये गये हैं। जिसके तहत राज्य में ई वे बिल के प्रावधानों में दी गई छूट को समाप्त कर दिया गया है। इसके लिए सरकार ने 24 मई को ही अधिसूचना जारी कर दी है। अभी तक राज्य में एक जिले के भीतर माल के परिवहन करने पर ई वे बिल जारी करना आवश्यक नहीं था साथ ही 15 वस्तुओं को छोड़ कर राज्य के भीतर किसी भी वस्तु के परिवहन पर ई वे बिल कि आवश्यकता नहीं थी।

बोगस बिल रोकने...

ईमानदारी से अपना कर जमा करते हैं परंतु सर्क्युलर ट्रेडिंग या बोगस बिल जारी करने वालों के कारण उन्हे आइटीसी का लाभ नहीं मिल पाता है। ई वे बिल के प्रावधान लागू होने से सर्क्युलर ट्रेडिंग और बोगस बिलिंग रोकने में विभाग को मदद मिलेगी। ई वे बिल के प्रावधानों में दी गई छूट को समाप्त किए जाने से राज्य मे कर अनुपालन के वातावरण मे सकारात्मक प्रभाव होगा। इससे बोगस बिल जारी करने, कच्चा बिल जारी करके कर अपवंचन करने की प्रवृत्तियों पर अंकुश लगेगा।

भाजपा को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा दुश्मनी करने की छूट नहीं दे सकते

टीएमसी के खिलाफ विज्ञापन मामले में नहीं होगी सुनवाई, याचिका खारिज

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कलकत्ता हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी भाजपा को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने विज्ञापन मामले में दी गई याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया है। दरअसल, अदालत ने आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन में तृणमूल कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं के खिलाफ विज्ञापन जारी करने से रोकने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली भाजपा की याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि इस तरह के विज्ञापन अपमानित करने वाले हैं। आप कह सकते हैं कि आप सबसे अच्छे हैं लेकिन दूसरों के बारे में इस तरह की बातें नहीं कर सकते। हम आपको इस तरह की कटुता बढ़ाने की छूट नहीं दे सकते। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, 'प्रथम दृष्टया विज्ञापन अपमानजनक है।'

चुनावी प्रक्रिया के दौरान मानक बनाकर रखें

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस केवी विश्वनाथन की वैकेशन बेंच कहा कि राजनीतिक दलों को ध्यान रखना चाहिए कि वे चुनावी प्रक्रिया के दौरान भी अपना मानक बनाकर रखें और एकता अखंडता को बनाए रखें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब साफ-साफ दिख रहा है कि इस तरह के विज्ञापन आपत्तिजनक हैं तो हाईकोर्ट के आदेश में दखल क्यों दिया जाए। बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि टीएमसी ने चुनाव आयोग के पास भी शिकायत की थी।

चार जून तक विज्ञापनों को प्रकाशित करने से रोका

हाईकोर्ट ने 20 मई को एक आदेश जारी कर भाजपा को चार जून तक आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले विज्ञापनों को प्रकाशित करने से रोक दिया। लोकसभा चुनाव प्रक्रिया चार जून को समाप्त होगी। अदालत ने आदेश में भाजपा को उन विज्ञापनों को प्रकाशित करने से भी रोक दिया था, जिनका उल्लेख तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपनी याचिका में किया था। टीएमसी ने विज्ञापन में पार्टी और कार्यकर्ताओं के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाए जाने का दावा किया था। अदालत ने कहा था कि याचिकाकर्ता टीएमसी द्वारा संलग्न समाचार पत्रों के विज्ञापनों को देखने से पता चलता है कि ये एमसीसी का उल्लंघन हैं। अदालत ने शिकायतों का तुरंत समाधान नहीं करने के लिए निर्वाचन आयोग के प्रति भी अप्रसन्नता जताई थी। टीएमसी की ओर से पेश वकील ने दलील दी थी कि भाजपा कुछ समाचार पत्रों में पार्टी को निशाना बनाकर विज्ञापन प्रकाशित करवा रही है जिसमें एमसीसी और निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देश का उल्लंघन हुआ है।

नए आपराधिक कानून प्रणाली पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर

शाह का दावा- तीन साल के अंदर मिलेगा न्याय

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक जुलाई से लागू होने वाले नए आपराधिक कानूनों में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण कारक होगी। उन्होंने कहा कि समन एसएमएस द्वारा भेजे जाएंगे, 90 फीसदी गवाह वीडियो कॉल के जरिए पेश होंगे और अदालतें प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर आदेश जारी करेंगी। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मैं आपको विश्वास के साथ कह सकता हूं कि तीन साल बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया की सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली होगी।'

नए कानूनों में देशद्रोह कानून को नए अवतार में लाया जा रहा है और इसके दोषी को उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। लोकसभा में बीती 21 दिसंबर को तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक को मंजूरी मिली थी।

यह किए गए बदलाव

शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के जरिए हम बहुत बड़े सुधार लाएंगे। कानून लागू होने के बाद 90 फीसदी लोगों को कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा। गवाह ऑनलाइन पेश होंगे। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले समन को किसी के घर पर भेजना होता था। अब समन एसएमएस द्वारा भेजे जाएंगे। ऐसे कई बदलाव नए कानूनों में शामिल किए गए हैं। यही हाल आरोपपत्र का भी था। पहले आरोपपत्र का मतलब दस्तावेजों का विस्तार करना होता था, लेकिन एक बार नए कानून लागू होने के बाद आरोपपत्र को पेन ड्राइव के जरिए रखा जाएगा और इसका जवाब भी पेन ड्राइव के जरिए डिजिटल तरीके से दिया जा सकता है। शाह ने कहा, 'सभी मामले ऑनलाइन हो जाएंगे। एफआईआर, कोर्ट डायरी, जजमेंट को भी डिजिटल किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में एक परिवार के 13 सदस्यों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुई सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों समेत एक परिवार के 13 सदस्यों की मौत हो गई जबकि नौ अन्य लोग घायल हो गए। घटना रविवार को लाहौर से 350 किलोमीटर दूर मुजफ्फरघर जिले में हुई जब एक ट्रक यात्री वैन से टकरा गया। आपात सेवा 'रेस्क्यू 1122' के अनुसार कई लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बचाव दल के सदस्य और स्थानीय निवासी घायलों को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने 11 लोगों को पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया जबकि दो की बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना में एक परिवार के 13 सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें चार महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं।

तेजस्वी ने पीएम पर साधा निशाना, कहा

'मुद्दे की बात नहीं करते मोदीजी, इसलिए लोगों ने सुनना बंद कर दिया'

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोल रहे हैं। एक बार फिर पीएम पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने कहा है कि मोदी जी मुद्दे की बात नहीं करते हैं, इसलिए देश की जनता उनको सुनना नहीं चाहती है। आरजेडी नेता ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने पीएम के नाम एक खुला पत्र लिखा है। पत्र के माध्यम से उन वादों को याद दिलाया है, जो 2019 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री ने किया था। सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने ये बातें कहीं। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि अब पीएम के भाषण को देश का कोई भी आदमी सुनना नहीं चाह रहा है। इसका कारण है कि बिना मुद्दे की बातों को वह लोगों के बीच लेकर जा रहे हैं।

पटनायक का ऐलान, अब ओडिशा में भी बिजली होगी फ्री

एजेंसी ▸▸ भुवनेश्वर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार (27 मई) को राज्य में मुफ्त बिजली का ऐलान किया। बीजू जनता दल (बीजेडी) चीफ पटनायक ने केंद्रपाड़ा में एक रैली को संबोधित करने के दौरान कहा कि जुलाई से ओडिशा में किसी को बिजली का बिल नहीं देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीजेडी सरकार लोगों को मुफ्त बिजली देगी। इस रैली में बीजेडी नेता और 5टी के चेयरमैन वीके पांडियन भी मौजूद रहे। इस दौरान वीके पांडियन ने कहा कि लोगों को राज्य सरकार की बीएसकेवाई योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवा मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को मुफ्त बिजली भी दी जाएगी। पांडियन ने दावा करते हुए कहा कि 9 जून को नवीन बाबू मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे।

गाजा : इजराइली हवाई हमले में 35 लोगों की मौत

दीर अल बलह (गाजा पट्टी)। फलस्तीनी स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि गाजा के दक्षिणी शहर रफह में विस्थापित लोगों के लिए बने तंबुओं पर इजराइल द्वारा किये गये हवाई हमलों में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गयी और कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इस हवाई हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत ने इजराइल को रफह में अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने का आदेश दिया था, जिसके दो दिन बाद रविवार को यह हमला किया गया।

'एनसीपी अजीत पवार गुट के मंत्री के कहने पर डॉक्टरों ने बदली थी ब्लड सैंपल रिपोर्ट'

एजेंसी ▸▸ पुणे

पुणे रोड एक्सीडेंट मामला : कांग्रेस नेता रविंद्र धंगेकर ने किया दावा

पुणे रोड एक्सीडेंट मामले में एक नया मोड़ लिया है। पुलिस ने इस मामले में ससुन हॉस्पिटल के 2 डॉक्टर्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस का मानना है कि दोनों डाक्टरों ने ही नाबालिग के ब्लड रिपोर्ट में हेरफेर की। इसी बीच एक और खुलासा किया गया है कि ये खुलासा कांग्रेस नेता रविंद्र धंगेकर की ओर से किया गया। कांग्रेस नेता रविंद्र धंगेकर ने एनसीपी अजीत पवार गुट के एक मंत्री पर खुलकर आरोप लगाया है कि इस नेता के कहने पर ही डॉक्टरों ने नाबालिग की रिपोर्ट में बदलाव किया था। कांग्रेस नेता रविंद्र धंगेकर ने एनसीपी अजीत पवार गुट के नेता हसन मुश्रीफ पर आरोप लगाया कि हसन मुश्रीफ के कहने पर ही डॉक्टरों ने रिर्पोट में बदलाव किया था।

पेज एक के शेष

दो माह पहले बजी...

खबर मिली कि सेवक राम अब दुनिया में नहीं रहे। सूचना पाकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक का भतीजा युवराज साहू ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि खुशियों के बाद मातम भी देखना पड़ेगा। सेवक 4 बेटियों के पिता, एकमात्र कमाने वाला था। 20 साल से उनके चाचा सेवक राम इस फैक्ट्री में काम कर रहे थे। लेकिन इस हादसे में हुई मौत के बाद फैक्ट्री वालों ने जानकारी तक नहीं दी। परिजन खुद से अपनों की खैर-खबर लेने पहुंचे तब उन्हें पता चला कि सेवक राम की हादसे में जान जा चुकी है। ब्लास्ट के समय वे घटना स्थल से दूर थे लेकिन विस्फोट के बाद उछला बड़ा पत्थर सेवक के सिर पर आ गिरा और मौके पर उसकी मौत हो गई।

कॉल के बाद भी...

जानकारी नहीं दी। परिवार के लोग परेशान होकर अलग-अलग मोबाइल नंबर पर कॉल कर सेवक की जानकारी लेते रहे, मगर किसी ने कोई जानकारी नहीं दी। सेवक के घर में कमाने वाला कोई नहीं है। उसके चले जाने के बाद परिवार को संभालने वाला कोई नहीं है।

48 घंटे चले रेस्क्यू...

में कितने मजदूर कालकलवित हुए है इसकी पुष्टि नहीं की है। शनिवार की सुबह 7 बजकर 55 मिनट पर बेरला ब्लॉक बोरसी पिरदा स्थित स्पेशल ब्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड में अचानक जोरकर धमाका हुआ। धमाके के बाद अफरा-तफरी का माहौल रहा। इस धमाके के बाद पीटीएन प्लांट में 20 से 25 फीट गहरी खाई बन गई और तीन मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। इमारत के मलबे में पहली पाली के मजदूरों के दबे होने की आशंका के बीच प्रशासन ने एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू के लिए शनिवार को ही लगा दिया था। रविवार को प्रशासन की पहल पर एनडीआरएफ की टीम ने मोर्चा संभाला। दोनों की संयुक्त टीम 10 जेसीबी मशीन और आसपास के मजदूरों के सहारे मलबा हटाने की कार्रवाई की शुरू की। मलबा हटाने के दौरान बारूद की गंध तेज हो गई। मलबों में मांस के लोथड़े घटना की भयावहता की गवाही दे रहे थे। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मामले की गंभीरता को भांपकर मांस के लोथड़ों को काले कलर की पॉलीथीन में एकत्रित करना शुरु किया।

न्यायिक जांच के बाद...

औपचारिकता पूरी की जा रही है। डीएनए रिपोर्ट के बाद ही मजदूरों का पता चल पाएगा। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है। घायल मजदूरों को इलाज के बाद छुट्टी मिल गई है।

'गेम जोन' में आग...

के बिना संचालित किया जा रहा था। राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, 'गेम जोन' को सड़क और भवन विभाग से अनुमति मिल गई थी।

पिता-भाई ने मिलकर...

युवक का बड़ा बेटा शिवचरण घर आया तो पिता ने बेटे को घटना की जानकारी दी। उसी शाम युवक भी शराब पीकर घर पहुंचा जहां उनके बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर और आए दिन होने वाले उत्पात से तंग आकर पिता व भाई ने जगन्नाथ सिंह को पकड़कर घर के सामने मौजूद आम पेड़ से रस्सी के सहारे उल्टा लटका दिया और जमकर पिटाई कर दी। कुछ ग्रामीणों ने पिता-पुत्र को रोकने का प्रयास भी किया लेकिन वे किसी को आगे नहीं आने दे रहे थे।

हाईकोर्ट ने कहा- शिक्षा...

कयाचिकाकर्ता की जन्मतिथि 21 जनवरी 1959 मानते हुए सेवानिवृत्ति के पूर्व के लाभ का हकदार होगा। रजगामार कोलियरी निवासी व एसईसीएल कर्मी अर्जुन लाल ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया है कि वर्ष 1984 में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) में पिता को चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित करने के कारण उसे आश्रित रोजगार के प्रावधान के तहत मजदूर के रूप में नियुक्ति मिली थी।

नक्सली धमकी के ...

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र नारायणपुर जिले के में पिछले 50 वर्ष से वैद्यराज के रूप में अपनी सेवा दे रहे छोटेडोंगर निवासी वैद्यराज हेमचंद मांझी को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में 22 अप्रैल को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। देसी जड़ी-बूटी और औषधि के जानकार हेमचंद मांझी इस क्षेत्र के साथ-साथ प्रदेश और देश के कोने-कोने से आने वाले कैंसर पीड़ित मरीजों को सस्ती स्वास्थ्य सेवा देते आ रहे हैं। हेमचंद मांझी ने क्षेत्र में वनों से मिलने वाली जड़ी-बूटियों से औषधि तैयार कर बड़ी संख्या में कैंसर पीड़ितों की जान बचाई है। यही वजह है कि सिर्फ छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, मुंबई और देश के हर कोने से कैंसर पीड़ित हेमचंद मांझी के पास के लिए पहुंचते हैं।

हेमचंद मांझी को पद्मश्री से सम्मानित किए जाने से क्षेत्रवासियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों में भी काफी खुशी है। वहीं नक्सलियों में भारी नाराजगी है। नक्सलियों द्वारा राष्ट्रपति से सम्मानित होते हुए तस्वीर को नक्सली पर्चा में जारी कर उन्हें माइंस का दलाल कहते हुए देश से मार भगाने की बात कही है।

2 साल से नक्सलियों के टारगेट पर : 20 साल की उम्र से ही वह जड़ी-बूटियों से औषधि तैयार कर रहे हैं। वह प्राचीन औषधि परंपराओं को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। उनकी सेवा भाव को देखकर नक्सलियों ने उन्हें कई बार धमकाया हैं। पिछले 2 साल से उन्हें नक्सली धमकी मिल रही है। छोटेडोंगर माइंस की दलाली करने का आरोप उन पर नक्सलियों के द्वारा लगाया जा रहा है। वैद्यराज ने बताया कि उनके भतीजे की भी नक्सलियों ने हत्या कर दी लेकिन उन्होंने अपनी स्वास्थ सेवा जारी रखा. हालांकि पुलिस प्रशासन ने खतरे को देखते हुए उन्हें नारायणपुर में मकान उपलब्ध कराया है, जहां से वह अपनी सेवा दे रहे हैं।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

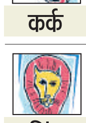
सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 5524

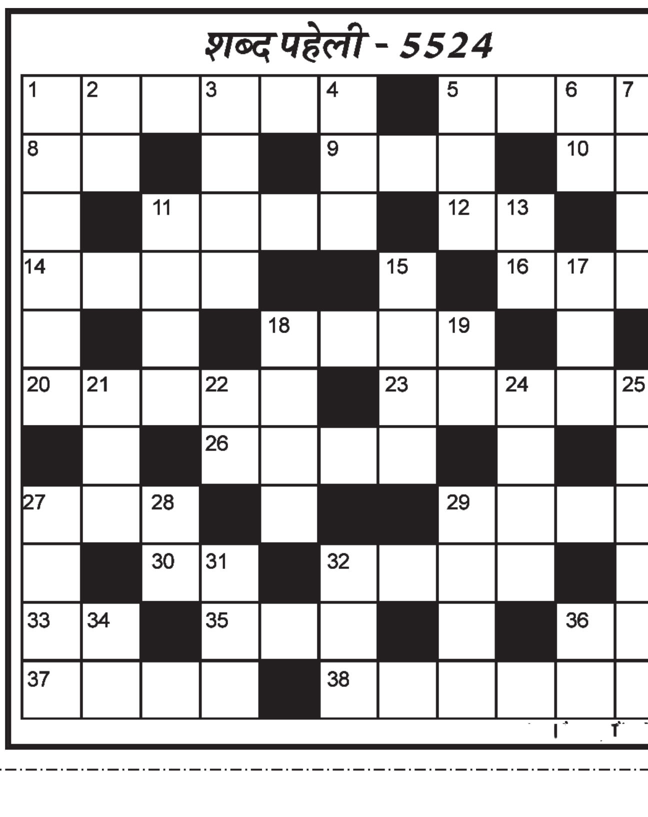

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली- 5523 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			नी
ब	द	मा	श		टो	ना		सौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		चौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
ध	ड़	क	न		ता		री	मा	ला	गू

सूडोकु नवताल - 5535

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5534 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

सपा विधायक रफीक अंसारी गिरफ्तार, पुलिस ने कसा शिकंजा

एजेंसी ▶▶ मेरठ

मेरठ शहर के समाजवादी पार्टी विधायक रफीक अंसारी को पुलिस ने बाराबंकी से गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट से गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी हुआ था। इलाहबाद हाईकोर्ट ने 1995 के एक मामले में रफीक अंसारी को राहत देने से इनकार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके खिलाफ 1997 से 2015 तक कई गैर-जमानती वारंट जारी हुए थे। इसके बावजूद वह कोर्ट के सामने हाजिर नहीं हुए थे। पुलिस लगातार उनकी तलाश में थी और अलग-अलग जगह दबिश दे रही थी। रफीक अंसारी मेरठ विधानसभा से दूसरी बार विधायक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से जानकारी सामने आ रही है कि 10 गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद भी जब वह पेश नहीं हो रहे थे तो उनकी गिरफ्तारी को लेकर दबिश तेज़ हो गई थी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड रायपुर
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनी)
CIN-U4018T2003SGC051822
कार्यालय-कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग (दक्षिण) रायपुर न्यु पुरैना बस्ती रोड, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पुरैना के बाजु
दूरभाष 0771-2574766, Email- eecitysouth raipur@cspc.co.in

क्रमांक / 051-56/ सामान्य /968 रायपुर, दिनांक 27.05.2024

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि नगर संभाग (दक्षिण) छ.स्टे. पा.डि.कं.लिमि., रायपुर के अंतर्गत निम्नांकित 33/11 के.व्ही. लाईनों का संधारण / रखरखाव से संबंधित कार्य किया जाना है। जिसके कारण कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। अतः दर्शायी गई तिथि के सम्मुख दर्शाये गये क्षेत्र में प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 13:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में वृद्धि की जा सकती है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1.	29.05.2024 दिन- बुधवार	33 के.व्ही. लालपुर फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता मेसर्स रामकृष्ण हॉस्पिटल, एम.एम.आई. हॉस्पिटल, कार्बिज टॉवर हॉटल एवं गोल्डन ट्रेड सेन्टर राजेन्द्र नगर
		33 के.व्ही. अमलीडीह इंटरकनेक्टर	उच्चदाब उपभोक्ता मे गोदडीवाला प्लास्टिक, मे. राठी बिल्डमार्ट, मे मेडीसर्व हॉस्पिटल
2.	30.05.2024 दिन -गुरूवार	33 के.व्ही. इंडीयन ऑयल फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता मे. अग्रसेन धाम, मे. अग्रवाल सभा सालासार बालाजी मंदिर, श्री जितेन्द्र मोहन सावलानी (चोकरधानी), आर. एम. व्ही. रिसोर्ट डी.डब्ल्यू केन्यॉन हॉटल
3.	31.05.2024 दिन- शुक्रवार	33 के.व्ही. सिटी मॉल फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता मे. सिटी मॉल, मे. चिदम्बरा हॉटल (क्लॉर्क इन. मे.)इंडियन ऑयल, मे. बेबिलॉन इंटरनेशनल, मे. रामस्वरूप निरंजन धर्मशाला, मे. शितल इंटरनेशनल, मे. ग्रैण्डअर्श (ग्रैण्ड इम्पिरिया), श्रीमती उषा देवी अग्रवाल, मे. लाल गंगा बिल्डर्स करेंसी टॉवर मे अम्बर वेंचर्स (हॉटल अरिना)

"स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा की बचत करें।"
S-40244/1

कार्यपालन अभियंता,
नगर संभाग (दक्षिण) छ.स्टे. पा. डिस्ट्री.कं.लिमि. रायपुर

भारतीय सेना को मिली हाइड्रोजन से चलने वाली 'पहली बस'

पूरे टैंक का 250-300 किमी का माइलेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना को हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली पहली बस मिल गई है। नई दिल्ली में सोमवार को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य की मौजूदगी में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गया। सेना प्रमुख को यह बस आईओसीएल ने एक कार्यक्रम के दौरान सौंप दी। भारतीय सेना ने हरित और टिकाऊ परिवहन समाधान खोजने की दिशा में दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करते हुए पहली हाइड्रोजन ईंधन बस को अपने बेड़े में शामिल किया है। इस बस में 37 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। टैंक को एक बार में 30 किलोग्राम हाइड्रोजन ईंधन से भरा जा सकता है। पूरे टैंक का 250-300 किमी का माइलेज है, जो शून्य कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करता है।

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज़्म कॉरपोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – मिनी रत्न)
सीआईएन : L74899DL1999GOI101707
IRCTC | LiFE Lifestyle for Environment

विज्ञापन एजेंसी के इम्पैनलमेंट के लिए ईओआई। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से प्री-बिड मीटिंगः **10.06.2024,** जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः **18.06.2024** को **12:00 बजे** तक।

विस्तृत विवरणों के लिए **www.irctc.com** एवं **www.tenderwizard.com/IRCTC** देखें। निविदा दस्तावेज डाउनलोडिंग एवं प्रतिभागिता केवल वेबसाइट **www.tenderwizard.com/IRCTC** पर की जा सकती है।

उपरोक्त के संबंध में जारी किया गया कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल **www.irctc.com** एवं **www.tenderwizard.com/IRCTC** पर प्रकाशित किया जाएगा।

ecatering.irctc.co.in

कार्यालय पताः आईआरसीटीसी लि., 11वां तल, स्टेट्समैन हाउस, बी–148, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001; फोनः 011–23311263

25% सेना में और 75% केंद्रीय बलों में जाएंगे

देश के युवा जागरूक हैं, अग्निवीर में जॉब की पूरी गारंटी है : अनुराग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अग्निवीर योजना पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस भय और भ्रम फैलाना बंद करे। देश के युवा जागरूक हैं, अग्निवीर में जॉब की गारंटी है अगर 100 सैनिक अग्निवीर हुए तो वे 4 साल सेना में देंगे और उसके बाद (उनमें से) 25% वहां रह जाएंगे और बाकि 75% को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में आरक्षण दिया जाएगा ताकि उनको नौकरी मिल जाए। बता दें कि आज (सोमवार) कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में मीडिया से कहा कि अग्निवीर में इन्होंने हिन्दुस्तान के जवानों को मजदूर बनाया है। हम अग्निवीर को रद्द करेंगे और पहले जो व्यवस्था थी वो लागू करेंगे। हिन्दुस्तान का हर युवा जानता है कि अग्निवीर का मतलब हिन्दुस्तान के जवानों को मजदूर बनाना है। वहीं दूसरी ओर अग्निवीर योजना पर मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत ने कहा कि अब इनके पास जीतने का कोई हथकंडा नहीं बचा है इसलिए ये अफवाह फैला रहे हैं। फैला-फैलाकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।

कांग्रेस भय व भ्रम फैलाना बंद करे

हिमाचल प्रदेश में अग्निवीर योजना पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस भय और भ्रम फैलाना बंद करे। देश के युवा जागरूक हैं, अग्निवीर में जॉब की गारंटी है अगर 100 सैनिक अग्निवीर हुए तो वे 4 साल सेना में देंगे और उसके बाद (उनमें से) 25% वहां रह जाएंगे और बाकि 75% को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में आरक्षण दिया जाएगा ताकि उनको नौकरी मिल जाए।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रम फैलाती हैं।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623, **Registered Office :** W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17/06/2024 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
धमतरी, बस्तर रोड धमतरी, 134150700011447, 134150730013213, 3218, 3219, 3227, 3233, सदर बाजार धमतरी, 131990700010939, 131990730007100, 7121, दुर्ग, चारोदा स्क्वेयर भिलाई, 134110700017850, 134110730024207, 4211, 4230, 4231, 4242, 4243, 4244, 4245, 4246, 4247, चौहान एस्टेट, 115880730028883, 8891, गुरुद्वारा स्टेशन रोड, 112310700023581, 112310730039484, 9491, 9502, कृष्णा थियेटर रोड, 125930700023026, 3036, 3039, 3048, 3051, 125930730019830, 9832, 9833, महाराजा चौक, 116770730016072, मालवीय नगर चौराहा, 116610700016791, 6795, 6810, 116610730029946, 9964, 9997, नेहरू नगर भिलाई, 125780700020026, 0039, 0041, 0042, 0052, 0061, 125780730021972, न्यू बस स्टैंड दुर्ग, 126220700015369, 5378, 126220730013883, 3911, 3912, पावर हाउस चौक भिलाई, 134030700033979, 134030730034478, 4493, 4494, 4539, 4563, 4567, 4573, 4586, 4587, 4593, संतराबाडी , 112610700017393, 112610730017622, स्मिति नगर भिलाई, 115830700017289, 7290, 7291, 7292, 7293, 7311, 7314, 7315, 115830730012832, कवर्धा, इंदिरा गाँधी चौक कवर्धा, 134560700010651, 0655, 0659, 134560730016114, महासमंद, बस स्टैंड महासमुंद छत्तीसगढ़, 129980700020853, 0856, 129980730023122, 3128, 3129, 3130, 3149, रायपुर, अश्वनी नगर रायपुर, 131360700015544, 5555, 131360730020473, 0479, 0483, 0494, 0544, बडाईपाडा, 113640700014186, 113640700022059, 113640730007498, 8279, 8280, 8281, 113640730020145, 0148, बनपुरी, 114590730017572, 7586, 7607, 7608, 7618, 7636, बंसताल रायपुर, 124250730004698, बुधापारा रायपुर, 124430700027765, 7776, 124430730023077, 3078, 3079, 3142, देवेंद्रनगर रायपुर, 124680700014097, 4100, 4101, 4103, 4108, 4113, कटोरा तालाब रायपुर, 131700700015165, 131700730010287, मोवा रायपुर, 129340730019941, 129340730021489, 1490, 1506, पचपेड़ीनाका चौक रायपुर, 128700700017603, 7612, 128700730018852, 8896, पंडरी रायपुर, 114140700021256, 1257, 114140730018913, 8914, 8923, सदार बाजार भतापरा, 134460700010394, 134460730007882, संतोषी नगर रायपुर, 131480730023978, 4012, 4035, 4066, तेलीबंधा रायपुर, 123840700025759, 5771, 123840730022052, 2055, 2068, राजनंदगाव, डोंगरगढ़ राजनांदगांव 133670700011053, 1055, 133670730082698, 2750, 2829, लालबाग राजनंदगाँव, 133880700017298, 7307, 7310, 7318, 133880730038665,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756 6263818152

एजूकेशन स्पेशल

कोटा पर सर्कल मोनो आवश्य देखें।
कोटा स्टडी सर्कल®
भिलाई/रायपुर
Priyansh Class Xii 94.4%
NEET, IIT-JEE PET/PAT
विशेषताएं
▸ कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
▸ हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के प्रथक प्रथक बैचस
▸ गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग होस्टल
रायपुर कोटा सेंटर
राजकुमार कॉलेज के सामने जीई रोड रायपुर
9301547784
भिलाई कोटा सेंटर
बिल्डिंग नं. 150
न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
9098534927

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- श्री कृष्णा हिंदी / इंग्लिश स्कूल चंडी अभनपुर में प्री- प्राइमरी से मिडिल क्लास हेतु इंग्लिश मीडियम टीचर की आवश्यकता है तथा हिंदी मीडियम में गणित, वाणिज्य, अंग्रेजी, रसायन, अर्थशास्त्र एवं कंप्यूटर टीचर की आवश्यकता है योग्यता- संबंधित विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर/ बी. एड. **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15/0 6/2024 संपर्क सूत्र 9893534338** (RO-992)

घरेलु कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु पुरुष /महिला कर्मचारीयों (जोड़ी को प्राथमिकता) खाना बनाना-1, साफ सफाई-3, बगीचा -3, चौकीदार-3 कार ड्राइवर-2 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा **पता- मकान नंबर 1104, जी.ऐ.डी. कॉलोनी, आनंदम वार्ड सिटी के पास कचना रायपुर 8770597574.**(RO-6256)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु तुरंत आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा जो पूर्व में घरेलू कार्य किया हो वही संपर्क करें वेतन 8000/- से 12000/- अनुभवी ड्राइवर चाहिए कम से कम 5 साल का अनुभव रहने की सुविधा **मोबाइल नंबर 7003707355, 9340109282.**(RO-6251)

देख- रेख

आवश्यकता है- विकलांग युवक के देखभाल हेतु होनहार. कामकाजी युवक की आवश्यकता है, रहना खाना फ्री वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क नंबर - 7354988225 एड्रेस...होटल ए डी टॉवर सिद्धार्थ चौक टिकरापारा रायपुर।** (RO-6254)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रायपुर में एसी साड़ी शोरूम के लिए सेल्समेन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता, ड्यूटी टाइम 10:30 -9:30 **शीघ्र सम्पर्क करें विरदीचंद मानकलाल जैन कंकालीपारा 9340477419, 9425216364.** (RO-2760)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4, सर्विस टेक्निशियन 2, टेलीकॉलर- 2 (अनुभव आवश्यक नहीं) **संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461.**(RO-2770)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- अल्फा सिक्योरिटी में 12 घंटे ड्यूटी करने के हेतु 100 गार्ड की आवश्यकता है। **संपर्क करें मो -70447-10812, 80550-17111** (D-560)

आवश्यकता है- सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में आवश्यकता हैं- मेल/ फिमेल की, सुरक्षागार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर, फील्ड ऑफिसर, फैक्ट्री कर्मचारी, ऑफिस कर्मचारी, हॉस्पिटल कर्मचारी इत्यादि **पता- विहान हॉस्पिटल के पास सड्डू रायपुर** Mob. **8821038605.**(RO-2774)

आवश्यकता है- रायपुर ऑफिस व कुम्हारी प्रेस के लिए सिक्यूरिटी गार्ड की। भूतपूर्व सैनिक एवं अनुभवी को प्राथमिकता। **संपर्क करें: 11.00 से 1.00 बजे। नवबोध प्रकाशन, 7, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के सामने, रायपुर (छ.ग.) फोन- 0771-4200932.**(RO-559)

चपरासी

आवश्यकता है- अग्रसेन पब्लिक हाईस्कूल धनोरा दुर्ग में आवासीय पति पत्नी चपरासी की आवश्यकता है, 2पद। राजनांदगांव जिला निवासी को प्राथमिकता। परिसर में निशुल्क निवास सुविधा। **संपर्क:- 89595-44444.**(Ro-488)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- शीतला एजेंसी (vehicle spare parts) में कंप्यूटर एवं ऑफिस कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति (उम्र 30 वर्ष से अधिक) चाहिए सैलेरी योग्यतानुसार **संपर्क 9300029026, 9300129026. भाटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर** (RO-1444)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- कुशल कंप्यूटर आपरेटर की। आवश्यक योग्यता कंप्यूटर की जानकारी, MS ऑफिस एवं कोरेलड्रा, सैलरी पिछले वेतन से 20% अधिक, ऑफिस एड्रेस Learning Zone New Civic Centre Bhilai, behind Miraj Cinema Shop no.103,104 &106 Mo. **9074133969, 7059321111.** (Ro-483)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- गिफ्ट स्टेशनरी शॉप में माल खोलने पैक करने लड़कों की आवश्यकता है वेतन 7000/- 7500/- 8000/- 8500/- **डायरी हाउस बंजारी रोड, गोल बाजार रायपुर 9981036253.**(RO-4420)

सिविल सुपरवाइजर

JOB VACANCY- Required at Bhilai Steel Plant/NSPCL area Bhilai under Contracts Works. Civil Diploma-10 Post,Accountant-2 Post, HR- 2 Post, Driver-3 Post JCB/Tipper/Pickup Contacts : -TABS Associates, Email : tabsassociates@gmail.com Cell :- **75870-95237.**(आरो नं.-6336)

ऑफिस ब्वॉय/ड्रायवर

आवश्यकता है- ट्रेडर्स दुकान में कार्य करने हेतु ऑफिस ब्वॉय और ट्रैक्टर ड्राईवर की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध, **संपर्क करें:- भाठागांव, रायपुर मोबाइल. 98271-14308.**(RO-2773)

मीडीया/मार्केटिंग

आवश्यकता है- विभिन्न कॉलेज और यूनिवर्सिटी में सीधी भर्ती:- PRO, COORDINATOR, COUNSELOR, MEDIA, SOCIAL MEDIA MARKETING, Salary 12000- 40000 onwards, JOB LOCATION- BILASPUR /RAIPUR, Job location:- all Chhattisgarh Contact :- **8770401175, 8770999194.**(RO-2775)

क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- पिकअप बोलोरो चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है लाइसेंस सहित **संपर्क करे - लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिंबर मार्केट , फाफाडीह , रायपुर 9893115637** (RO-1403)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रायपुर व दुर्ग जिले में किर्लोस्कर पंप विक्रय हेतु सेल्समेन की आवश्यकता है, **सम्पर्क: निर्मल सेल्स, मो. 9300659227, 7566578910.**(RO-7478)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- तेलीबांधा एरिया में, अकाउंटेंट, सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर (ऑटोमैटिक कार अनुभवी) व सिक्युरिटी गार्ड , **संपर्क करें- 7880134141** (Ro-997)

स्टाफ नर्स/चौकीदार

आवश्यकता है- स्टाफ नर्स- 6, वार्ड बॉय-6, आया बाई 4, चौकीदार-2 की आवश्यकता है रहने की सुविधा, **संपर्क:- बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर फोन- 0771-2425009.**(RO-2765)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन 4K से 5K योग्यतानुसार। **मैसेज/कॉल- 79998-47673 समय 11 से 5 तक** (Ro-487)

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक हेतु 10वी पास युवकों की जो बाहर जाकर काम कर सके। सैलरी- 10,000 +कमीशन +बोनस +आवास फ्री, ट्रेनिंग के बाद कमाए 25,000 से 30,000 महीने मे। **संपर्क:- 8180068616, 9171336699.** (RO-2746)

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18-28 वर्ष के 10वी,12वी ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस सहित 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क **सम्पर्क करें- 8006698797, 9630201208** ((RO-34264)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक (कंप्यूटर कार्य) के लिए युवको की तत्काल आवश्यकता है सैलरी 8,000 प्रतिमाह कार्य समय 11 बजे से शाम 7 बजे। **संपर्क करें:- 9039584784, 9302708426.**(RO-2769)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के बाहर ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस रहना फ्री ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 15000 से 20000 महीना **सम्पर्क करें बिलासपुर 6266578863, 6265735407, 9685471225.**(RO-1887)

वेल्डिंग कार्य

आवश्यकता है- फैक्ट्री के सारे बिजली के काम, वेल्डिंग का पूरा काम और मेल्टिंग फर्नेस की सम्पूर्ण जानकारी तथा चलाने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है **पता: लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिंबर मार्केट , फाफाडीह ,रायपुर 9893115637.**(RO-1407)

इंजीनियर

आवश्यकता है- समीर ट्रेडर्स माना बस्ती को अनुभवी ऑटो लेवल इंजीनियर की आवश्यकता है अनुभवी / डिग्रीधारी को प्राथमिकता । वेतन- 25 से 35 हजार अनुभव के आधार पर। **संपर्क समय- दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक लेखु बैस - 09617572600** (RO-6255)

अन्य

आवश्यकता है- (फ्रॉड कॉल से सावधान) RELIANCE JIO 5G कंपनी (SMS SENDING JOB) करके लड़के-लडकिया, गृहणिया, घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS / WHATSAPP **करें :- 07827428113, 07679699330.** (RO-1320)

आवश्यकता है- AIRPORT कम्पनी द्वारा डायरेक्ट भर्ती अनपढ़ 8th, 10th ग्रेजुएट (लड़के लड़किया) एयरहोस्टेस, सुपरवाईजर, मैनेजर ग्राउंड स्टॉफ क्लर्क चेकर लोडर गार्ड इलेक्ट्रीशियन ड्राईवर, हैल्पर, 31500- 82500 मेडिकल इंश्योरेंस रहना खाना फ्री.**7495042110.**(RO-2393)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - *फेल विद्यार्थी समय बचाए* :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करेः- B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (*अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क:-** *Bharti Education Academy* Sector-6 Bhilai Mo.- **9826196515, 9826896515** (RO-6334)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें **62638-18152**

हरिभूमि क्लासीफाईड

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्क:-APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़- 7869755871.**(Ro-2741)

Medical चिकित्सा

आयुर्वेदिक- बैगा द्वारा छत्तीसगढ़िया उपचार जैसे चर्म रोग थायराईड, लीवर, किडनी, पथरी, जोड़ों का दर्द शुगर, बवासीर, लकवा, माइग्रेन, खून की कमी स्त्री रोग, साइटिका, एलर्जी, नसों की कमजोरी पेट रोग सभी प्रकार के पुराने व असाध्य रोगों का आयुर्वेदिक दवाई द्वारा किया जाता है साथ ही ज्योतिष विचार देखा जाता है **मोबाइल नंबर 8461886239** (RO-995)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Property प्रापर्टी

प्लॉट बेचना है - दुर्ग अंजोरा- रायपुर भारतमाला हाईवे से थोड़ी ही दूरी पर, बिरेझर में मात्र 111/- फीट में फार्म हाऊस हेतु उपयुक्त 11000 sqft. भूमी उपलब्ध। मो. **9993135732.** (Ro-482)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने, बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिनः सुबह 9 से शाम 7 बजे रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद
○ गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन ।
○ शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना ।
○ लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी ।
○ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी ।
○ आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें ।
○ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
○ निःसंतान दम्पति आज ही मिले ।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

हेपाटाईटिस,एच.आई.वी. हर्पिस रोग एवं यौन समस्या
हेपाटाइटिस, हर्पिस, एवं एच.आई.वी. रोग अत्यंत घातक एवं खतरनाक वायरस हैं इसे किसी के कहने पर सुनी सुनाई अन्दाज से दवा खाकर समय की बर्बादी एवं जीवन से खिलवाड़ मत कीजिए , क्या आप गोली दवा ईलाज करके इस भ्रम में हैं कि रोग मुक्त हो गये अतः खून की जाँच कराएं तो पता चलेगा कि आप जड़ से रोग मुक्त हुए या नहीं । समझ में न आये तो स्वयं आकर मिले। स्त्री-पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) मे दाने छाले फून्सी, लाल होना फटना, जलन व दर्द योनि में खुजली एवं सफेद लाल व बदबूदार पानी, बुखार जैसा लगते रहना मुँह में छाले, शरीर में पानी भरे फफोले दर्द एवं जलन, गुप्तांग से पीप (पस) जाना शरीर में खुजली होते हो तो यह हर्पिस रोग होने की संभावना है । यौन समस्या : इन्द्रीय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुड़न, इरेक्टाइल डीसफंक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुनजन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, यूरेथा स्ट्रेक्चर अर्थात (पेशाब में रुकावट बूंद बूंद या नहीं उतरना) जलन ऐसे होते हो तो ध्यान रहें उपरोक्त बीमारियों का स्थाई ईलाज केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही है।
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल फार्मा साईटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303948500, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

खबर संक्षेप

डीसीएम श्रीराम का शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 38.64 करोड़ रुपये रहा है। समान तिमाही में 31.53 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय घटकर 516.61 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 541.58 करोड़ रुपये थी।

सोभा लिमिटेड 2000 करोड़ का राइट्स इश्यू लाएगी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड ने अगले पांच साल में अपनी इक्विटी पूंजी को चार गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है और वह चालू वित्त वर्ष में करीब 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए राइट्स इश्यू लाने वाली है। इसके बाद कंपनी का इक्विटी पूंजी आधार 2,500 करोड़ रुपये के मौजूदा स्तर से बढ़कर 4,500 करोड़ रुपये हो जाएगा।

जिप इलेक्ट्रिक ने जापानी कंपनी से जुटाई राशि

मुंबई। जिप इलेक्ट्रिक ने जापान की कंपनी ईएनईओएस से 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'सीरीज सी फंडिंग' के तहत 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए गए। यह पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण चक्र का हिस्सा है। इसमें चार करोड़ अमेरिकी डॉलर इक्विटी निवेश, जबकि बाकी एक करोड़ अमेरिकी डॉलर कर्ज है।

नाजारा टेक के प्रवर्तक ने 6.38% हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। नाज़ारा टेक्नोलॉजीज के प्रवर्तक मिटर इन्फोटेक ने मौजूदा निवेशक प्लूटस वेल्थ मैनेजमेंट को 48.8 लाख शेयर बेचे हैं, जो 6.38 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। नाज़ारा टेक्नोलॉजीज की प्रवर्तक कंपनी का नियंत्रण बरकरार रखेंगे। अपनी वर्तमान भूमिका में बने रहेंगे। नाज़ारा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के प्रवर्तक मित्तर इन्फोटेक एलएलपी ने 27 मई 2024 को शेयर बाजार में लेनदेन के जरिए प्लूटस वेल्थ मैनेजमेंट एलएलपी को 48,84,000 शेयर बेचे जो मौजूदा शेयर पूंजी का 6.38 प्रतिशत है।

एनएसई ने नकदी बढ़ाने चुनिंदा शेयरों के लिए 'टिक साइज' घटाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- फिलहाल टिक साइज 5 पैसा है, यह निर्णय 10 जून से लागू होने जा रहा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने 250 रुपए प्रति शेयर से कम कीमत वाले सभी शेयरों के लिए 1 पैसा टिक साइज तय किया है। एनएसई ने इसे काफी घटाया है। फिलहाल टिक साइज 5 पैसा है। यह फैसला 10 जून से लागू होने जा रहा है।

इस बदलाव से न सिर्फ लिक्विडिटी बढ़ेगी बल्कि प्राइस एडजस्टमेंट भी हासिल होगा। यह बदलाव सभी सिक्योरिटीज पर लागू होगा। हालांकि, इसमें कई सीरीज के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), जिनमें ईक्यू, बीई, बीजेड, बीओ, आरएल, और एएफ शामिल नहीं होंगे।

एनएसई ने 250 रु. से कम कीमत के शेयर के लिए एक पैसा टिक साइज की तय

क्या होता है टिक साइज

टिक साइज दो लगातार बाय और सेल प्राइस के बीच का मिनिमम प्राइस इंक्रीमेंट है। अगर टिक साइज छोटा हो तो प्राइस एडजस्टमेंट बहुत सटीक होता है। साथ ही बेहतर प्राइस निकलकर सामने आता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी स्टॉक का टिक प्राइस 0.10 रुपए और उसका लास्ट ट्रेडेड प्राइस 50 रुपए है तो उसका अगला बाय प्राइस 49.90, 49.80, 49.70 रुपए की सीरीज में होगा. ऐसी स्थिति में बिड प्राइस 49.85 या 49.92 रुपए नहीं हो सकती क्योंकि ये 10 पैसे टिक साइज के मापदंड पर फिट नहीं बैठती।

हर महीने टिक साइज का रिव्यू होगा

एनएसई के मुताबिक, टी+1 सेटलमेंट के तहत आने वाली सिक्योरिटीज का टिक साइज टी+1 सेटलमेंट के तहत आने वाली सिक्योरिटीज पर भी लागू होगा। एनएसई ने अपने सर्कुलर में कहा है वह हर महीने टिक साइज का रिव्यू करेगा। यह रिव्यू हर महीने के आखिरी कारोबारी सत्र के क्लोजिंग प्राइस पर किया जाएगा।

टिक साइज बदलने का क्या होगा प्रभाव

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव एनएसई के प्राइसिंग सिस्टम को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुकाबले लाकर खड़ा कर देगा। बीएसई ने पिछले साल मार्च में ही 100 रुपए से कम कीमत वाले स्टॉक का टिक साइज 1 पैसा कर दिया था। कैश मार्केट में बीएसई की बाजार हिस्सेदारी 2023 में 7 फीसदी से बढ़कर 2024 में 8 फीसदी हो गई है। समान अवधि में फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएडओ) सेगमेंट में इसकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़कर 5.3 फीसदी से 17 फीसदी हो गई है। टिक साइज घटाने से मार्केट में बेहतर प्राइस डिस्कवरी, लिक्विडिटी और अधिक कुशल ट्रेडिंग सिस्टम तैयार होने की उम्मीद है।

पिछले दस साल में केंद्रीय बजट की रुपरेखा बदल दी

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में बजट को बनाया समान वितरण का जरिया : सीतारमण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले 10 साल में केंद्रीय बजट की रूपरेखा बदल दी है। पहले यह केवल खर्चों का लेखा-जोखा होता था लेकिन मोदी सरकार ने इसे लोगों के बीच समान वितरण के लिए एक रणनीतिक खाके में तब्दील किया है। वित्त मंत्री ने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधारों की गति जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार करदाताओं की मेहनत की कमाई के मूल्य तथा प्रभाव को अधिकतम करना जारी रखेगी ताकि इसका लाभ सभी तक पहुंचाने के लिए इसका सर्वोत्तम इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सके।

एक्स पर किया पोस्ट

सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में लिखा, यह कांग्रेस नीत संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार की 'ऑफ-बजट' उधारी और 'ऑयल बांड' जारी करने के जरिये घाटे को छिपाने की दोहरायी जाने वाली प्रथा के बिल्कुल विपरीत है, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया।

बजट की विश्वसनीयता में दिखा काफी सुधार

संप्रग के तहत बजट आंकड़ों को अनुकूल दिखाने के लिए मानक राजकोषीय प्रथाओं को नियमित रूप से बदला गया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में पुरानी बाधाओं और प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की विश्वसनीयता में काफी सुधार देखा गया है।

प्रत्येक रुपए का विवेकपूर्ण उपयोग

सीतारमण ने कहा, 'हमारी सरकार ने बजट को केवल खर्चों के रिकॉर्ड से बदलकर समान विकास के रणनीतिक खाके में बदल दिया है। हम अपने करदाताओं से एकत्र किए गए प्रत्येक रुपये का विवेकपूर्ण और सही इस्तेमाल करते हैं...सार्वजनिक वित्त की पारदर्शी तस्वीर पेश करते हैं।'

सुधारों को आगे बढ़ाने प्रतिबद्ध

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत केंद्रीय बजट की विशेषता राजकोषीय विवेक, पारदर्शिता और समावेशिता है, जो सामाजिक विकास तथा बुनियादी ढांचे में निवेश सुनिश्चित करता है। मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने, पारदर्शिता बढ़ाने और विकसित भारत की मजबूत नींव रखने के लिए जारी सुधारों को आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध है।

वैश्विक भरोसे में सुधार हो सकता है

सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार ने अपनी बजट प्रथाओं और आंकड़ों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। पारदर्शी बजट वाले देशों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा अधिक अनुकूल नजरिये से देखा जाता है। इससे वैश्विक भरोसे में सुधार हो सकता है।

- पहले यह केवल खर्चों का लेखा-जोखा होता था
- मोदी सरकार ने इसे लोगों के बीच समान वितरण में तब्दील किया
- भारत को विकसित राष्ट्र बनाने सुधारों की गति जारी रखना होगा

केंद्र 108 प्रायोजित योजनाओं का संचालन करती है

सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के जरिये 108 केंद्र प्रायोजित योजनाओं का संचालन करती है, जिसका बजट वित्त वर्ष 2024-25 के लिए करीब 5.01 लाख करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए यह 4.76 लाख करोड़ रुपये था।

पहले बजट 28 फरवरी को होता था पेश : मंत्री ने कहा कि सरकार ने बजटीय प्रक्रिया और प्रथाओं को मजबूत करने और पारदर्शिता लाने के लिए कई सुधार किए हैं। 2017-18 से बजट एक फरवरी को पेश किए जाने लगा। इससे व्यय चक्र प्रभावी रूप से दो महीने आगे बढ़ गया। इससे पहले बजट 28 फरवरी को पेश किया जाता था।

हुंडई ने चेन्नई में ईवी चार्जिंग स्टेशन किया स्थापित

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

- तमिलनाडु में 100 चार्जिक स्टेशन स्थापित करने की योजना

वाहन विनिर्माता हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने यहां अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) फास्ट चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन की सोमवार को घोषणा की। कंपनी के अनुसार, यह तमिलनाडु में ऐसी 100 सुविधाएं स्थापित करने की दिशा में उसका पहला कदम है।

प्रसे विज्ञप्ति के अनुसार, 180 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग स्टेशन में 150 किलोवाट और 30 किलोवाट कनेक्टर शामिल हैं। यहां स्पेंसर प्लाजा में स्थापित किया गया है। यह ब्रांड तथा मॉडल से परे सभी चार पहिया वाहनों की जरूरतों को पूरा करेगा। एचएमआईएल के कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) जे. वान रयू के हवाले से विज्ञप्ति में कहा गया, भारत में एचएमआईएल के 28 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए चेन्नई में अपने पहले 180 किलोवाट फास्ट पब्लिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है।

हुंडई के 'मानवता के लिए प्रगति'' के दृष्टिकोण के अनुरूप हमारा लक्ष्य सभी ईवी उपयोगकर्ताओं की सुविधा बढ़ाना है। इसलिए हमारे चार्जिंग स्टेशन का इस्तेमाल कोई भी चार-पहिया ईवी उपयोगकर्ता कर सकता है।'

कंपनी अधिक लोगों को प्रेरित करेगी

ईवी परिवेश को बढ़ाने और राज्य भर में ईवी अपनाने के लिए अधिक लोगों को प्रेरित करने के लिए एचएमआईएल ने समूचे तमिलनाडु में 100 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

सोना 220 रुपए चढ़ा, चांदी में 1,050 रुपए का उछाल

- सोना बढ़कर 72,820 रुपए प्रति दस ग्राम पहुंचा
- चांदी उछलकर 92,850 रुपए किग्रा पर बंद हुई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

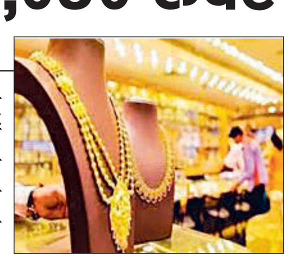

लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल आया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विदेशी बाजार में मजबूत रुख को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में सोना 220 रुपये उछलकर 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,050 रुपये की तेजी के साथ 92,850 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 91,800 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली के बाजारों हाजिर सोना (24 कैरेट) की कीमत 220 रुपये की तेजी के साथ 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी।' अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,344 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से नौ डॉलर अधिक है।

वैश्विक बाजार में सोने की मांग बढ़ी : गांधी ने कहा कि नरम अमेरिकी डॉलर के समर्थन से सोने ने सकारात्मक रुख के साथ कारोबार फिर से शुरू किया और इजरायल द्वारा राफा में हवाई हमले के बाद पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से, सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में सोने की मांग बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, चांदी भी बढ़कर 30.75 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

आरबीआई का लाभांश भुगतान 0.6 प्रतिशत जीडीपी के बराबर : फिच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सरकार को रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.6 प्रतिशत के बराबर है लेकिन इस उच्च प्रतिशत के बरकरार रह पाने की संभावना बहुत कम है। आरबीआई के निदेशक मंडल ने पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2023-24 में अर्जित मुनाफे में से सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था। यह अंतरिम बजट में निर्धारित 1.02 लाख करोड़ रुपये के अनुमान के दोगुने से भी अधिक है। फिच ने बयान में कहा कि आरबीआई को पिछले वित्त वर्ष में अधिक लाभ होने के पीछे विदेशी परिसंपत्तियों पर उच्च ब्याज राजस्व की भूमिका नजर आती है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने अभी तक इस बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, 'आरबीआई ने जीडीपी के 0.6 प्रतिशत के बराबर राशि सरकार को रिकॉर्ड-उच्च लाभांश के रूप में देने की घोषणा की। यह वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में अपेक्षित जीडीपी के 0.3 प्रतिशत से अधिक है।

लाभांश हस्तांतरण विभिन्न कारकों पर निर्भर

फिच ने कहा कि रिजर्व बैंक से सरकार को लाभांश हस्तांतरण विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें केंद्रीय बैंक की बैलेंस शीट और भारत की विनिमय दर पर मौजूद संपत्तियों का आकार और प्रदर्शन शामिल हैं।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुढमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
नकली माल से सावधान

कलानिधि मारन स्पाइसजेट से 1,323 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगेंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- जारी विवाद पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिया आदेश

केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने सोमवार को कहा कि वे स्पाइसजेट और उसके प्रमुख अजय सिंह से 1,323 करोड़ रुपये से अधिक का हर्जाना मांगेंगे। साथ ही दोनों पक्षों के बीच जारी विवाद मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के हाल के आदेश को चुनौती देंगे।

अदालत की खंडपीठ ने 17 मई को एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश को रद्द कर दिया। आदेश में मध्यस्थता न्यायाधिकरण के उस निर्णय को बरकरार रखा गया था, जिसमें स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह को ब्याज के साथ 579 करोड़ रुपये मारन को वापस करने के लिए कहा गया था।

पीठ ने 31 जुलाई, 2023 को पारित एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली सिंह और स्पाइसजेट की अपील को स्वीकार कर लिया और मध्यस्थता न्यायाधिकरण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नये सिरे से विचार करने के लिए मामले को संबंधित अदालत में वापस भेज दिया।

नुकसान का दावा केएएल एयरवेज व मारन ने किया

नुकसान का दावा केएएल एयरवेज और मारन ने मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया था। यह हमेशा से न्याय से जुड़ा अभिन्न हिस्सा बना हुआ है। बयान में कहा गया है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती और हर्जाने के दावे दोनों को आगे बढ़ाकर मामले के उचित और न्यायसंगत समाधान की उम्मीद है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania11@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
मो. 9039050422
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

गंभीर अकेले लूट ले गए महफिल, लेकिन पंडित-नायर-अरुण भी हैं जीत के 'गुमनाम हीरो'

एजेंसी ▸▸| चेन्नई

कोलकाता नाइटराइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैदान पर जहां मिचेल स्टार्क, सुनील नरेन, श्रेयस अय्यर, हर्षित राणा, आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ियों ने परफॉर्म किया तो परदे के पीछे से कोचिंग स्टाफ ने भी कमाल कर दिया। यही वजह है कि टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर हैं तो ट्रॉफी की सफलता के बाद गौतम गंभीर की तूती बोल रही है। हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। हालांकि, उनके अलावा भी सपोर्ट स्टाफ में 3 देसी बॉयज हैं, जिन्होंने टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

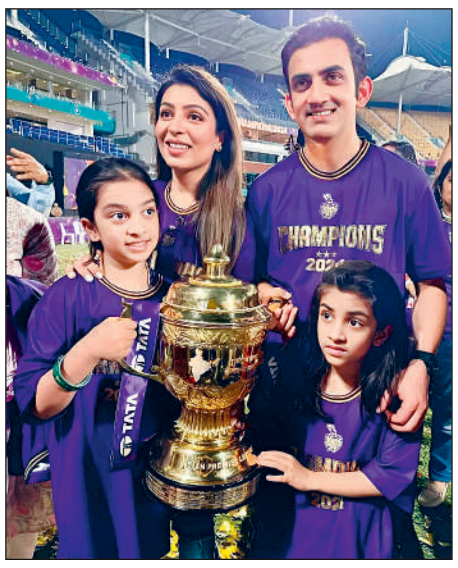

मेंटॉर गौतम गंभीर

2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप के हीरो गौतम गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पिछले सीजन तक जुड़े थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें जाने दिया। इस तरह कोलकाता नाइटराइडर्स और गौतम गंभीर फिर एक साथ आ गए। गंभीर के बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन उनकी स्ट्रेंथ और लीडर के रूप में काबिलियत पर कभी किसी को शक नहीं रहा। अब रिजल्ट सामने है। बेहद गंभीर छवि के गौति खिलाड़ियों के साथ बेहद दोस्ताना अंदाज में नजर आए। टीम चैंपियन बनी।

बॉलिंग कोच भरत अरुण

भरत अरुण टीम इंडिया में रवि शास्त्री के कार्यकाल के दौरान भारतीय गेंदबाजी को पैनी करने वाले भरत अरुण फिलहाल कोलकाता नाइटराइडर्स का हिस्सा हैं। उन्होंने गेंदबाजी में क्या बवाल काम किया यह हर कोई देख रहा है। हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, सुयश शर्मा जैसे देसी खिलाड़ियों पर खूब पसीना बहाया और उन्होंने टीम को टूर्नामेंट में जीत दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई।

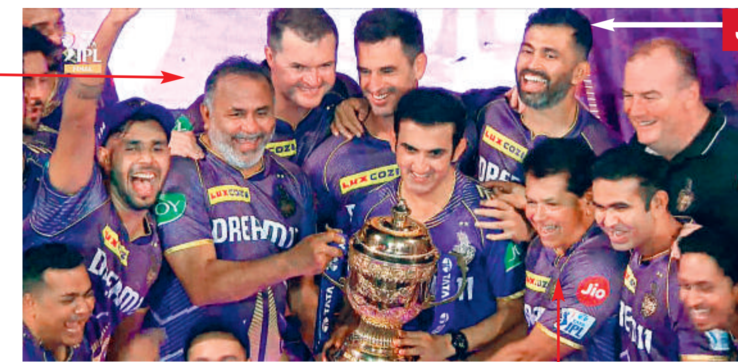

हेड कोच चंद्रकांत पंडित

रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने वाले चंद्रकांत पंडित को काफी सख्त कोच माना जाता है। दो साल पहले जब वह टीम से जुड़े तो कुछ का मानना था कि डोमेस्टिक क्रिकेट में किसी टीम को फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट का चैंपियन बनाना और आईपीएल जैसे फास्ट मूविंग टूर्नामेंट में टीम को कोचिंग देना अलग-अलग बातें हैं। टीम की सफलता को देखकर यह आप कह सकते हैं कि उन्होंने टाइम लिया, लेकिन प्रोसेस में विश्वास रखने वाले पंडित आखिरकार आईपीएल के भी पंडित निकले।

असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर

इस लिस्ट में अभिषेक नायर का नाम भले ही तीसरे नंबर पर लिया जा रहा है, लेकिन यकीन मानिए अगर खिलाड़ियों से पूछेंगे तो वह शायद टॉप पर रखें। फिलहाल जहां सेलिब्रिटिज क्रिकेट कोचों की भीड़ है तो अभिषेक बेहद लो प्रोफाइल रहकर काम करने में विश्वास रखते हैं। हर खिलाड़ी की कमियां पहचानने से लेकर ग्रूम करने तक में वह ग्राउंड लेवल पर काम करते हैं। रोहित शर्मा की 2013 में वापसी करने वाले भी अभिषेक ही थे। यही वजह है कि वरुण चक्रवर्ती ने हर किसी के सामने उनका नाम खुलकर लिया।

खबर संक्षेप

मैदानकर्मियों और क्यूरेटर को मिलेंगे 25-25 लाख

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने उन्हें 'गुमनाम नायक' बताते हुए सोमवार को घोषणा की कि सभी 10 नियमित आईपीएल स्थलों के मैदानकर्मियों और क्यूरेटरों को लीग के दौरान 'शानदार पिचें' मुहैया करने के लिए सराहना के तौर पर 25-25 लाख रुपए दिए जाएंगे। शाह ने एक्स पर लिखा, 'हमारे सफल टी20 सत्र के गुमनाम नायक मैदानकर्मी हैं जिन्होंने कठिन मौसम में भी शानदार पिचें प्रदान करने के लिए अथक प्रयास किए। हमारी सराहना के प्रतीक के तौर पर 10 नियमित आईपीएल स्थलों पर मैदानकर्मियों और क्यूरेटर को 25 लाख रुपए मिलेंगे और तीन अतिरिक्त स्थानों पर 10 लाख रुपए मिलेंगे।

शुभंकर ऑस्ट्रिया ओपन के सेमीफाइनल में हारे

ग्रेज। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी शुभंकर डे को यहां ऑस्ट्रिया ओपन इंटरनेशनल चैलेंज के सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के प्राहदिस्का बगास शुजिवो के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

तीस साल के शुभंकर को रविवार को प्राहदिस्का के खिलाफ 42 मिनट चले मुकाबले में 17-21, 15-21 से हार मिली।

अभ्यास मैचः ऑस्ट्रेलिया के पास खिलाड़ियों की कमी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया को खिलाड़ियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और आईपीएल तथा टी20 विश्व कप के बीच कम समय के कारण अगले महीने होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट के अभ्यास मैचों में सहायक स्टाफ के सदस्यों को स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतारने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया बुधवार को नामीबिया और शुक्रवार को त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलेगा लेकिन उनके पास दो मैचों के लिए सिर्फ आठ खिलाड़ी उपलब्ध हो सकते हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश आईपीएल प्ले ऑफ में खेलने के बाद ब्रेक लेंगे।

क्वालीफायरः अंकुशिता जीती, अभिमन्यु हारे

बैंकॉक। पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो ने सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक के दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 60 किग्रा वर्ग में मंगोलिया की नामून मोनखोर को हराया। अभिमन्यु लोरा को आयरलैंड के केलिन केसिडी के खिलाफ 80 किग्रा वर्ग में शिकस्त झेलनी पड़ी। अंकुशिता ने मंगोलिया की अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मजबूत शुरुआत की और तीन दौर के बाद 4-1 के खंडित फैसले से जीत दर्ज की। केसिडी ने अभिमन्यु के अंतिम दौर में अपना सब कुछ झोंकने के बावजूद 5-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहे।

प्रो लीग : हरमनप्रीत ने 29वें, 50वें और 52वें मिनट में दागे गोल

हरमनप्रीत की हैट्रिक से भारत ने अर्जेंटीना को 5-4 से हराया

भारत का अगला मुकाबला एक जून को जर्मनी से होगा

एजेंसी ▸▸| एंटवर्प

कप्तान हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग में अर्जेंटीना पर 5-4 से रोमांचक जीत दर्ज की।

हरमनप्रीत (29वें, 50वें और 52वें मिनट) के अलावा अराइजीत सिंह हुंदल (सातवें मिनट) और गुरजंत सिंह (18वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल किए। अर्जेंटीना के लिए फेडेरिको मोंजा (तीसरे मिनट), निकोलस कीनन (24वें मिनट), तादेओ मारुची (54वें मिनट) और लुकास मार्टिनेज (57वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। भारत का अगला मुकाबला एक जून को जर्मनी से होगा।

पहला क्वार्टर

भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले क्वार्टर में अधिकांश समय गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सटीक पास देकर अर्जेंटीना के सर्कल में घुसे। हालांकि पहला गोल अर्जेंटीना ने दागा जब फेडरिको ने करीब से गोल करके टीम को 1-0 से आगे किया। भारत ने जल्द ही बराबरी हासिल कर ली जब अराइजीत ने शानदार मैदानी गोल किया। भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका और पहला क्वार्टर 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

दूसरा क्वार्टर

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की। गुरजंत ने बेहतरीन मैदानी गोल दागकर टीम को 2-1 से बढ़त दिलाई। कीनन ने इसके बाद भारतीय रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए सर्कल में प्रवेश किया और गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 2-2 कर दिया। हालांकि भारत ने क्वार्टर में एक मिनट शेष रहते हुए पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और हरमनप्रीत ने भारत को 3-2 से आगे कर दिया।

तीसरा क्वार्टर

तीसरा क्वार्टर में दोनों टीमों ने तेजतर्रार हॉकी का प्रदर्शन किया। भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसे गोल में नहीं बदल सका क्योंकि हरमनप्रीत के शॉट को अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक दिया। दोनों टीमों की रक्षापंक्ति मजबूत होने के कारण तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा।

चौथा क्वार्टर

चौथे क्वार्टर में भारत अच्छी लय में दिखा। टीम ने अर्जेंटीना को गलतियां करने के लिए मजबूर किया जिससे मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे पेनल्टी स्ट्रोक में बदल दिया गया और हरमनप्रीत ने गोल करके भारत को 4-2 की बढ़त दिला दी। दो मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया और इस बार भी हरमनप्रीत ने गोल करके भारत को 5-2 से आगे कर दिया। अर्जेंटीना ने तादेओ और लुकास के गोल से हार का अंत कम किया लेकिन भारत को 5-4 से जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाया।

आईपीएल-17

अय्यर ने मेसी की स्टाइल में मनाया जीत का जश्न

एजेंसी ▸▸| चेन्नई

निराशा को पीछे छोड़कर कामयाबी की नई दास्तान लिखने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लियोनेल मेसी के विश्व कप जीतने के अंदाज में रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का जश्न मनाया।

अय्यर ने सभी निराशा को पीछे छोड़कर केकेआर के आईपीएल खिताब के 10 साल को सूखे को उसी तरह खत्म किया जैसे मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 36 साल के बाद विश्व कप जीता था। मेसी को 2014 विश्व कप के फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा था तो वही श्रेयस को इस तरह के पल का सामना 2020 में करना पड़ा था जब उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल फाइनल का सफर तय किया था।

आईपीएल ट्रॉफी उठाने के बाद श्रेयस ने टीम के अपने साथियों के साथ उसी तरह से जश्न मनाया जैसे मेसी ने दोहा में फीफा विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को हराने के बाद मनाया था।

मैं विश्व कप ट्रॉफी भी उठाऊंगा : रिंकू

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल के फाइनल में रविवार को जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम के लिए विश्व कप ट्रॉफी उठाने की उम्मीद जताई। रिंकू ने कहा, 'मैं यहां से पहले नोएडा जाऊंगा और फिर अमेरिका के लिए रवाना होना है। आप लोग देखना, मैं विश्व कप ट्रॉफी भी उठाउंगा।' रिंकू को भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है,जो चर्चा का विषय है। वह शुभमन गिल के साथ उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो टीम के साथ रिजर्व के तौर पर यात्रा करेंगे।

लाल बजरी के बादशाह नडाल पहले दौर में हारे

एजेंसी ▸▸| पेरिस

लाल बजरी के बादशाह रहे रफेल नडाल फ्रेंच ओपन के पहले दौर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से 3-6, 6-7, 3-6 से हार गए और माना जा रहा है कि 14 बार के चैंपियन का रोलां गैरो पर यह आखिरी मैच था। अपने लंबे और सुनहरे कॅरियर में पहली बार नडाल क्लेकोर्ट पर लगातार दो मैच हारे हैं। फ्रेंच ओपन में पहली बार वह चौथे दौर से पहले बाहर हुए हैं।

क्लेकोर्ट पर इस ग्रैंडस्लैम में उनका कॅरियर रिकॉर्ड अब 112-4 हो गया है। नडाल को संभवतः आखिरी बार खेलते देखने के लिए करीब 15000 दर्शक जमा थे जिन्होंने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल तीन जून को 38 वर्ष के हो जाएंगे। वह जनवरी 2023 से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने 15 मैच खेले और उनका रिकॉर्ड 8-7 का रहा है।

चोटों की वजह से उनकी रैंकिंग गिरकर 275वीं हो गई और फ्रेंच ओपन में पहली बार वह गैर वरीय खिलाड़ी थे। इसी वजह से पहले ही दौर में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव से हुआ जो 2020 अमेरिकी ओपन उपविजेता रहे। वह फ्रेंच ओपन में इससे पहले 2010 में रॉबिन सोडरलिंग से और 2015 तथा 2021 में नोवाक जोकोविच से हारे थे।

सुमित नागल पहले दौर में हारकर बाहर

भारत के सुमित नागल को फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने पदार्पण मैच में ही सोमवार को यहां रूस के करेन खाचनोव के हाथों सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। भारत के चोटी की एकल खिलाड़ी और विश्व रैंकिंग में 95वें नंबर पर काबिज नागल के पास खाचनोव की दमदार सर्विस और करारे शॉट का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने तीसरे सेट में जरूर शानदार खेल दिखाया लेकिन इसके बावजूद वह पहले दौर में 2-6, 0-6, 6-7 (5-7) से हार गए। नागल ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दुनिया के 31वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर चौंका दिया था लेकिन लाल बजरी पर वह अपना यह करिश्मा नहीं दोहरा पाए।

भारत ने की महिला फुटबॉल टीम की घोषणा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ 31 मई और चार जून को ताशकंद में खेले जाने वाले दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए सोमवार को 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की। भारतीय दल बुधवार को ताशकंद रवाना होगा।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपरः श्रेया हुडा, मैबाम लिनथोइनगांबी देवी, एम मोनालिसा देवी।

डिफेंडरः एल आशालता देवी, संजू, हेमम शिल्की देवी, जूली किशन, अस्तम ओरांव, अरुणा बैग, सोरोखैबम रंजना चानू, वांगखेम लिन्थोइंगंबी देवी।

मिडफील्डरः कार्तिका अंगमुथु, कविया, नाओरेम प्रियंगका देवी, नेहा, संध्या रंगनाथन, संगीता बासफोर, सौम्या गुगुलोथ, अंजू तमांग।

7 जून को होगा एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप का चयन ट्रायल

जॉर्डन के अम्मान में 22 से 30 जून तक होगा टूर्नामेंट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| धमतरी

अंडर 17 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप जॉर्डन के अम्मान में 22 से 30 जून तक आयोजित है। खिलाड़ियों का चयन नई दिल्ली में 7 जून को आईजी स्टेडियम में होगा।

छग के जिन पहलवानों के पास पासपोर्ट उपलब्ध हैं, वे छग कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष व धमतरी जिला संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण लाल साहू पहलवान से संपर्क कर सकते हैं। श्री साहू ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए वजन श्रेणियां निर्धारित हैं। फ्री स्टाइल में 41, 45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92 व 110 किग्रा है। ग्रीको रोमन शैली में 41, 45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92, 110 किग्रा है। महिला कुश्ती में 36, 40, 43, 46, 49, 53, 57, 61, 65, 69, 73 किग्रा है।

भारतीय कुश्ती महासंघ की संबद्ध इकाईयां प्रत्येक भार वर्ग में 1 पहलवान को प्रवेश देने के लिए पात्र है। 4 जून तक सभी अपनी अंतिम प्रविष्टियां भेज सकते हैं। वजन 7 जून को 7 बजे लिया किया जाएगा। ट्रायल के दौरान सभी प्रतिभागी को अपना पासपोर्ट और फोटो देने होंगे। परीक्षण में भाग लेने वालों को बोर्डिंग आवास नहीं दिया जा रहा है।

पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करेंगे खिलाड़ी

सिंधू करेगी सिंगापुर ओपन में भारत की अगुवाई

एजेंसी ▸▸| सिंगापुर

पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे लगभग सात करोड़ रुपए पुरस्कार राशि वाले सिंगापुर ओपन में दमदार प्रदर्शन करके पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की कोशिश करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में दो महीने ही बचे हैं और चार वर्षों में होने वाले इन खेलों में भाग लेने से पहले खिलाड़ियों को खुद के खेल में सुधार करने के लिए सिंगापुर ओपन 750 के अलावा ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500, इंडोनेशिया सुपर 1000, कनाडा ओपन सुपर 500 में भाग लेने का मौका मिलेगा। थाईलैंड ओपन में हाल ही में चैंपियन बनी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ओलंपिक के लिए बेहतरीन लय में दिख रही हैं, जबकि सिंधू ने भी रविवार को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहने के बाद अपना दावा मजबूत किया है। लक्ष्य और प्रणय पिछले कुछ समय से चली आ रही खराब लय को पीछे छोड़ पेरिस खेलों से पहले लय हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। मलेशिया मार्स्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ निर्णायक गेम में 11-3 की बढ़त को गंवाने वाली सिंधू यहां डेनमार्क की लीन होजमार्क कजेर्सफेल्ट के खिलाफ सकारात्मक शुरुआत करना चहेंगी। मलेशिया में सिंधू का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला लगभग 80-80 मिनटों तक चला था जिससे उनके लिए थकान से उबरना भी जरूरी होगा।

भारतीयों के सामने चुनौती

पुरुष युगल में विश्व में नंबर एक सात्विक और चिराग के सामने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड की चुनौती होगी। लक्ष्य का पुरुष एकल में सामना दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन से होगा। स्वास्थ्य समस्याओं से उबर रहे आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को बेल्जियम के जूलियन कैरागी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना है। अन्य भारतीयों में किदांबी श्रीकांत जापान के पांचवें वरीय कोडाई नाराओका से भिड़ेंगे जबकि प्रियांशु राजावत पुरुष एकल में हांगकांग के ली चेउक यियू के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे। महिला एकल में आकर्षी कश्यप का सामना पहले दौर में थाईलैंड की पोर्नपिचा चोइकेवोंग से होगा।

हवाई जहाज की विंडो छोटी क्यों होती हैं, उन्हें गोल ही क्यों बनाया जाता है?

एजेंसी ▶▶| लंदन

प्लेन में अगर आप सफर कर रहे हों, तो सोचते होंगे कि काश बड़ी खिड़कियां होतीं, ताकि नजारा और बेहतर होता। प्राकृतिक रोशनी मिलती, लेकिन आपने देखा होगा कि हवाई जहाज की विंडो हमेशा छोटी रखी जाती है। कभी सोचा कि आखिर इन्हें छोटा क्यों रखा जाता है? इन्हें गोल ही क्यों बनाया जाता है? एक एविएशन एक्ससपर्ट ने इसका जवाब दिया है।

बोइंग 787 जैसे अत्याधुनिक विमानों में अब आने लगी हैं बड़ी खिड़कियां

खिंचाव पैदा होगा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, विमान की खिड़कियां धड़ का हिस्सा होती हैं। अगर उन्हें बड़ा किया जाए तो प्लेन की संरचना कमजोर हो जाएगी। बड़ी खिड़कियां विमान की सतह पर हवा के सुचारू प्रवाह को बाधित कर देती हैं, जिससे खिंचाव पैदा होगा और दक्षता कम हो जाएगी। अगर कोई छोटी-मोटी बाहरी वस्तु भी टकरा जाए, तो काफी नुकसान हो सकता है। विमान की विंडो का छोटा आकार प्रभावी सीलिंग की अनुमति देता है। यह सुनिश्चित करता है कि विमान के केबिन का दबाव उच्च बना रहे। इससे यात्रियों की सुरक्षा बनी रहती है। कुछ आधुनिक विमान, जैसे बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में बड़ी खिड़कियां आने लगी हैं।

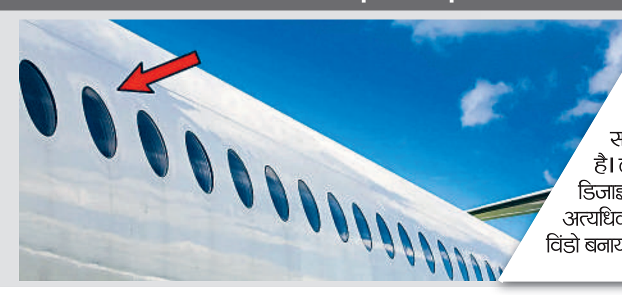

विंडो गोल बनाने की ये रही वजह

अब दूसरे सवाल का जवाब- खिड़कियां गोल इस वजह से बनाई जाती हैं, क्योंकि इससे दबाव पूरे विमान पर समान रूप से होता है। 70 साल से भी ज्यादा समय से विमानों में गोल विंडो का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इससे पहले ऐसा नहीं था। शुरुआती दिनों में डिजाइन की वजह से दो हादसे हुए। 1940 में विमानों को जब अत्यधिक ऊंचाई पर ले जाने की शुरुआत हुई, तब से इसे गोल विंडो बनाया जाता है।

हम सब जानते हैं कि हवाई जहाज 10,000 फीट से ऊपर उड़ते हैं। जहां केबिन का दबाव और तापमान में परिवर्तन काफी ज्यादा होता है। वैसे तो प्लेन की संरचना काफी मजबूत होती है। उन्हें इस तरह डिजाइन किया जाता है कि पक्षियों के हमले या कोई छोटा-मोटा मलबा भी आकर टकरा जाए, तो नुकसान न हो। लेकिन खिड़कियां अपेक्षाकृत छोटी रखने से उनकी ताकत और ऐसी घटनाओं को झेलने की क्षमता बढ़ जाती है।

विदेश में बन जाते हैं वीवीआईपी

भारत का ऐसा पासपोर्ट जिस पर बिना वीजा किसी भी देश में एंट्री

नई दिल्ली। भारत सरकार कुल 4 तरह के पासपोर्ट जारी करती है। पहला- ब्लू पासपोर्ट, दूसरा- ऑरेंज पासपोर्ट, तीसरा- व्हाइट पासपोर्ट और चौथा- डिप्लोमेटिक पासपोर्ट या मैरून पासपोस्ट. इन पासपोर्ट का कलर अलग-अलग इसलिये है, ताकि आम भारतीयों को सरकारी अधिकारियों और राजनयिकों से अलग रखा जा सके और दूसरे देश में कस्टम और पासपोर्ट चेक करने वाले अधिकारी इन्हें आसानी से पहचान सकें।

ब्लू पासपोर्ट

ब्लू पासपोर्ट सबसे कॉमन पासपोर्ट है, जो आम नागरिकों को जारी किया जाता है। इसका रंग गाढ़ा नीला होता है। विदेश मंत्रालय आम नागरिकों को व्यक्तिगत अथवा पेशेवर जरूरतों के लिए ब्लू पासपोर्ट जारी करती है।

डिप्लोमेटिक

हाईप्रोफाइल सरकारी अफसरों, राजनयिकों और सरकार के प्रतिनिधियों को डिप्लोमेटिक पासपोर्ट जारी किया जाता है। कुल पांच कैटेगरी के लोगों को इशू किया जाता है। पहला- राजनयिक दर्जा रखने वाले लोग, दूसरा- भारत सरकार के ऐसे वरिष्ठ अधिकारी जो सरकारी काम से विदेश जा रहे हैं, तीसरा- विदेश सेवा (आईएफएस) के ए और बी ग्रुप के अधिकारी, चौथा- विदेश मंत्रालय और आईएफएस की इमीडिएट फैमिली और पांचवां- सरकार की ओर अधिकारिक यात्रा करने वाले व्यक्ति (जिसमें केंद्रीय मंत्री, सांसद, राजनेता आते हैं)।

ऑरेंज पासपोर्ट

ऑरेंज पासपोर्ट, उन भारतीय नागरिकों को जारी किया जाता है, जो सिर्फ 10वीं तक ही पढ़े होते हैं। ये पासपोर्ट ज्यादातर उन भारतीयों के लिए जारी किया जाता है, जो विदेश में माइग्रेंट लेबरर के तौर पर काम करने के लिए जाते हैं।

व्हाइट पासपोर्ट

भारत सरकार, सरकारी कामकाज से विदेश यात्रा करने वाले अपने अधिकारियों को व्हाइट पासपोर्ट जारी करती है। कस्टम चेकिंग के समय उनके साथ सरकारी अधिकारियों जैसा बर्ताव किया जाता है। सफेद पासपोर्ट के लिए आवेदक को अलग से एक ऐप्लीकेशन देनी पड़ती है। इसमें उसे बताना पड़ता है कि उसे इस पासपोर्ट की जरूरत क्यों है? उन्हें अलग से कई सुविधाएं मिलती हैं।

क्यों सबसे ताकवर है डिप्लोमेटिक पासपोर्ट?

डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को भारत का सबसे ताकतवर पासपोर्ट कहा जाता है। जिनके पास यह यह पासपोर्ट होता है, उन्हें ज्यादातर देशों में वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। अगर वीजा जरूरी भी है तो आम पासपोर्ट धारकों के मुकाबले फटाफट और प्राथमिकता पर वीजा मिल जाता है। डिप्लोमेटिक पासपोर्ट होल्डर को सिक्योरिटी से लेकर तलाशी तक विदेश में गिरफ्तार अथवा हिरासत में नहीं लिया जा सकता। उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी नहीं की जा सकती। ऐसे पासपोर्ट होल्डर को भारतीय दूतावास अथवा मिशन तक पहुंच हासिल होती है। अगर मेजबान देश में किसी भी तरह का खतरा है अथवा हालात बिगड़ गए हैं तो डिप्लोमेटिक पासपोर्ट होल्डर को सबसे पहले सुरक्षित निकाला जाता है या रेस्क्यू किया जाता है।

इस कंपनी में दुखी होने पर मिल जाती है छुट्टी

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

बहुत से लोग रोजाना ऑफिस जाते हैं मेहनत और शिद्दत से काम करते हैं। लेकिन इंसानों के अंदर भावनाएं भी होती हैं। कई मौके ऐसे आते हैं जीवन में जब मन में उथल-पुथल चल रही होती है। जब खुद की परेशानियों से इंसान घिरा होता है। ऐसे में उसका कुछ करने का मन नहीं करता। ऑफिस जाने का भी मन नहीं करता। लेकिन दफ्तर की तनख्वाह से घर चलता है। इसलिए लोग मन मार कर दफ्तर चले ही जाते हैं। क्योंकि दुनिया का मानना है उदास होने बीमार होने जैसा खतरनाक नहीं होता। लेकिन सोशल मीडिया पर एक चीनी कंपनी ने अपने कर्मचारियों को उदास होने पर छुट्टी लेने का प्रावधान कर दिया है।

चीन में एक सुपर मार्केट कंपनी है। फैट डोंग लाई जिस तरह भारत में बिग बाजार है कुछ-कुछ उसी तरह समझ लीजिए। इस कंपनी का व्यापार चीन के हैनान प्रांत में काफी फैला हुआ है। कंपनी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इसकी वजह कंपनी का व्यापार नहीं, बल्कि कंपनी की नई लीव पॉलिसी है।

चीन की फैट डोंग लाई कंपनी का फैसला

फैट डोंग लाई कंपनी ने अपने कर्मचारियों को सैड लीव देने का फैसला किया है। आपने अब तक कैजुअल लीव सुनी होगी, सिक लीव सुनी होगी लेकिन सैड लीव यह क्या होती है। फैट डोंग लाई कंपनी के मालिक ने कंपनी के कर्मचारियों को उदास होने पर, दुखी होने पर सालाना 10 सैड लीव देने का फैसला किया है।

सालाना 40 लीव देती है फैट डोंग लाई

फैट डोंग लाई कंपनी चीन की बाकी कंपनियों से काफी अलग है। कर्मचारी साल भर में 40 दिन की छुट्टी ले सकते हैं। कंपनी के कर्मचारी हफ्ते में 5 दिन काम करते हैं। और वह भी 7 घंटे। वहीं चीन की बाकी कंपनियों की बात की जाए तो अधिकतर कंपनियां 6 दिन काम करवाती हैं और 12 घंटे की शिफ्ट होती है। फैट डोंग लाई के हैनान प्रांत में कुल 12 स्टोर हैं। इससे पहले भी कंपनी ने अपने कर्मचारियों को विदेश छुट्टियों के लिए भेजने की घोषणा की थी। जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। फैट डोंग लाई की नई सैड लीव पॉलिसी भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

बेहद अजीब है ये प्रथा

शादी से पहले लड़की को करते हैं किडनैप, 100 दिनों तक शरीर पर रेत लगाए रहती है बंद!

एजेंसी ▶▶| लंदन

दुनिया में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी अजीबोगरीब प्रथाएं लोगों को हैरान करती हैं। इनमें अफ्रीकी जनजातियां भी शामिल हैं। आज भी ये जनजातियां इन प्रथाओं का पालन करती हैं। नामीबिया में रहने वाली हिंबा जनजाति की भी ऐसी ही एक प्रथा है। यहां पर शादी से पहले दुल्हन को किडनैप कर लिया जाता है। उसे 100 दिनों तक एक कमरे में बंद रखते हैं। उस दौरान उसके शरीर पर लाल रेत लगाई जाती है।

वीडियो हो रहा है वायरल

हाल ही में एक वीडियो में एक लड़की किसी झोपड़ी में बैठी नजर आ रही है। उसके पूरे शरीर पर लाल रेत लगी हुई है। जानकारी के अनुसार ये लड़की हिंबा जनजाति की है। इस जनजाति में दुल्हनों को शादी से पहले किडनैप कर लेते हैं। दूल्हे के परिवार वाले उसे अपने घर में लाकर एक अलग कमरे में रखते हैं और उसके खाने-पीने का और कपड़ों का ध्यान रखते हैं। इसके अलावा उन्हें कमरे में 100 दिनों तक बंद रहना पड़ता है। इस दौरान उन्हें अपने बदन पर लाल रेत लगाए रहना पड़ता है।

वायरल वीडियो को 32 लाख व्यूज मिल चुके हैं। कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि वो लड़की बेहद उदास लग रही है।

एक ही बार नहाती हैं यहां की महिलाएं

इस जनजाति से जुड़ी एक और हैरान करने वाली बात है। वो ये कि इस जनजाति की महिलाएं जीवन में सिर्फ एक बार नहाती हैं, वो भी अपनी शादी के दिन। इसके अलावा वो पानी का इस्तेमाल कर कपड़े भी नहीं धुल सकतीं। ये औरतें खुद को साफ करने के लिए जड़ीबूटियों का इस्तेमाल करती हैं। उसे ये पानी में उबाल लेती हैं और जो उससे भाप निकलती है उससे खुद को साफ करते हैं। इससे शरीर से बदबू नहीं आती है।

लक्षद्वीप की मूंगा चट्टानों पर मंडराता चौथे वैश्विक ब्लीचिंग का खतरा

न्यूयार्क। लक्षद्वीप द्वीपसमूह में मूंगा चट्टानों (कोरल) में बड़े पैमाने पर ब्लीचिंग, यानी फ़ीका या सफ़ेद रंग, होने के पहले लक्षण दिखना शुरू हो गए हैं। खास करके उथले समुद्र और लगूनों में यह तनाव का संकेत है, जिससे बड़ी तादाद में मूंगा चट्टानों की मृत्यु होती है। दो हफ्ते पहले अमेरिका के मौसमी विभाग और राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन ने उष्ण-कटिबंधित प्रदेशों में वैश्विक स्तर पे ऐसे ब्लीचिंग होने पुष्टि की है। 2023 से चल रही एल-निनो परिस्थिति के कारण दुनियाभर के समुद्री तापमान में बढ़ोतरी हुई है, जिसकी वजह से वैश्विक स्तर पर 1998 से यह चौथी ब्लीचिंग की घटना है। यह पृथ्वी पर होने वाले भगौड़े जलवायु परिवर्तन का तमाम पारिस्थितिकीयों पर असर पड़ने का बड़ा संकेत है। उथले समुद्र का औसत तापमान हमेशा के मौसमी तापमान से 1.6 डिग्री ज्यादा है, जिसकी वजह से वैज्ञानिकों को लक्षद्वीप में बड़े पैमाने पर इन मोंगा चट्टानों के तनाव में होने के संकेत दिखने शुरू हो गए हैं।

भारत का वो गांव, जहां हर घर के बाहर लिखी है खास चीज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत का इतिहास काफी स्वर्णिम रहा है। कहा जाता है कि भारत कई देवी-देवताओं का निवास स्थान रहा है। द्वारका में श्रीकृष्ण तो अयोध्या में भगवान राम रहा करते थे। भारत के लोगों की धर्म में काफी आस्था है। इस वजह से आपको ऐसे कई घर नजर आ जाएंगे जहां की दीवारों पर देवी-देवताओं की तस्वीर लगी है। लेकिन, आज हम आपको एक यूनिक गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। ये गांव मध्यप्रदेश के झाबुआ में स्थित है। इस गांव के हर घर की दीवार पर आपको रामायण की चौपाई लिखी दिख जाएगी। इसके अलावा ऐसे दोहे जो लोगों का ज्ञान बढ़ाते हैं, वो भी जगह-जगह लिखी मिल जाएगी। हर घर की दीवार पर कुछ ना कुछ लिखा है और लोग इन पक्तियों को आते-जाते पढ़ते भी हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com